हर खबर पर पैनी नजर

नई सोच एक्सप्रेस

(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

भारत का श्रीलंका दौरा : शुभमन गिल ने...

www.naisochlive.com | पटना, सोमवार, 10 अगस्त 2026, वर्ष- 09, अंक- 167, पृष्ठ-12, मूल्य - 3:00 | naisochexpress@gmail.com

मोरहाबादी में आदिवासी अस्मिता का महासंगम

राज्यपाल-सीएम ने किया झारखंड आदिवासी महोत्सव का उद्घाटन, हेमंत बोले- युवाओं को मिलेगा पारदर्शी न्याय, गड़बड़ी करने वालों पर होगी कठोर कार्रवाई

नई सोच एक्सप्रेस। रांची

मोरहाबादी मैदान में रविवार को झारखंड आदिवासी महोत्सव-2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने संयुक्त रूप से महोत्सव का उद्घाटन किया। उद्घाटन के साथ ही मोरहाबादी मैदान आदिवासी कला, संस्कृति, परंपरा और जीवनशैली के रंगों से सराबोर हो उठा। पारंपरिक वाद्य यंत्रों की गूंज, नगाड़ा फॉर्मेशन, लोकनृत्य और पारंपरिक वेशभूषा ने झारखंड की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जीवंत कर दिया। राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने प्रदर्शनी शिविर, वृत्तचित्र फिल्म महोत्सव, इमर्सिव जोन और चित्रकला शिविर का भी उद्घाटन किया। महोत्सव में झारखंड सहित देश के विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों और कारीगरों ने आदिवासी कला एवं शिल्प, हस्तशिल्प, पारंपरिक खान-पान, लोक संगीत और नृत्य की प्रस्तुतियां दीं।

धरती पर आदिवासी समाज की अलग पहचान : हेमंत : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि धरती पर आदिवासी समाज की अपनी अलग पहचान है और इसे अक्षुण्ण रखना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि यह महोत्सव केवल सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि आदिवासी समाज की गौरवशाली विरासत, संघर्ष और पहचान को याद करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि झारखंड केवल एक राज्य नहीं, बल्कि वीरों की भूमि है। यहां के पूर्वजों ने अपने अधिकार, अस्मिता और स्वतंत्रता के लिए लंबे समय तक संघर्ष किया। जल, जंगल और जमीन आदिवासी समाज के लिए केवल संसाधन नहीं, बल्कि उनके जीवन, संस्कृति और अस्तित्व का अभिन्न हिस्सा हैं।

युवाओं को दिग्भ्रमित न होने की अपील : मुख्यमंत्री ने विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे युवाओं और विद्यार्थियों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सरकार उनकी भावनाओं और समस्याओं को गंभीरता से समझ रही है। हर समस्या का समाधान संवाद से संभव है। उन्होंने युवाओं से दिग्भ्रमित न होने और अपनी बात सरकार के समक्ष स्पष्ट एवं निर्भीक तरीके से रखने की अपील की।

हेमन्त सोरेन ने कहा कि उनके संज्ञान में गड़बड़ी आई है तो उसकी जांच होगी और युवाओं को न्याय मिलेगा। दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि युवाओं के साथ न्याय पूरी पारदर्शिता के साथ होगा और न्याय होता हुआ दिखाई भी देगा।

संविधान देता है बराबरी का अधिकार : मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर का संविधान देश के प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार देता है। अमीर हो या गरीब, सभी को बराबरी का अधिकार प्राप्त है। सामाजिक और आर्थिक असमानता को कम करना तथा सभी वर्गों को समान अवसर देना समय की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि झारखंड अपनी क्षमता और पहचान के साथ आगे बढ़ रहा है। राज्य की प्रगति को रोकने अथवा समाज को दिग्भ्रमित करने के प्रयासों के प्रति विशेषकर युवाओं को सजग रहने की जरूरत है।

महोत्सव में मंत्री राधा कृष्ण किशोर, राज्यसभा सांसद महुआ माजी, विधायक कल्पना सोरेन, विधायक अमित महतो, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, विकास आयुक्त अजय कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव वंदना दादेल, अपर मुख्य सचिव नितिन मदन कुलकर्णी सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कलाकार, कारीगर और आम लोग मौजूद रहे।

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद अब 'रक्तदान' का संकल्प

जवानों के लिए खून की कमी नहीं होने देंगे : राजनाथ

एजेंसी। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में 'सिंदूर आर्मी महा ब्लड डोनेशन यात्रा' के दूसरे वर्ष के अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हिस्सा लिया और रक्तदान को सैनिकों के प्रति देश की जिम्मेदारी से जोड़ा। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने जहां भारत के पराक्रम को दिखाया, वहीं यह रक्तदान अभियान देश की करुणा और संवेदनशीलता का प्रतीक है।

'ऑपरेशन सिंदूर' शौर्य, रक्तदान करुणा का प्रतीक : राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर वीरता के एक आयाम का प्रतीक था, जबकि सिंदूर रक्तदान अभियान करुणा का दूसरा आयाम दिखाता है। उन्होंने कहा कि जिस तरह सैनिक देश की रक्षा के लिए अपना जीवन दांव पर लगाते हैं, उसी तरह नागरिक भी रक्तदान के जरिए घायल जवानों की मदद कर सकते हैं। ऑपरेशन सिंदूर वीरता का आयाम था, वहीं 'सिंदूर महारक्तदान यात्रा' करुणा का आयाम है। तब सीमा के पार जाकर भारत की संतानों की सुरक्षा सुनिश्चित की, और आज हम यह संकल्प ले रहे हैं कि देश की सेवा में घायल एक भी सैनिक रक्त की कमी से न जूझे। यही विश्वास, यही भावना भारत की आत्मा है।

सीमा पार दुश्मनों को दिया जवाब : रक्षा मंत्री ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने सीमा पार जाकर उन लोगों को करारा जवाब दिया, जिन्होंने देश के बच्चों पर हाथ उठाने की हिम्मत की थी। उन्होंने कहा कि उस समय भारतीय सशस्त्र बलों ने अपने साहस और पराक्रम का परिचय दिया। अब देश के भीतर रक्तदान के जरिए सैनिकों के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने का समय है।

युवाओं से रक्तदान को संस्कृति बनाने की अपील : राजनाथ सिंह ने युवाओं से नियमित रूप से रक्तदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि रक्त देने वाला और रक्त पाने वाला, दोनों अपने तरीके से देश की सेवा करते हैं। उन्होंने कहा कि 2047 में जब भारत अपनी आजादी के 100 वर्ष पूरे करे, तब देश का लक्ष्य केवल विकसित अर्थव्यवस्था बनना नहीं होना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

तूफान में फंसी एयर इंडिया फ्लाइट के कैप्टन का डोप टेस्ट पॉजिटिव!

नई दिल्ली। फुकेत से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट में 4 अगस्त को हुए भीषण टर्बुलेंस के मामले ने नया मोड़ ले लिया है। सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली लैंडिंग के बाद किए गए साइकोएक्टिव सब्सटेंस (डोप) टेस्ट में कैप्टन की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। हालांकि, एयर इंडिया ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। एयरलाइन का कहना है कि पायलटों का टेस्ट नागरिक उड्डयन नियमों (डीजीसीए) के तहत एक सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा था और अभी इसकी फाइनल रिपोर्ट उनके साथ साझा नहीं की गई है। एयरबस ए 320 विमान में कुल 145 लोग सवार थे। ओडिशा के ऊपर उड़ान के दौरान अचानक तेज टर्बुलेंस की वजह से विमान महज कुछ ही सेकंड में करीब 300 फीट नीचे आ गया। इस झटके में यात्रियों और क्रू मेंबर्स को गंभीर चोटें आईं। दिल्ली पहुंचते ही 13 यात्रियों और 4 क्रू मेंबर्स को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) मामले की विस्तृत जांच कर रहा है। जांच में मुख्य रूप से इन पहलुओं पर ध्यान दिया जा रहा है । क्या टर्बुलेंस के दौरान पायलटों ने निर्धारित सुरक्षा मानकों का सही पालन किया? घटना के बाद विमान को नजदीकी एयरपोर्ट (जैसे वाराणसी या लखनऊ) पर डायवर्ट करने के बजाय दिल्ली तक ले जाना कितना उचित था? झटके के कारण विमान के हाइड्रोलिक सिस्टम या ढांचे को हुए संभावित नुकसान का आकलन। पायलट रोस्टर से बाहर, रिपोर्ट के बाद होगी कार्रवाई जांच पूरी होने तक संबंधित पायलटों को उड़ान ड्यूटी से हटा दिया गया है।

महाकाल दर्शन कर गुजरात लौट रहे 6 युवकों की सड़क हादसे में मौत

धार। धार-उज्जैन फोरलेन पर ग्राम पंचकवासा के पास रविवार दोपहर करीब 1 बजे भीषण सड़क हादसे में गुजरात के वडोदरा से आए छह युवकों की मौत हो गई। सभी युवक उज्जैन में महाकाल मंदिर के दर्शन करने के बाद मारुति ईको वैन (जीजे 17 सीके 6134) से गुजरात लौट रहे थे। हादसे में एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हुआ है, जिसका अस्पताल में उपचार जारी है। पुलिस के अनुसार, बदनावर-उज्जैन फोरलेन पर लोहे के सामान से भरा ट्रॉला (जीजे 39 डीबी 9248) कथित तौर पर रॉन्ग साइड से तेज रफ्तार में उज्जैन की ओर जा रहा था। इसी दौरान सामने से आ रही ईको वैन से उसकी आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि ईको वैन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार छह युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रॉला चालक मौके से फरार हो गया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही बदनावर टीआई अमित सिंह कुशवाह, तहसीलदार सुरेश नागर और एसडीएम प्रियंका मिमरोद पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। स्थानीय ग्रामीणों और पुलिसकर्मियों ने कार की खिड़की का कांच तोड़कर काफी मशक्कत के बाद मृतकों के शव और घायल युवक को बाहर निकाला। गंभीर रूप से घायल युवक को एंबुलेंस से बदनावर सिविल अस्पताल भेजा गया। मृतकों के शव पंचनामा कार्रवाई के बाद अस्पताल के शवगृह में रखवाए गए हैं, जहां पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पुलिस ने मृतकों की पहचान कर गुजरात में उनके परिजनों को हादसे की सूचना दे दी है। फरार ट्रॉला चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी गई है।

भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था अगले कुछ सालों में 40-45 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमानः डॉ. जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने रविवार को कहा कि भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था अगले 8-9 वर्षों में 40-45 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज यहां ललित होटल में आयोजित डिजिटल उपकरण पुरस्कार कार्यक्रम में मीडिया से कहा, भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था, जो पहले लगभग शून्य थी अब लगभग 9 अरब अमेरिकी डॉलर तक बढ़ गई है और तेजी से विस्तार कर रही है। अगले आठ से नौ वर्षों में इसके 40-45 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। उन्होंने पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि साल 2047 के लिए एक ऐसे देश के रूप में अपनी स्थिति मजबूत करनी होगी जिसकी क्षमताओं और नवाचारों को अन्य देश अपना सकें। मंत्री ने कहा कि अगली औद्योगिक क्रांति जैव प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर आधारित होगी। भारत अब दुनिया के उन चुनिंदा देशों में शामिल है जिनके पास जैव प्रौद्योगिकी के लिए समर्पित नीति है। हमारे पास राष्ट्रीय क्वांटम मिशन, भारतीय एआई मिशन भी हैं और हमने अंतरिक्ष और अन्य अग्रणी क्षेत्रों में तेजी से प्रगति की है। परमाणु क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इस कदम से नए अवसर तो पैदा होते हैं लेकिन उद्योग जगत को उभरते क्षेत्रों के लिए खुद को तैयार करने और आवश्यक क्षमताएं विकसित करने की भी आवश्यकता है। भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम का विकास यह दर्शाता है कि नवाचार अब केवल बड़े शहरों तक ही सीमित नहीं है बल्कि कई युवा उद्यमी छोटे शहरों से भी उभर रहे हैं।

मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि कारसेवा का शंखनाद, चित्रगुप्त पीठ में हवन-पूजन शुरू

एजेंसी। मथुरा

13 अखाड़ों के साधु-संतों की बैठक के बाद तय होगी आगे की रणनीति, पुलिस-प्रशासन ने बढ़ाई सुरक्षा

राधाकुंड क्षेत्र के जुल्हेंदी स्थित चित्रगुप्त पीठ में रविवार को श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर निर्माण के लिए प्रस्तावित कारसेवा को लेकर हवन-पूजन शुरू हो गया। हवन के बाद साधु-संतों की बैठक होगी और कारसेवा का शंखनाद किया जाएगा। कार्यक्रम को देखते हुए पुलिस-प्रशासन अलर्ट है और चित्रगुप्त पीठ के बाहर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर निर्माण के उद्देश्य से भरतपुर के बंसीपहाड़पुर से मंगाए गए गुलाबी पत्थरों की पहली खेप शुक्रवार देर रात मथुरा पहुंची थी। इन पत्थरों से अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण किया गया है। चित्रगुप्त पीठाधीश्वर स्वामी सच्चिदानंद महाराज ने इन पत्थरों को मंगवाया है। उन्होंने 9 अगस्त को आश्रम से विधिवत कारसेवा की घोषणा करने की बात कही थी। कार्यक्रम में 13 अखाड़ों के साधु-संतों के शामिल होने की बात कही गई है। स्वामी सच्चिदानंद के अनुसार, श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण के लिए करीब 5,000 मीट्रिक टन गुलाबी पत्थरों का ऑर्डर दिया गया है। उन्होंने 4 जुलाई को अयोध्या आंदोलन की तर्ज पर श्रीकृष्ण जन्मभूमि की मुक्ति के लिए कारसेवा का एलान किया था। इसके बाद 12 जुलाई को हरिद्वार स्थित वात्सल्य गंगा आश्रम में साध्वी ऋतंभरा से मुलाकात कर समर्थन मांगा था।रविवार के कार्यक्रम में शिला पूजन और कारसेवा के शंखनाद पर विशेष जोर है। इसके बाद साधु-संत बैठक कर आगे की रणनीति पर मंथन करेंगे। स्वामी सच्चिदानंद ने बताया कि पत्थरों की दूसरी खेप फिलहाल रोक दी गई है। वहीं, रविवार सुबह शुरू हुए हवन-पूजन के बीच शिला पूजन के लिए मंगाए गए पत्थरों के आश्रम में दिखाई नहीं देने की भी जानकारी सामने आई है। कारसेवा के ऐलान के बाद पुलिस-प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। स्वामी सच्चिदानंद के मुताबिक, साधु-संतों को पुलिस की ओर से नोटिस भी भेजे गए हैं। इनमें साध्वी ऋतंभरा, कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर समेत 12 संतों के नाम शामिल हैं।

दर्दनाक हेलीकॉप्टर हादसाः चार की मौत, सुरक्षा पर उठे गंभीर सवाल

रियो डी जेनेरियो। ब्राजील के रियो डी जेनेरियो शहर में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हुआ, जिसमें चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मरने वालों में हेलीकॉप्टर का पायलट और तीन कोलंबियाई महिलाएं शामिल थीं, जो तिजुका नेशनल पार्क के ऊपर दर्शनीय उड़ान पर थीं। यह क्षेत्र घने जंगलों और पहाड़ियों से घिरा है और पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। मृतक महिलाएं एक ही परिवार की थीं, जो एक लड़की का 15वां जन्मदिन मनाने रियो डी जेनेरियो आए थे। इस हादसे में लड़की की दादी, मौसी और चचेरी बहन की मौत हो गई। परिवार दो समूहों में बंटकर यह उड़ान ले रहा था, क्योंकि हेलीकॉप्टर में एक बार में केवल तीन लोग ही बैठ सकते थे। यह दुर्घटना तिजुका नेशनल पार्क के भीतर चिनेजा नामक पर्यटन स्थल के पास हुई। इस घटना के बाद रियो डी जेनेरियो के मेयर एडुआर्डो कैवेलिएरी ने हेलीकॉप्टर उड़ानों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि शहर में पर्यटकों के लिए हेलीकॉप्टर उड़ानों की संख्या लगातार बढ़ रही है, इसलिए इनकी निगरानी और सुरक्षा जांच को और अधिक कड़ा किया जाना चाहिए। मेयर ने नई सुरक्षा व्यवस्था लागू होने तक हेलीकॉप्टर पर्यटन उड़ानों को एक-दो हफ्ते के लिए अस्थायी रूप से रोकने का भी सुझाव दिया।

बलूचिस्तान में सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई, 15 चरमपंथी ढेर

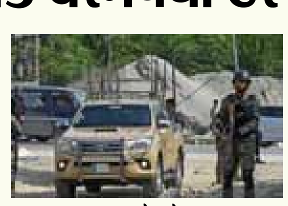

क्वेटा। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में सुरक्षा बलों ने खुफिया जानकारी के आधार पर अभियान चलाकर 15 चरमपंथियों को मार गिराने का दावा किया है। सुरक्षा सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। पाकिस्तान के उर्दू टेलीविजन चैनल दुनिया न्यूज ने सूत्रों के हवाले से बताया कि ये अभियान बलूचिस्तान प्रांत के मस्तुंग, बोलान, वाशुक, अवारान, सिबी, खुज़दार, हरनाई और नुश्की इलाकों में चलाए गए। सुरक्षा बलों ने इन अभियानों के दौरान बड़ी संख्या में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद करने का दावा किया है। सुरक्षा सूत्रों का कहना है कि इन कार्रवाइयों से चरमपंथी नेटवर्क को बड़ा झटका लगा है और बलूचिस्तान में उनकी गतिविधियों तथा आवाजाही पर असर पड़ा है। सुरक्षा बलों ने कहा है कि आतंकवाद के पूरी तरह खत्म होने तक 'ऑपरेशन रद-उल-फसाद-3' के तहत अभियान जारी रहेंगे। अधिकारियों के अनुसार, प्रांत में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और चरमपंथी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए अभियान आगे भी जारी रहने की संभावना है।

गृहमंत्री अमित शाह ने पुडुचेरी पुलिस को प्रतिष्ठित 'राष्ट्रपति पुलिस कलर' सौंपा

एजेंसी। पुडुचेरी

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को पुडुचेरी पुलिस को प्रतिष्ठित 'राष्ट्रपति पुलिस कलर' सौंपा।इस मौके पर उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार पुडुचेरी के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्र सरकार में साल 2014 से 2026 तक पुडुचेरी के विकास के लिए 13,762 करोड़ रुपये दिए गए हैं जबकि साल 1950 से 2014 तक की सरकारों में सिर्फ 3,500 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे, जो अब लगभग चार गुना अधिक है। अमित शाह ने पुडुचेरी के गोरिमेडु स्थित पुलिस ट्रेनिंग ग्राउंड में आयोजित समारोह में पुडुचेरी पुलिस को प्रतिष्ठित 'राष्ट्रपति पुलिस कलर' से सम्मानित किया।उपराज्यपाल के. कैलाशनाथन और मुख्यमंत्री एन. रंगासामी समेत अन्य गणमान्य समारोह में उपस्थित रहे। किसी पुलिस बल को राष्ट्रपति पुलिस कलर मिलना उसकी पेशेवर क्षमता, साहस, अनुशासन और जनसेवा की प्रतिबद्धता को मिली राष्ट्रीय मान्यता है। पुलिस संगठनों के लिए इसे प्रमुख संस्थागत सम्मानों में शामिल किया जाता है। इस अवसर पर अमित शाह ने कहा, "आज पुडुचेरी पुलिस देश के उन चुनिंदा पुलिस बलों की सूची में शामिल हो गई है, जिन्हें इस सर्वोच्च सम्मान से नवाजा गया है। पुडुचेरी पुलिस को राष्ट्रपति पुलिस कलर से सम्मानित किया जाना बल की बहादुरी, परिश्रम और समर्पण का प्रमाण है। यह उनके सबसे गौरवपूर्ण क्षणों में से एक है। पुडुचेरी दक्षिण भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक चेतना का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्षों में केन्द्र सरकार ने पुडुचेरी में 39 हजार करोड़ रुपये के औद्योगिक निवेश को बढ़ावा दिया है। लखपति दीदी, जल जीवन मिशन, आयुष्मान भारत, शौचालयों का निर्माण, मुफ्त अनाज योजना, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना और प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) जैसी पहलों से पुडुचेरी के नागरिकों को लाभ मिला है।

कृतज्ञ राष्ट्र ने 'भारत छोड़ो आंदोलन' और 'काकोरी ट्रेन एक्शन' की वर्षगांठ पर अमर सेनानियों को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और गृह एवं सहकारितामंत्री अमित शाह समेत अन्य नेताओं ने रविवार को 'भारत छोड़ो आंदोलन' और 'काकोरी ट्रेन एक्शन' की वर्षगांठ पर राष्ट्रनायकों तथा अमर सेनानियों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, "ऐतिहासिक 'भारत छोड़ो आंदोलन' में भाग लेने वाले सभी लोगों को याद करते हुए, उनका साहस हर भारतीय के लिए हमेशा प्रेरणा बना रहेगा। महात्मा गांधी जी के नेतृत्व से प्रेरित होकर, 'भारत छोड़ो' के आह्वान ने हमारे स्वतंत्रता संग्राम में नई ऊर्जा का संचार किया और औपनिवेशिक शासन से मुक्त होने के हमारे लोगों के अटूट संकल्प को दर्शाया। बिरला ने कहा कि महात्मा गांधी का "करो या मरो" का आह्वान उस दौर में करोड़ों भारतीयों के लिए साहस और संकल्प की आवाज बना। इस आंदोलन में असंख्य ज्ञात-अज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों ने जेल यातनाएँ सहीं, संघर्ष किया और अपने प्राणों का बलिदान दिया। उनका संघर्ष केवल राजनीतिक स्वतंत्रता के लिए नहीं था, बल्कि एक ऐसे भारत के निर्माण के लिए था, जिसकी नींव सत्य, अहिंसा, लोकतंत्र, समानता और राष्ट्रभक्ति जैसे मूल्यों पर हो। स्वतंत्रता के अमृतकाल में उन महान सेनानियों का स्मरण हमें यह प्रेरणा देता है कि राष्ट्रहित सर्वोपरि रखते हुए हम अपने लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक आदर्शों को निरंतर मजबूत करते रहें। शाह ने कहा कि इस आंदोलन ने देशवासियों को एकजुट कर अंग्रेजी शासन से मुक्ति के लिए 'करो या मरो' का संकल्प और अदम्य साहस प्रदान किया। अगस्त क्रांति का यह दिन हमें राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए स्वदेशी को अपनाने, आत्मनिर्भर भारत के निर्माण और 'विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने की प्रेरणा देता है। वहीं 'काकोरी ट्रेन एक्शन' स्वतंत्रता संग्राम का वह अविस्मरणीय अध्याय है, जिसने अंग्रेजी हुकूमत के अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध सशस्त्र क्रांति को नई ऊर्जा दी।

जवाबदेही से नहीं भाग सकती सरकारः राहुल

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि प्रयागराज में एक छात्र ने उनसे कहा कि अब उसके पास कोई रास्ता नहीं बचा है। वर्षों की तैयारी, परिवार की जमीन बेचने और माता-पिता पर कर्ज के बावजूद रोजगार नहीं मिलना उस छात्र की नहीं बल्कि ऐसी व्यवस्था की हार है जो युवाओं की मेहनत का उचित मूल्य देने में विफल है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर रविवार को कहा कि प्रयागराज में एक छात्र ने उनसे कहा कि उसने सालों तक तैयारी की, परिवार की जमीन बेच दी और उसके माता-पिता पर कर्ज है लेकिन इसके बावजूद उसके हाथ में कुछ नहीं है। यह हार उस छात्र की नहीं है बल्कि उस व्यवस्था की है जिसने उसकी मेहनत का दाम देने से इनकार कर दिया। उन्होंने केंद्र सरकार और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर छात्रों के मुद्दे पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने कहा कि छात्रों पर कार्रवाई की घटना को 13 दिन हो चुके हैं लेकिन गृह मंत्री की ओर से अब तक कोई बयान नहीं आया है।

नासिक में 4.3 तीव्रता के झटके, मकानों की दीवारों में दरारें

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक जिले में शनिवार रात 4.3 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया, जिससे कई इलाकों में मकानों की दीवारों में दरारें पड़ गईं। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, यह झटका रात 10 बजे आया, जिसके बाद रविवार सुबह 5 बजकर 33 मिनट पर 3.3 तीव्रता का एक और झटका महसूस हुआ। भूकंप का केंद्र महाराष्ट्र-गुजरात सीमा के पास भनवड इलाके में पांच किलोमीटर की गहराई पर था। इन झटकों के कारण नासिक शहर सहित सुरगाणा और दिंडोरी तहसीलों के कुछ गांवों में मकानों की दीवारों में दरारें पड़ गईं, जिससे लोग घबराकर अपने घरों से बाहर निकल आए। हालांकि, अधिकारियों ने किसी भी प्रकार की जनहानि की पुष्टि नहीं की है। नासिक जिला प्रशासन ने बताया कि क्षेत्र के बांधों का भी निरीक्षण किया गया है, जिसमें कोई नुकसान नहीं सामने आया है।

शिक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़, गुणवत्तापूर्ण एवं छात्र-केंद्रित बनाने को लेकर मुख्यमंत्री ने लिये महत्वपूर्ण निर्णय

नई सोच एक्सप्रेस

» परीक्षाओं को सुचारु, पारदर्शी एवं निष्पक्ष बनाने पर सरकार का फोकस
» शिक्षा सुधार के लिए विशेष सहयोग शिविर आयोजित किए जाएंगे, जिनमें मुख्यमंत्री, मंत्री, सांसद, विधायक छात्रों से संवाद कर उनके सुझाव एवं समस्याएँ सुनेंगे

पटना।शिक्षा विभाग की ओर से अधिवेशन भवन में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला-सह-चिंतन शिविर का मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया। इस मौके पर समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में शिक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़, गुणवत्तापूर्ण एवं छात्र-केंद्रित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को हर स्कूल तक पहुँचाने के लिए राज्य स्तरीय समिति का गठन किया गया है ताकि प्रत्येक विद्यालय को उत्कृष्टता का केंद्र बनाया जा सके और छात्रों के सीखने के स्तर में निरंतर सुधार हो। बिहार में परीक्षाओं को सुचारु, पारदर्शी, निष्पक्ष एवं आधुनिक बनाने के लिए राज्य स्तरीय परीक्षा सुधार समिति का गठन किया गया है। समिति बोर्ड एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के साथ-साथ कक्षा-आधारित मूल्यांकन में तकनीकी एवं ए०आई० के उपयोग के माध्यम से छात्रों के ज्ञान, समझ एवं विश्लेषण क्षमता के बेहतर आकलन हेतु सुझाव देगी। इसके साथ ही शिक्षा सुधार के लिए विशेष सहयोग शिविर आयोजित किए जाएंगे, जिनमें मुख्यमंत्री, मंत्री, सांसद, विधायक छात्रों से संवाद कर उनके सुझाव एवं समस्याएँ सुनेंगे। छात्रों के कल्याण से जुड़े कार्यों के बेहतर समन्वय एवं प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सभी संबंधित विभागों में निदेशालय का गठन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार के युवाओं और नौजवानों को मुख्यधारा से जोड़ना सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता है। बिहार का भविष्य यहां के युवा हैं और आने वाली पीढ़ी ही राज्य का नवनिर्माण करेगी। सरकार ऐसी शिक्षा व्यवस्था विकसित करना चाहती है, जिससे बिहार के बच्चों को बेहतर पढ़ाई के लिए दूसरे राज्यों का रुख नहीं करना पड़े। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के पास आर्थिक सामर्थ्य है, वे अपने बच्चों को अच्छे स्कूलों में पढ़ा रहे हैं। लेकिन जिनके पास संसाधनों की कमी है, उनके लिए बेहतर शैक्षणिक व्यवस्था उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। बड़ी संख्या में बिहार के बच्चे पढ़ाई के लिए कोटा सहित दूसरे राज्यों में जा रहे हैं। यह इस बात का संकेत है कि बिहार में शिक्षा के क्षेत्र में और बेहतर व्यवस्था खड़ी करने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार से बड़ी संख्या में छात्र उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए बाहर जा रहे हैं। उन्होंने स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके तहत लगभग 18 हजार करोड़ रुपये दिए जा रहे हैं और इसका बड़ा हिस्सा दूसरे राज्यों में जा रहा है। उन्होंने कहा कि कोटा में लाखों बच्चे पढ़ने जाते हैं और वहां पढ़ाने वाले शिक्षकों में भी बड़ी संख्या बिहार के लोगों की है। ऐसे में बिहार में ही वैसी बेहतर शैक्षणिक संरचना विकसित करने की जरूरत है, जिससे राज्य के बच्चों को बाहर जाने की आवश्यकता कम हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा पीढ़ी को लेकर सरकार संवेदनशील है। मंत्री, सांसद, विधायक एवं वरीय पदाधिकारी स्कूलों और कॉलेजों में जाकर छात्रों से संवाद करेंगे। छात्रों से प्राप्त सुझावों को पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। मुख्यमंत्री स्तर पर प्रत्येक महीने छात्रों के लिए एक सहयोग शिविर का आयोजन किया जाएगा ताकि उनकी समस्याओं और सुझावों पर प्रभावी कार्रवाई की जा सके। उन्होंने कहा कि बिहार की संस्कृति, सभ्यता और गौरवशाली इतिहास को आगे बढ़ाने का काम युवा पीढ़ी ही करेगी। छात्र कल्याण के लिए अलग व्यवस्था विकसित की जाएगी। छात्रों से जुड़े सभी विभाग मिलकर एक डायरेक्ट्रेट बनाएंगे, जहां छात्रों की समस्याओं का समाधान किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में अब तक 551 मॉडल स्कूल बनाए जा चुके हैं। सरकार का लक्ष्य 1001 मॉडल स्कूल बनाने का है। शिक्षा व्यवस्था में अनुशासन और गुणवत्ता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा से जुड़े अपराधों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। ऐसे मामलों में गुंडा एक्ट और सी०सी०ए० के तहत कार्रवाई की जाएगी जिसके तहत दोषियों को एक वर्ष तक जेल में रखने का प्रावधान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 15 अगस्त से ऐसी व्यवस्था शुरू की जा रही है, जिसके तहत बच्चे रात 11 बजे तक ऑनलाइन पढ़ाई कर सकेंगे। शिक्षा की स्थिति और गुणवत्ता में सुधार के लिए राज्य स्तर पर एक कमिटी गठित की जाएगी। यह कमिटी शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक सुझाव और कार्ययोजना पर काम करेगी। उन्होंने कहा कि सभी बच्चों को कंप्यूटर और अंग्रेजी की शिक्षा देने के साथ-साथ संस्कृत, उर्दू और बिहार की पांच भाषाओं के विकास पर भी काम किया जाएगा। तकनीक के इस दौर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ए०आई०) का लाभउठाकर शिक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाने की दिशा में काम करना होगा। बिहार में परीक्षाओं को सुचारु, पारदर्शी, निष्पक्ष एवं आधुनिक बनाने के लिए राज्य स्तरीय परीक्षा सुधार समिति का गठन किया गया है। समिति बोर्ड एवं प्रतियोगी परीक्षाओं के साथ-साथ कक्षा-आधारित मूल्यांकन में तकनीक एवं ए०आई० के उपयोग के माध्यम से छात्रों के ज्ञान, समझ एवं विश्लेषण क्षमता के बेहतर आकलन के लिए सुझाव देगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 'वंदे मातरम' पुस्तक तथा 'वंदे मातरम' बुकलेट का लोकार्पण किया है।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज में आगमन

पटना।मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का रविवार को बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज में आगमन हुआ। इस अवसर पर चैम्बर अध्यक्ष पीके अग्रवाल सहित चैम्बर के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री का स्वागत एवं अभिनंदन किया। पी. के. अग्रवाल ने मुख्यमंत्री से चैम्बर एवं बिहार के व्यापार एवं उद्योग जगत से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा के लिए समय प्रदान करने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए शीघ्र ही मुलाकात के लिए समय देने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर चैम्बर के उपाध्यक्ष एन. के. ठाकुर, महामंत्री मुकेश कुमार जैन, पूर्व उपाध्यक्ष प्रदीप चौरसिया, आशीष शंकर एवं पूर्व महामंत्री पशुपतिनाथ पाण्डेय सहित अन्य पदाधिकारी एवं सम्मानित सदस्य भी उपस्थित रहे।

खेलेगा बिहार, पढ़ेगा बिहार के विजन के साथ खेल को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने पर जोर : श्रेयसी

पटना।अधिवेशन भवन में शिक्षा विभाग, बिहार सरकार द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला-सह-चिंतन शिविर को खेल मंत्री श्रेयसी सिंह ने संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने खेलेगा बिहार, पढ़ेगा बिहार के विजन तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 के तहत खेल-समेकित शिक्षा की दिशा में बिहार में किए जा रहे प्रयासों एवं आगामी पहलों पर प्रस्तुति दी। मंत्री श्रेयसी सिंह ने कहा कि हमारा लक्ष्य खेल को केवल पाठ्येतर गतिविधि तक सीमित रखना नहीं, बल्कि इसे शिक्षा की मुख्यधारा का अभिन्न हिस्सा बनाना है। हर बच्चे को पढ़ाई के साथ खेल का अवसर मिले और उसकी खेल प्रतिभा को पहचानकर उसे आगे बढ़ाने के लिए उचित मंच, प्रशिक्षण एवं संसाधन उपलब्ध हों—इसी दिशा में बिहार आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि खेल और शिक्षा का समन्वय बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के साथ-साथ उनमें अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना और आत्मविश्वास विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कार्यशाला में राज्य में खेल-समेकित शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण पहलों को रेखांकित किया गया। मशाल प्रतिभा खोज अभियानः विद्यालय स्तर पर खेल प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें उचित प्रशिक्षण एवं अवसर उपलब्ध कराने की व्यापक पहल। बिहार खेल विश्वविद्यालय, राजगीर खेल विज्ञान, शारीरिक शिक्षा एवं खेल प्रबंधन के क्षेत्र में उच्च शिक्षा, प्रशिक्षण एवं शोध का केंद्र। शिक्षकों की नियुक्ति एवं प्रशिक्षणः विद्यालयों में प्रशिक्षित शारीरिक शिक्षा शिक्षकों की चरणबद्ध तैनातीकी गयी।मंत्री ने कहा कि ह्लबिहार में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता है कि विद्यालय स्तर से ही प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें सही प्रशिक्षण, पोषण, खेल सामग्री और प्रतिस्पर्धात्मक अवसर दिए जाएँ। शिक्षा विभाग और खेल विभाग के समन्वित प्रयास से हम इस दिशा में एक मजबूत और स्थायी व्यवस्था तैयार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प है कि बिहार का हर बच्चा पढ़े, खेले और अपनी क्षमता के अनुरूप आगे बढ़े। शिक्षा और खेल के समन्वय से ही हम एक सशक्त, समावेशी और सर्वांगीण विकसित बिहार का निर्माण कर सकते हैं।

गुजरात मॉडल की तर्ज पर बिहार में लागू हो शराबबंदी : मांझी

पटना। हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा की युवा इकाई की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में केंद्रीय मंत्री और पार्टी के संरक्षक जीतन राम मांझी ने शराबबंदी को लेकर एक बार फिर से बड़ा बयान दे दिया है। जीतन राम मांझी ने एक बार फिर से शराबबंदी कानून को लेकर सीएम सम्राट चौधरी से बड़ी मांग कर दी है और कहा है कि गुजरात मॉडल की तर्ज पर बिहार में शराबबंदी लागू हो।केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने कहा है कि हमने पहले भी कहा है कि नशाबंदी का कानून जो है वह ठीक है लेकिन शराबबंदी कानून के पालन में कही कहीं पुलिस के स्तर पर दिक्कतें आ रही हैं। हम मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और बिहार सरकार से मीडिया के माध्यम से कहना चाहेंगे कि जहां गांधी जी का जन्म हुआ था वहां भी शराबबंदी है लेकिन इस तरह से वहां के लोगों में निराशा नहीं है।मांझी ने कहा कि हम तो पहले से ही कहते रहे हैं कि गुजरात मॉडल के तर्ज पर बिहार में शराबबंदी कानून लागू हो। हम सम्राट चौधरी से कहेंगे कि एक तो शराबबंदी के कारण पदाधिकारी गड़बड़ी करते हैं। ऐसा नहीं हो और इसके लिए प्रशासन को चुस्त और दुरुस्त रखा जाए।दरअसल, एनडीए में रहने के बावजूद जीतन राम मांझी लंबे समय से शराबबंदी कानून में छूट देने की मांग उठाते रहे हैं। वे लगातार आरोप लगाते रहे हैं कि इस कानून की आड़ में बिहार पुलिस गरीब निर्दोष लोगों को पकड़ रही है जबकि शराब पीने वाले बड़े नेता और अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं होती है। जीतन राम मांझी ने एक बार फिर से उसी पुरानी मांग को उठाया और कहा है कि गुजरात मॉडल के तर्ज पर बिहार में शराबबंदी लागू किया जाए हालांकि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि बिहार में शराब नहीं खुलेगी और पूर्ण शराबबंदी कानून लागू रहेगा।बता दें कि नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च के बिहार से संबंधित एक शोध पत्र में राज्य की मौजूदा शराबबंदी नीति पर सवाल उठाए गए हैं। शोध पत्र में दावा किया गया है कि शराबबंदी अपने घोषित लक्ष्यों को पूरी तरह हासिल नहीं कर पाई है। शोध पत्र में शराबबंदी समाप्त करने के पक्ष में आर्थिक तर्क भी दिए गए हैं। अध्ययन के मुताबिक, यदि शराबबंदी हटाई जाती है तो राज्य के आंतरिक राजस्व स्रोत में 14 से 15 प्रतिशत तक की वृद्धि हो सकती है। शोध में यह भी कहा गया है कि शराबबंदी को लागू रखने के लिए सरकार को अवैध शराब के कारोबार पर रोक लगाने और कानून लागू कराने में खर्च करना पड़ता है। शराबबंदी समाप्त होने की स्थिति में इस तरह के सरकारी खर्च में कमी आने की संभावना जताई गई है। इन्हीं आधारों पर अध्ययन में शराबबंदी को राज्य के आर्थिक हित से जोड़कर देखा गया है।

अंगदान के प्रति जनजागरण के लिए चलेगा व्यापक अभियान : मुख्यमंत्री

नई सोच एक्सप्रेस

» दधीचि देहदान समिति को स्वास्थ्य व्यवस्था से जोड़ने की पहल, अंगदान पर 'दधीचि दर्पण' पत्रिका का लोकार्पण

पटना।चतुर्थ राष्ट्रीय अंगदान दिवस एवं द्वादश अंतर्राष्ट्रीय अंगदान दिवस के संयुक्त अवसर पर बिहार चैंबर ऑफ कॉमर्स परिसर में सम्मान, संकल्प एवं सप्तम राज्यस्तरीय समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मृत्यु के बाद किसी दूसरे व्यक्ति को नया जीवन देना मानवता और करुणा का सबसे बड़ा उदाहरण है। अंगदान के प्रति लोगों में जागरूकता तो है, लेकिन आगे आने के लिए व्यापक जनजागरण की जरूरत है। उन्होंने कहा कि किडनी दान से किसी जरूरतमंद को नया जीवन और नेत्रदान से किसी के जीवन में रोशनी लाई जा सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार की स्वास्थ्य व्यवस्था में दधीचि देहदान समिति को सहयोगी के रूप में जोड़ने की पहल की जाएगी। जिला अस्पतालों, अनुमंडल अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में समिति के सदस्यों के माध्यम से अंगदान के प्रति जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। जरूरत पड़ने पर अंगदान से संबंधित कानूनों में आवश्यक बदलाव तथा निजी अस्पतालों में भी जागरूकता अभियान की संभावनाओं पर काम किया जाएगा। उन्होंने दधीचि देहदान समिति के कार्यों की सराहना करते हुए पूर्व उप मुख्यमंत्री स्व. सुशील कुमार मोदी के योगदान को भी याद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अंगदान और नेत्रदान सामाजिक सुधार एवं मानवता की सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। कार्यक्रम में अंगदान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए महाधिवक्ता एस.डी. संजय, विधायक संजीव चौरसिया, महापौर सीता साहू और आईजीआईएमएस के उपनिदेशक डॉ. विभूति प्रसन्न सिन्हा सहित अन्य लोगों को सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री ने अंगदान पर आधारित पत्रिका 'दधीचि दर्पण' का लोकार्पण भी किया। कार्यक्रम से पूर्व मुख्यमंत्री सहित उपस्थित लोगों ने नेत्रदाताओं और देहदाताओं को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर असम के राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य, पूर्व राज्यपाल एवं दधीचि देहदान समिति के अध्यक्ष गंगा प्रसाद, संगठन महामंत्री भीखूभाई दलसानिया सहित चिकित्सक, जनप्रतिनिधि, समिति के पदाधिकारी, सदस्य एवं अंगदाताओं के परिजन उपस्थित रहे।

2027 में उत्तर प्रदेश विधानसभा में मजबूती के साथ चुनाव लड़कर जीतना हैः-मंत्री श्रवण कुमार

नई सोच एक्सप्रेस

बिहारशरीफ।राजगीर परिसदन में उत्तरप्रदेश जनता दल यूनाइटेड के प्रदेश सचिव जयप्रकाश पटेल के साथ चलकर आये साथियों का स्वागत कर उत्तर प्रदेश जनता दल यूनाइटेड के संगठन प्रभारी बिहार सरकार के मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय एकता जदयू एक राष्ट्रीय सोच वाली पार्टी है। बिहार से उत्तर प्रदेश तक नीतीश कुमार जी के विकास और सुशासन के मॉडल की चर्चा हो रही है।संगठन को मजबूती प्रदान करना उत्तरप्रदेश जनता दल यूनाइटेड के एक एक कार्यकर्ताओं की जिम्मेवारी है 2027 में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए हमें बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना है। युवा और महिला कार्यकर्ताओं की भागीदारी बढ़ानी है। एन डी ए के द्वारा उत्तर प्रदेश में शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में अच्छा काम हुआ है। नीतीश कुमार के नीतियों और सिद्धांत पर चलकर ही राज्य का समुचित विकास किया जा सकता है। कार्यकर्ता मजबूती के साथ संगठन को मजबूत करें ताकि चुनाव में और बेहतर परिणाम देखने को मिलें। बिहार सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में हुए विकास कार्यों का उल्लेख किया। पिछले दो दशकों में बिहार ने सुशासन, ग्रामीण विकास और सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है।महिलाओं, बेटियों और ग्रामीण विकास से जुड़ी कई योजनाएं अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणा बनी हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश के कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे जदयू की विकासवादी सोच और जनहितकारी योजनाओं को गांव-गांव और जन-जन तक पहुंचाकर पार्टी को मजबूत बनाने का कार्य करें।

अपराध पर जीरो टॉलरेंस और त्वरित कार्रवाई ही एनडीए सरकार की पहचान : जदयू

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।जदयू प्रदेश प्रवक्ता चंदन कुमार सिंह ने जारी बयान में तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि बिहार की वर्तमान एनडीए सरकार अपराध के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। दिनारा में हुई हत्या की घटना के महज कुछ ही घंटों के भीतर पुलिस द्वारा आरोपी की गिरफ्तारी यह स्पष्ट करती है कि कानून-व्यवस्था को लेकर सरकार की नीति बिल्कुल साफ है। आज बिहार में अपराध की किसी भी घटना में शामिल अपराधियों के खिलाफ सरकार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित कर रही है। पुलिस को कानून के अनुसार कार्रवाई करने की पूरी स्वतंत्रता दी गई है और इसका परिणाम भी जनता के सामने दिखाई दे रहा है। तेजस्वी यादव पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें बिहार की जनता को यह भी बताना चाहिए कि उनके माता-पिता के शासनकाल को लेकर कानून-व्यवस्था और अपराध के मामले में जनता की धारणा क्या रही है। उस दौर में अपहरण और फिरौती जैसे मामलों को लेकर बिहार की जो छवि बनी, वह किसी से छिपी नहीं है। विपक्ष आज अपराध की घटनाओं पर राजनीति कर रहा है, लेकिन उसे अपने शासनकाल के उन सवालों का भी जवाब देना चाहिए, जिनके कारण बिहार में अपराध और अपहरण के दौर की चर्चा देशभर में होती थी। यह राजनीतिक आरोप लंबे समय से लगाया जाता रहा है कि 1990 दशक के तत्कालीन राजद शासन में अपहरण जैसे मामलों में पीड़ित परिवारों को राहत दिलाने के बजाय सत्ता के प्रभाव और राजनीतिक हस्तक्षेप की चर्चा होती थी, यहां तक कि मुख्यमंत्री आवास तक में ऐसे मामलों को लेकर कथित सौदेबाजी होने के आरोप लगाए जाते थे। यह आरोप उस दौर की शासन व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं। इसके विपरीत आज एनडीए सरकार का स्पष्ट संदेश है कि अपराधी चाहे कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, कानून अपना काम करेगा।

मंत्री अशोक चौधरी ने किया कई परियोजनओं की समीक्षा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी ने रविवार को समस्तीपुर जिले के विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेते हुए विकास कार्यों की समीक्षा की तथा कई महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं के कायारंभ में भाग लिया। श्री चौधरी ने समस्तीपुर जिला अतिथिगृह में पथ निर्माण मंत्री ई. कुमार शैलेन्द्र की उपस्थिति में आयोजित विभागीय समीक्षा बैठक के बाद बताया कि सतीघाट से राजघाट मुख्य मार्ग का निर्माण क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण परियोजना है। इसके पूरा होने से स्थानीय लोगों को बेहतर और सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी। साथ ही क्षेत्र के आर्थिक एवं सामाजिक विकास को भी नई गति मिलेगी।श्री चौधरी ने बताया कि बैठक में समस्तीपुर लोकसभा क्षेत्र के कुशेश्वरस्थान और हायाघाट सहित अन्य क्षेत्रों में चल रही पथ निर्माण एवं अन्य विकास योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की गई। इस दौरान सड़क निर्माण से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई तथा लंबित कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।इसके उपरांत समस्तीपुर लोकसभा क्षेत्र के रोसड़ा विधानसभा अंतर्गत इलमासनगरझबल्लीपुरझडुमरा पथ के 4.607 किलोमीटर लंबे पथ के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य का विधिवत कायारंभ किया गया।इसके बाद कलवारा चौक पर आयोजित समारोह में रोसड़ा क्षेत्र की बहुप्रतीक्षित रोसड़ा बाईपास परियोजना के निर्माण कार्य का शिलान्यास एवं कायारंभ किया गया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि यह केवल एक सड़क का निर्माण नहीं, बल्कि क्षेत्र के हजारों लोगों की वर्षों पुरानी उम्मीदों के साकार होने का प्रतीक है।उन्होंने कहा कि इस महत्वपूर्ण सड़क परियोजना से क्षेत्रवासियों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी, यातायात का दबाव कम होगा तथा आसपास के गांवों के आर्थिक एवं सामाजिक विकास को नई गति प्राप्त होगी। इसके पश्चात जिला अतिथिगृह, समस्तीपुर में जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जरूरतमंद पात्र परिवारों को राशन कार्ड वितरण की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई तथा निर्देश दिया गया कि अधिक से अधिक पात्र लाभुकों तक सरकारी योजनाओं का लाभ समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से सुनिश्चित किया जाए।

तकनीक शिक्षक का विकल्प नहीं, सहयोगी बनेगी : शिक्षा मंत्री

नई सोच एक्सप्रेस

» शिक्षा में ज्ञान, तकनीक, नैतिकता और मानवीय मूल्यों के समन्वय पर देना होगा जोर
» बोले-मॉडल स्कूलों से लोगों की अपेक्षाएं बढ़ीं, इनकी गुणवत्ता पर विशेष ध्यान जरूरी

पटना।शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी ने कहा है कि एआई जैसी तकनीक कभी भी शिक्षक का विकल्प नहीं बनेगी। इसका उपयोग शिक्षकों को सहयोग देने, बच्चों की सीखने की जरूरतों को समझने और बेहतर निर्णय लेने में सहायता के लिए किया जाएगा। तकनीक तभी समावेशी होगी जब वह बच्चों तक उनकी अपनी भाषा में पहुंचेगी। राजधानी के अधिवेशन भवन में रविवार से शुरू राज्यस्तरीय कार्यशाला सह चिंतन शिविर के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता करते हुए श्री तिवारी ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हमारा अंतिम लक्ष्य है। एआई कुछ ही क्षणों में उत्तर उपलब्ध करा सकता है। ऐसे में शिक्षा व्यवस्था के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि बच्चे सिर्फ उत्तर जानने वाले नहीं बनें, सही सवाल पूछना भी सीखें। वे तकनीक का उपयोग करें लेकिन उसके दास न बनें। राज्य सरकार बच्चों के साथ शिक्षकों को भी तकनीक से जोड़कर उनकी क्षमता बढ़ाने का प्रयास कर रही है। शिक्षा में ज्ञान के साथ तकनीक, तकनीक के साथ नैतिकता, बुद्धिमत्ता के साथ मानवता और उपलब्धि के साथ जिम्मेदारी का समन्वय जरूरी है।श्री तिवारी ने कहा कि बिहार डिजिटल शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। पीएम ई-विद्या के तहत कक्षा 1 से 12 तक की पाठ्यपुस्तक आधारित शैक्षणिक सामग्री और वीडियो तैयार किए गए हैं। स्थानीय भाषाओं में भी शैक्षणिक सामग्री विकसित की जा रही है। उन्होंने विद्यालयों में वर्कबुक, यूनिट टेस्ट और टीचर डायरी के प्रभावी उपयोग को सुनिश्चित करने पर जोर देते हुए कहा कि इससे शिक्षण व्यवस्था को और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के लिए पारदर्शी और चरणबद्ध स्थानांतरण व्यवस्था लागू की गई है। इसका उद्देश्य शिक्षकों को सुविधा देने के साथ विद्यालयों में शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करना है।श्री तिवारी ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में 551 सरस्वती विद्या निकेतन के रूप में मॉडल स्कूलों की शुरूआत की गई है। आगे 142 और मॉडल स्कूल मिलने वाले हैं। इन विद्यालयों को लेकर लोगों की अपेक्षाएं काफी अधिक हैं इसलिए इनकी गुणवत्ता और शैक्षणिक गतिविधियों पर विशेष ध्यान देना होगा। उन्होंने कार्यशाला में आने के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए प्रतिभागियों से आग्रह किया कि दो दिन के मंथन के बाद जो अमृत निकलेगा, यहां से लौटने के बाद आप सब विद्यार्थियों और शिक्षकों के साथ उसका पान करें। राज्य के 2 करोड़ छात्रों को सही दिशा देना और 6 लाख शिक्षकों को संभालना आप सबों की जिम्मेदारी है। चिंतन शिविर से निकले विचारों को धरातल पर उतारना ही वास्तविक सफलता होगी।उन्होंने कहा कि विद्यालयों में शिक्षकों और विद्यार्थियों की उपस्थिति की निगरानी के लिए एकीकृत सॉफ्टवेयर और कमांड एंड कंट्रोल सेंटर को मजबूत किया गया है। शिक्षकों, विद्यार्थियों और अभिभावकों की समस्याओं के समाधान के लिए शिकायत निवारण व्यवस्था को भी प्रभावी बनाया जा रहा है। शिक्षा मंत्री ने अधिकारियों से भ्रष्टाचार से पूरी तरह दूर रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग को सरस्वती की साधना का केंद्र और नालंदा-विक्रमशिला की गौरवशाली परंपरा से प्रेरणा लेकर बिहार को फिर से देश-दुनिया के ज्ञान का प्रमुख केंद्र बनाना है। चिंतन से परिवर्तन और संकल्प से सिद्धिह्ल के मंत्र के साथ शिक्षा विभाग को आगे बढ़ना होगा। एक पुस्तक 'वन्दे मातरम् : स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा और भारत माता की अमर पुकार' शिक्षा मंत्री ने खुद लिखी है जिसे प्रभात प्रकाशन ने प्रकाशित किया है। उद्घाटन समारोह का समापन बिहार गीत की प्रस्तुति से हुआ। कार्यशाला में बिहार शिक्षा सेवा के प्रशासन उप संवर्ग और शोध एवं प्रशिक्षण उप संवर्ग के सभी अधिकारी, डायट के प्राचार्य समेत 322 प्रतिभागी शामिल हुए। कार्यशाला का समापन सोमवार की शाम होगा।

हर खबर पर पैनी नजर
नई सोच एक्सप्रेस
(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

संक्षिप्त समाचार

अखिल भारतीय युवा कांग्रेस का 66वां स्थापना दिवस सदाकत आश्रम में मनाया गया

पटना। अखिल भारतीय युवा कांग्रेस का 66वां स्थापना दिवस आज बिहार प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम में समारोहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर बिहार युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शिव प्रकाश गरीब दास ने युवा कांग्रेस का झंडा फहराया।झंडोतोलन के बाद युवा कांग्रेस के नेताओं एवं कार्यकतार्ओं ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगान गाया तथा संगठन के प्रतिज्ञान का पाठ किया। इस अवसर पर बिहार युवा कांग्रेस के अध्यक्ष शिव प्रकाश गरीब दास ने कहा कि युवा कांग्रेस का गौरवशाली इतिहास देश के लोकतांत्रिक मूल्यों और युवाओं की आवाज को मजबूत करने से जुड़ा रहा है। आज का युवा देश की दिशा और दशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। युवा कांग्रेस युवाओं के अधिकारों, रोजगार, शिक्षा, सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों की लड़ाई को मजबूती से आगे बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि युवा कांग्रेस का उद्देश्य केवल संगठन का विस्तार करना नहीं, बल्कि युवाओं को लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए जागरूक एवं संगठित करना भी है। कार्यक्रम में विकास कुमार झा, खुशबू कुमारी, विशाल यादव ,बिट्टू यादव, राजनंदन कुमार, अभिषेक कुमार यादव, सहित दर्जनों युवा नेता मौजूद थे

वंदे मातरम्' को अर्थ सहित किया गया प्रकाशित, राष्ट्रगान और बिहार गीत भी शामिल

पटना। शिक्षा विभाग की ओर से अधिवेशन भवन में आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला-सह-चिंतन शिविर का मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने उद्घाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी एवं शिक्षा मंत्री श्री मिथिलेश तिवारी ने संयुक्त रूप से लेखक मुरली मनोहर श्रीवास्तव द्वारा संपादित 'वंदे मातरम्' बुकलेट तथा शिक्षा मंत्री श्री मिथिलेश तिवारी द्वारा लिखित 'वंदे मातरम्' पुस्तक का लोकार्पण किया। मुरली मनोहर श्रीवास्तव द्वारा संपादित 'वंदे मातरम्' बुकलेट को विशेष रूप से इस उद्देश्य से तैयार किया गया है कि लोग राष्ट्रगीत के भाव और अर्थ को आसानी से समझ सकें और दूसरों को भी समझा सकें। बुकलेट में 'वंदे मातरम्' के मूल पाठ के साथ उसका विस्तृत अर्थ भी प्रकाशित किया गया है। बुकलेट की खासियत यह है कि इसमें 'वंदे मातरम्' के अलावा राष्ट्रगान और बिहार गीत को भी शामिल किया गया है। इस तरह एक ही प्रकाशन में राष्ट्रीय गौरव के साथ बिहार की सांस्कृतिक पहचान को भी स्थान दिया गया है। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने युवा पीढ़ी को देश की संस्कृति, इतिहास और राष्ट्रीय मूल्यों से जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया। 'वंदे मातरम्' को अर्थ सहित प्रकाशित करने की पहल को नई पीढ़ी तक राष्ट्रभावना और राष्ट्रीय विरासत को सहज रूप से पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है।

बिहार पशु चिकित्सा संघ की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

» निदेशक पशुपालन ने पशु चिकित्सकों को बताया पशुधन आधारित अर्थव्यवस्था एवं ग्रामीण विकास की मजबूत रीढ़

पटना। पशु चिकित्सा संघ की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह रविवार को बिहार पशु चिकित्सा संघ भवन, विद्यापति मार्ग, पटना में गरिमापूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि उज्वल कुमार सिंह निदेशक, पशुपालन, बिहार थे। हाल में सम्पन्न संघ के निर्वाचन में डॉ. विनोद कुमार मुक्ता अध्यक्ष, डॉ. प्रभात कुमार महासचिव तथा डॉ. पंकज कुमार कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए। इसके अतिरिक्त कार्यकारिणी सदस्य के रूप में डॉ. चन्द्रमौलेश कुमार, डॉ. पवन कुमार, डॉ. अमलेश कुमार यादव एवं डॉ. उपेन्द्र कुमार चौधरी निर्वाचित हुए हैं। संघ द्वारा जारी निर्वाचन संबंधी आधिकारिक पत्र में भी इन सभी निर्वाचित पदाधिकारियों एवं सदस्यों का उल्लेख किया गया है। समारोह में नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने पशु चिकित्सक संवर्ग की गरिमा, एकता एवं हितों को सर्वोपरि रखते हुए निष्ठापूर्वक कार्य करने का संकल्प लिया। मुख्य अतिथि उज्वल कुमार सिंह ने पशु चिकित्सकों की सेवाओं की सराहना करते हुए कहा कि पशु चिकित्सा सेवा एक महत्वपूर्ण एवं प्रतिष्ठित सेवा है। पशु चिकित्सकों की भूमिका केवल पशुओं के उपचार और रोग नियंत्रण तक सीमित नहीं है, बल्कि पशुधन विकास, दुग्ध उत्पादन, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, किसानों एवं पशुपालकों की आय वृद्धि तथा प्रदेश और देश के समग्र विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने पशु चिकित्सकों को पशुधन आधारित अर्थव्यवस्था की प्रगति एवं आर्थिक सुदृढ़ता की महत्वपूर्ण कड़ी बताया। निदेशक पशुपालन ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए अपेक्षा व्यक्त की कि नई कार्यकारिणी पूरे पशु चिकित्सक संवर्ग की समस्याओं, व्यावसायिक गरिमा एवं प्रगति के लिए निष्ठा और एकजुटता के साथ कार्य करेगी। उन्होंने संवर्ग हित में उठाए जाने वाले उचित विषयों पर विभागीय स्तर से सकारात्मक एवं पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। समारोह की एक विशेष बात अध्यक्ष पद के चुनाव में द्वितीय स्थान पर रहे डॉ. संजय कुमार की सक्रिय सहभागिता रही। उन्होंने नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. विनोद कुमार मुक्ता को बधाई एवं शुभकामनाएं देकर यह संदेश दिया कि लोकतांत्रिक निर्वाचन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद व्यक्तिगत प्रतिस्पर्धा से ऊपर संघ की एकता और संघ भावना सर्वोपरि है। उनकी उपस्थिति एवं सकारात्मक भूमिका का उपस्थित सदस्यों ने स्वागत किया।

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, कदमकुआं में चतुर्मास कलश स्थापन सम्पन्न

पटना। श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, कदमकुआं में जैन मुनि 105 ऐलक मुनि गोसल सागर जी का चातुर्मास कलश आज सैकड़ों की संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं के समक्ष सम्पन्न। मौके पर सभी धार्मिक अनुष्ठान दमोह से पधारे अभिषेक भैया जी ने सम्पन्न कराई। सम्पूर्ण कार्यक्रम पाटलिपुत्र दिगम्बर जैन समिति के अध्यक्ष विनोद पहाड़िया, महासचिव ज्ञान पाटनी, कोषाध्यक्ष कमल जैन की देख रेख में सम्पन्न हुआ। मौके पर जैन समाज के एम पी जैन ने बताया कि वर्षा काल में प्राकृतिक रूप से धरती पर जीवों की उत्पत्ति अत्यधिक बढ़ जाती है, इस लिए अपने व्रतों की रक्षार्थ जैन मुनियो और श्रावकों का कर्तव्य ही कि वे इस काल मे जीव जंतुओं से रहित किसी एक ही स्थान पर रुक कर अपने दैनिक आहार विहार की अपरिहार्य जरूरी क्रियाओं को सम्पन्न करे और इन कृति कर्मों को करने में भी विशेष सावधानी व सतर्कता रखे ताकि जीवो की अनजाने सूक्ष्म जीवों की हिंसा ना हो। चूंकि अहिंसा व्रत ही जैन धर्म का मूल है अतः प्रतेयक जैनी हर पल इस व्रत की पालना करने में सजग रहता है । इसी लिए जैन दर्शन में चतुर्मास का बहुत अधिक महत्व है। मौके पर अध्यक्ष विनोद पहाड़िया ने बताया कि यह अवधि चार माह या अधिक की होती है। जलवायु परिवर्तन के कारण आज कल जीवों की असामान्य उत्पत्ति का कोई निश्चित माह भी नहीं है। अतः जब भी ऐसी परिस्थिति हो तब ही व्रतियों को एक ही स्थान पर ठहर जाना चाहिए। कलश स्थापना क्रिया केवल मुनियों के एक ही स्थान पर प्रवास होने की स्थिति में मुनियों के सानिध्य में धर्म लाभ के लिए श्रावकों में रुचि बनाये रखने के लिए की जाने लगी है।

सावन के रंग में रंगा साहू समाज, महिलाओं ने की जमकर मस्ती

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।बिहार तैलिक साहू सभा (महिला प्रकोष्ठ), पटना की ओर से रविवार को लंगर टोली चौराहा स्थित साहू समाज भवन में सावन महोत्सव-2026 का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बिहार तैलिक साहू सभा के प्रदेश अध्यक्ष सह मोरवा विधायक रणविजय साहू एवं बिहार प्रदेश महिला अध्यक्ष सिम्मी प्रसाद ने दीप प्रज्वलित कर किया। महोत्सव के दौरान शिव वंदना, सावन गीत, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, मेहंदी प्रतियोगिता, सावन क्वीन, बेस्ट ग्रीन ड्रेस प्रतियोगिता, मनोरंजक खेल एवं लकी ड्रॉ सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। महिलाओं और युवतियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लेते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष सह मोरवा विधायक रणविजय साहू ने कहा कि सावन केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकजुटता का प्रतीक भी है। उन्होंने महिला प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित सावन महोत्सव की सराहना करते हुए कहा कि समाज की महिलाएं आज हर क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। वहीं बिहार प्रदेश महिला अध्यक्ष सिम्मी प्रसाद ने अपने संबोधन में कहा कि सावन महोत्सव के आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज की महिलाओं को एक साझा मंच प्रदान करना, सामाजिक एकता को मजबूत करना तथा अपनी सांस्कृतिक परंपराओं एवं पारिवारिक मूल्यों को आगे बढ़ाना है। उन्होंने महोत्सव को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी पदाधिकारियों, सदस्यों, प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के अंत में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार एवं सम्मान प्रदान किया गया। इस अवसर पर समाज के गणमान्य लोग, पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं।

150 से अधिक नन्हे कलाकारों ने महफ़िल सीज़न-19 में बिखेरा जलवा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।तानसेन स्कूल ऑफ़ म्यूज़िक एंड डांस प्रा. लि. की ओर से रविवार को 'महफ़िल सीज़न-19' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 150 से अधिक छात्र-छात्राओं ने गायन, वादन एवं नृत्य की प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों में स्टेज फियर दूर करना, आत्मविश्वास बढ़ाना तथा व्यक्तित्व विकास करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक कैप्टन आशुतोष कुमार, प्रबंध निदेशक वंदना कुमार, मुख्य परिचालन अधिकारी, अंजनी कुमारी तथा अतिथि डॉ. विमलेंदु, लेखक ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित किया। इस अवसर पर कैप्टन आशुतोष कुमार ने कहा कि मंच केवल प्रस्तुति देने का स्थान नहीं, बल्कि बच्चों के आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और व्यक्तित्व विकास की प्रयोगशाला है। महफ़िल का उद्देश्य हर बच्चे को ऐसा अवसर देना है, जहां वह बिना किसी डर के अपनी प्रतिभा को दुनिया के सामने प्रस्तुत कर सके। वंदना कुमार ने कहा कि नियमित मंचीय प्रस्तुतियां बच्चों में अनुशासन, अभिव्यक्ति की क्षमता और आत्मविश्वास का विकास करती हैं। वहीं अंजनी कुमारी ने बताया कि महफ़िल जैसे आयोजन बच्चों को कला के साथ-साथ जीवन में आगे बढ़ने का साहस भी प्रदान करते हैं। 'महफ़िल सीज़न-19' में पाखी शेखर, श्रीजा कांत, इंद्राक्षी, श्रीजा सिंह, कंसीहा, भाव्या कृष्णा, अनंता, इवान रौशन, अन्विका किशोर, अनन्या तिवारी, मायरा शर्मा, रुद्रांश, वेदांश, समायरा साजिद, अहाना वास्तल, काश्वी पांडेय, ऋषि राज सिंह, जिज्ञा गुप्ता, तनिष्का सिंह, देवांशी, रिधिमा, तेजस सिंह, रोनिका, दित्या झा, हरकीरत, प्रज्वलगिरि, संभावी सिंह, अयांशी, निकिशा आन्या, अक्षिता साची, मिर्थिया कश्यप, वनेसा, अलीज़ा, अरुणिता गुप्ता, नैतिक यादव, अक्षिता, ध्वनि एवं कियान सहित विभिन्न शाखाओं के अनेक छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। तानसेन स्कूल ऑफ़ म्यूज़िक एंड डांस प्रा. लि. विगत वर्षों से बिहार में संगीत एवं नृत्य शिक्षा के साथ-साथ बच्चों के व्यक्तित्व विकास, सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण तथा मंचीय आत्मविश्वास के निर्माण की दिशा में कार्य कर रहा है। संस्थान का मानना है कि प्रत्येक बच्चे को मंच मिलना चाहिए, क्योंकि मंच ही प्रतिभा को पहचान और आत्मविश्वास को नई उड़ान देता है।

सावन आयो रे में दिखी नारी शक्ति और संस्कृति की झलक

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।नृत्यांगन हॉबी सेंटर की ओर से रविवार को पाटलिपुत्रा कॉलोनी स्थित द औरम बैंक्वेट में 17वें "सावन आयो रे-2026" कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उदघाटनकर्ता अतिथि प्रदेश प्रवक्ता राष्ट्रीय सचिव रीमा सिंह,सेलिब्रिटी गेस्ट चर्चित लोक गायिका रेखा झा एवं नृत्यांगन हॉबी सेंटर की निदेशिका मौसम शर्मा के द्वारा किया गया। निर्णायक की भूमिका संपन्नता वरुण ने निभाया सावन की उमंग और उत्साह से सराबोर कार्यक्रम में नृत्यांगन हॉबी सेंटर से जुड़ी महिलाओं एवं बच्चियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। पारंपरिक गीत-संगीत और नृत्य की प्रस्तुतियों के साथ सावन क्वीन प्रतियोगिता, फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता सहित कई मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित किए गए। महिलाओं ने हरे परिधानों और सावन की पारंपरिक साज-सज्जा के साथ उत्सव के माहौल को और खास बना दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लोक गायिका रेखा झा ने कहा कि सावन के गीतों और पारंपरिक प्रस्तुतियों के माध्यम से हमारी लोक परंपराएं जीवंत रहती हैं। उन्होंने कहा कि आज की व्यस्त जीवनशैली में ऐसे सांस्कृतिक आयोजन बेहद जरूरी हैं, क्योंकि ये नई पीढ़ी को अपनी जड़ों और लोक संस्कृति से जोड़ने का काम करते हैं। रीमा सिंह ने सावन के महीने की महत्व को बताते हुए कहा कि सावन भक्ति और भगवान शिव की पूजा आराधना करने का सबसे पावन महीना है,नृत्यांगन हॉबी सेंटर की निदेशिका मौसम शर्मा ने कहा कि सावन आयो रे का उद्देश्य सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि महिलाओं और बच्चों को एक ऐसा मंच देना है, जहां वे अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास और रचनात्मकता को खुलकर प्रदर्शित कर सकें। उन्होंने कहा कि महिलाएं परिवार के साथ-साथ समाज और राष्ट्र के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। जरूरत है कि उन्हें उनकी प्रतिभा को निखारने और आगे बढ़ने के लिए निरंतर अवसर दिए जाएं। उन्होंने कार्यक्रम में शामिल सभी प्रतिभागियों और अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने सावन गीतों, नृत्य और विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। सावन क्वीन और फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता विशेष आकर्षण रहा।विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया। पूरा आयोजन सावन के उल्लास, हरियाली, संगीत और सांस्कृतिक रंगों से सराबोर नजर आया।

पटना एयरपोर्ट रोटरी क्लब की ओर से महिलाओं के बीच साड़ियां वितरित की गई

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।रोटरी क्लब, फटना एयर पोर्ट के तत्वावधान में समाजसेवी स्व. बालेश्वर सिंह की 11वीं पुण्यतिथि रूपसपुर स्थित अम्बेदकर प्राथमिक विद्यालय में मनाई गई। इस अवसर पर गरीब और कमजोर वर्ग की 100 महिलाओं के बीच निशुल्क साड़ियां वितरित की गई। क्लब के अध्यक्ष सुभाष कुमार सिंह ने बताया कि क्लब की ओर से समय-समय पर समाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। उपस्थित सदस्यों ने संगठन के आगामी कार्यक्रम के आयोजन पर भी विचार-विमर्श किया गया। आज के कार्यक्रम में अध्यक्ष सुभाष कुमार सिंह के अलावा सचिव शंकर कुमार चौधरी, कोषाध्यक्ष रविन्द्र कुमार शंकर चार्टर्ड अध्यक्ष अशोक प्रसाद, पूर्व सचिव कृष्णा प्रसाद, निदेशक अशोक कुमार सिंह, रविन्द्र शाही, आनन्द राज और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम के सफल संचालन में विद्यालय के प्रधानाध्यापक का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

नियमित व्यायाम व सही दिनचर्या से हो सकता है मधुमेह पर कंट्रोल

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।साउथ इस्ट एशिया डाइबटीज फाउण्डेशन बिहार शाखा का प्रथम कान्फ्रेंस होटल मौर्य में आयोजित हुआ। जिसमें देशभर के लगभग 200 मधुमेह से जुड़े चिकित्सकों ने भाग लेकर अपना राय व्यक्त किया। इस संबंध में आयोजक कंसल्टेंट फिजिशियन एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ डॉ अभिजीत कुमार ने बताया कि इस कॉन्फ्रेंस में मधुमेह से जुड़ी बीमारी जैसे किडनी, हर्ट, आंख, दांत, चर्म रोग से जुड़े चिकित्सकों ने इन बीमारियों से कैसे बचाव हो उसपर चर्चा की। मौके पर मुख्य अतिथि उड़ान के अमित शर्मा ने मधुमेह से जुड़ी बीमारियों से हो रहे नुकसन पर चर्चा की। इस मौके डॉ अभिजीत ने बताया कि मधुमेह का इलाज है मगर इस बीमारी को जड़ से समाप्त करने का अभी कोई शोध नहीं हो पाया है। कई मरीज आयुर्वेद से लौटकर भी एलोपैथ की शरण में आ रहे हैं। मतलब मधुमेह के मरीज को निरंतर परहेज से रहना चाहिए। मौके पर मधुमेह रोग विशेषज्ञ डॉ अतुल कुमार ने कहा कि नियमित जीवन शैली में आठ घंटे निंद, आठ धंटे ऑफिस वर्क और आठ घंटे पारिवारिक जीवन में रहकर भी इस बीमारी पर नियंत्रण रखा जा सकता है। साथ में आठ ग्लास पानी पीना और 30 मिनट का ब्रिस्क वाक के साथ व्यायाम करने से भी मधुमेह, हर्ट, किडनी जैसी बीमारियों से बचा जा सकता है। साथ ही मधुमेह से ग्रस्त होने पर तुरंत डाक्टर से इलाज कराएं। मौके पर डॉ अजय कुमार, डॉ शैवाल गुप्ता,डॉ सुभाष कुमार, डॉ कुणाल कुंदन, डॉ पुष्पराज , डॉ सुकृति कुमारी, डॉ राहुल कुमार शर्मा सहित कई चिकित्सकों ने अपने विचार व्यक्त किये।

श्रेयांश यादव ने बिहार की तैराकी को दिलाई नई पहचान

नई सोच एक्सप्रेस

» राष्ट्रीय सब-जूनियर एक्वेटिक चैंपियनशिप में 100 मीटर फ्रीस्टाइल में जीता कांस्य पदक

पटना।बिहार की तैराकी के लिए रविवार का दिन एक नई उम्मीद और उपलब्धि लेकर आया। जयपुर में 6 से 9 अगस्त तक आयोजित 42वीं सब-जूनियर राष्ट्रीय एक्वेटिक चैंपियनशिप में बिहार के युवा तैराक श्रेयांश यादव ने 100 मीटर फ्रीस्टाइल, बॉयज ग्रुप-ककक में कांस्य पदक जीतकर राज्य का नाम राष्ट्रीय पटल पर रोशन किया।फाइनल मुकाबले में श्रेयांश ने 1 मिनट 02.56 सेकेंड का शानदार समय निकालते हुए तीसरा स्थान हासिल किया। उनकी इस उपलब्धि ने न केवल बिहार की तैराकी में नई ऊर्जा का संचार किया है, बल्कि राज्य के युवा तैराकों के लिए यह भरोसा भी जगाया है कि सही प्रशिक्षण, सुविधाएं और अवसर मिलने पर वे राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक-सह-मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवीन्द्रण शंकरण ने श्रेयांश की उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह पदक बिहार की तैराकी के लिए विशेष महत्व रखता है। उन्होंने कहा कि लगभग चार दशक से राष्ट्रीय स्तर पर बिहार की तैराकी में पदक का इंतजार रहा है। पिछले कुछ वर्षों में इस स्थिति में तेजी से बदलाव आया है और अब लगातार सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया में कात्यायनी सिंह की उपलब्धि और वर्ष 2024 की सीनियर राष्ट्रीय तैराकी चैंपियनशिप में माही स्वेतराज के तीन स्वर्ण पदक के बाद पुरुष वर्ग में श्रेयांश यादव का राष्ट्रीय पदक बिहार की तैराकी के लिए एक और बड़ी उपलब्धि है। इसे पुरुष वर्ग में बिहार का पहला राष्ट्रीय पदक भी बताया जा रहा है। शंकरण ने श्रेयांश की सफलता के पीछे हाल में आयोजित पारदर्शी और निष्पक्ष चयन प्रक्रिया को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय तैराकी महासंघ और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के सहयोग से राजगीर पुलिस अकादमी के 50 मीटर स्विमिंग पूल में चयन परीक्षण आयोजित किया गया था। इसी चयन परीक्षण के माध्यम से श्रेयांश यादव का चयन हुआ और उन्होंने राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि श्रेयांश की सफलता एक बार फिर यह साबित करती है कि बिहार में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। जरूरत है प्रतिभाओं को पहचानने, पारदर्शी तरीके से चयन करने, बेहतर प्रशिक्षण और सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा उन्हें अपनी क्षमता साबित करने का सही अवसर देने की। खेल मंत्री श्रेयसी सिंह ने श्रेयांश यादव को इस शानदार उपलब्धि पर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर बिहार के युवा तैराक की यह सफलता राज्य में तैराकी के बढ़ते आधार और खिलाड़ियों की मेहनत का परिणाम है।

फतुहा होमियोपैथी अस्पताल में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन,बच्चों की असमानय आदतों का उपचार है होमियोपैथी

नई सोच एक्सप्रेस

फतुहा।होमियोपैथी अस्पताल में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, अध्यक्षता डॉ मोनिका पटेल , मुख्य अतिथि सुप्रसिद्ध होमियोपैथी चिकित्सक डॉ लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल। डॉ पटेल ने कहा कि बच्चे पृथ्वी पर भगवान की सबसे अनुपम कृति है। स्वस्थ ,शांत ,सरल बच्चे सब का मन मोह लेते हैं। वहीं पर गुस्सैल चिड़चिड़ा बच्चों से हर व्यक्ति दूर ही रहना पसंद करता है। यदि आपका बच्चा चिड़चिड़ा है, होमवर्क में रुचि नहीं लेता है, आत्मविश्वास की कमी का शिकार है, बात-बात में लड़ता, झगड़ता है, अन्य बच्चों से ईर्ष्या रखता है, झूठ बोलना, बिस्तर पर पेशाब करना और यदि आप लगता है कि आपका बच्चा असामान्य आदतों का शिकार है और स्वाभाविक व्यवहार करता है तो निराश होने कर सकता नहीं होम्योपैथी में ऐसे अनेक औषधीया है जो आपके बच्चों की आसामान्य आदत ,व्यवहार को सामान्य बनाकर उसे आपका लाडला बना सकती हैं। 1- बच्चा गुस्सैल दूसरे बच्चों के साथ मारपीट करें। बच्चे को संभालना मुश्किल हो ऐसी स्थिति में सिफलिनम 200 या 1000 शक्ति की कुछ खुराक ही कारगर हो सकती है। 2- बच्चा हठी, चुप कराना मुश्किल ऐसे स्थिति में टियुबरकुलीनम, 200 एक बार रोज। 3 - बच्चा का हीन भावना आत्मविश्वास की कमी रहने रहने पर दवा लाइकोपोडियम प्रयोग किया जा सकता है। 4- बच्चा बहुत जिद्दी, गुसैलला, किसी से न डरे लात घुसा चलाए दवा टियुबरकयुलिनम 200 एक बार रोज। 5- बच्चा को झूठ बोलने का आदत, चोरी करने की आदत दवा ओपियम 200 दी जा सकती है। 6-बच्चा को होमवर्क मे रुचि नहीं रहने पर दवा नेट्रमम्योर 200। 7 - जरा सी बात पर गुस्सा तोड़ फोड़ करे दवा स्टैफिसग्रिया 200 । 8- बच्चा जिद्दी, झगड़ालू, प्यार में भी बोलने पर चिल्लाए दवा साइलीसिया 200 । 9-बच्चा किसी का प्रवाह न करें जो मन आए वह करे दवा सल्फर सीएम महीना में एक बार। 10- बच्चा कभी स्नान नहीं करना चाहता है सल्फर महीना में एक बार। कोई भी दवा चिकित्सक के सलाह से ही इस्तेमाल करे।

पुरुषार्थ चतुष्टय की प्राप्ति के लिए शिव के जीवन-दर्शन को आत्मसात करें : ओम

नई सोच एक्सप्रेस

» श्रावणमेंशिवभक्तिसे आत्मानुशासन,शांतिऔर सकारात्मकऊर्जाकासंचार: ओमनमःशिवायसिंह

पटना।श्रावण मास की द्वितीय सोमवारी की पूर्व संध्या पर राजेंद्र नगर में शिव भक्तों को संबोधित करते हुए धर्मानुरागी एवं शिक्षाविद् ओम नमः शिवाय सिंह ने कहा कि भगवान शिव चेतना, शक्ति, समाधि और मोक्ष के प्रतीक हैं। उनके जीवन-दर्शन को आत्मसात कर व्यक्ति जीवन को सरल, संयमित और सार्थक बना सकता है। उन्होंने कहा कि शिव भक्ति से आत्मबल, आत्मानुशासन, सुख-शांति और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। शिव का तांडव विनाश नहीं, बल्कि नव-सृजन का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भगवान शिव का जीवन-दर्शन धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष रूपी पुरुषार्थ चतुष्टय की प्राप्ति का मार्ग दिखाता है। ओम नमः शिवाय सिंह ने कहा कि शिव की उपासना केवल धार्मिक आस्था नहीं, बल्कि सादगी, समरसता, नारी सम्मान, प्रकृति संरक्षण और समाजसेवा की प्रेरणा भी देती है। श्रावण मास को जप, तप, योग और संयम के माध्यम से आत्मिक उन्नति का विशेष अवसर बताते हुए उन्होंने लोगों से भगवान शिव के आदर्शों को जीवन में अपनाने की अपील की।

संक्षिप्त समाचार

पारंपरिक रेत भूनाई प्रक्रिया से तैयार आशीर्वाद चना सत्तू लॉन्च

दरभंगा।आशीर्वाद चना सत्तू सावधानीपूर्वक चयनित और उच्च गुणवत्ता वाले चने से तैयार किया गया है। इसे पारंपरिक रेत-भूनाई प्रक्रिया के माध्यम से बनाया जाता है, जिससे इसे प्रामाणिक सत्तू की विशिष्ट भुनी हुई सुगंध, स्वाद और सुनहरा रंग प्राप्त होता है। उक्त बातें आईटीसी लिमिटेड के फूड्स डिवीज़न में स्टेपल्स और एडजसेंसीज़ के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर अनुज रुस्तगी ने आईटीसी लिमिटेड के ब्रांड आशीर्वाद चना सत्तू के मिथिलांचल में लॉन्च के मौके पर कही। उन्होंने कहा कि समान रूप से रेत में भूनकर और बारीक पीसकर तैयार किए जाने के कारण इसकी बनावट बेहद मुलायम होती है, जिससे यह विभिन्न पारंपरिक व्यंजनों के साथ-साथ रोज़मर्रा के कई प्रकार के उपयोग के लिए उपयुक्त है। आशीर्वाद चना सत्तू पारंपरिक स्वाद के साथ बेहतर पोषण भी देगा। क्षेत्रीय स्वाद को ध्यान में रखते हुए, आशीर्वाद चना सत्तू को दो अलग-अलग वैरिएंट्स में लॉन्च किया गया है, बिहार में चना सत्तू विद जीरा और पश्चिम बंगाल तथा झारखंड में प्लेन चना सत्तू। यह उत्पाद 47 ग्राम, 200 ग्राम, 250 ग्राम और 500 ग्राम के पैक में जनरल ट्रेड के माध्यम से उपलब्ध है तथा जल्द ही मॉडर्न ट्रेड और प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर भी उपलब्ध होगा।

मध्यप्रदेश में शिक्षक पद पर चयन, विद्यालय परिवार ने किया सम्मानित

छपरा।नगर अंचल अंतर्गत उत्क्रमित मध्य विद्यालय लोहा छपरा में अंग्रेजी विषय के शिक्षक के रूप में वर्ष 2024 से कार्यरत सागर सिंह चौहान का मध्य प्रदेश सरकार में माध्यमिक शिक्षक के पद पर चयन हुआ है। नई जिम्मेदारी संभालने के लिए उन्होंने बिहार की शिक्षक सेवा से इस्तीफा दे दिया। जिला शिक्षा पदाधिकारी, सारण ने उनका त्यागपत्र स्वीकार कर लिया है। इसके बाद विद्यालय परिवार की ओर से विदाई सह सम्मान समारोह आयोजित कर उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। समारोह में प्रभारी प्रधानाध्यापक विजयेंद्र कुमार विजय ने सागर सिंह चौहान को अंगवस्त्र एवं विद्यालय का मोमेंटो देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि सागर सिंह ने अपने कार्यकाल में पूरी ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण के साथ दायित्वों का निर्वहन किया। अंग्रेजी विषय के शिक्षक के रूप में उन्होंने विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। विद्यालय के कंप्यूटर संबंधी कार्यों में भी वे हमेशा तत्परता से सहयोग करते थे। प्रभारी प्रधानाध्यापक ने कहा कि प्रतिभावान और कर्मठ शिक्षक का बेहतर अवसर के लिए आगे बढ़ना विद्यालय परिवार के लिए गर्व की बात है। उन्होंने सागर सिंह के उज्ज्वल भविष्य और नई जिम्मेदारी में सफलता की कामना की। इस दौरान विद्यालय के शिक्षकों ने उनके साथ बिताए कार्यकाल की स्मृतियां साझा कीं। सहकर्मियों ने कहा कि सागर सिंह चौहान का व्यवहार सदैव सहयोगात्मक रहा। उनके जाने से विद्यालय परिवार को एक कुशल और मिलनसार शिक्षक की कमी महसूस होगी।

गया जंक्शन पर ट्रेन में 372 लीटर महुआ शराब बरामद, सीट के नीचे छिपाकर रखे थे 62 बोरे

गयाजी। रेलवे सुरक्षा बल (RPF) और राजकीय रेल पुलिस की संयुक्त टीम ने गया जंक्शन पर शराब तस्करी की बड़ी खेप पकड़ी है। प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर खड़ी आसनसोल-वाराणसी पैसेंजर ट्रेन (13553) की तलाशी के दौरान सीट के नीचे संदिग्ध प्लास्टिक के बोरे मिले। यात्रियों से पूछताछ की गई, लेकिन किसी ने भी इन बोरों पर अपना दावा नहीं किया।संदेह होने पर बोरों को उतारकर जांच की गई। तलाशी में 62 प्लास्टिक के पैकेटों में करीब 372 लीटर महुआ देशी शराब बरामद हुई। बरामद शराब की अनुमानित कीमत 37,200 रुपए बताई गई है।कार्रवाई RPF पोस्ट गया के प्रभारी निरीक्षक और अपराध एवं आसूचना शाखा गया के प्रभारी निरीक्षक के निर्देशन में संयुक्त टीम ने की। टीम में RPF, अपराध आसूचना शाखा, CPDS टीम और राजकीय रेल थाना गया के जवान शामिल थे।शराब बरामदगी के बाद RPF के सहायक उपनिरीक्षक एमके अकेला की शिकायत पर राजकीय रेल थाना गया में कांड संख्या 205/26 दर्ज किया गया है। पुलिस ने बिहार मद्यनिषेध अधिनियम की धारा 30(A) के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।आश्चर्य की बात यह है कि शराब की इतनी बड़ी खेप ट्रेन में लावारिस हालत में मिली, लेकिन जांच के दौरान किसी यात्री ने इसे अपना नहीं बताया। पुलिस अब शराब की खेप ट्रेन तक पहुंचाने और इसके पीछे जुड़े लोगों की पहचान में जुट गई है।

गया में पृथ्वी दिवस पर हरियाली का महाअभियान, स्कूलों में गूंजा पौधा लगाओ पृथ्वी बचाओ' का संकल्प

गया जी। बिहार पृथ्वी दिवस के अवसर पर रविवार को गया वन प्रमंडल के विभिन्न वन प्रक्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया। विद्यालयों में आयोजित कार्यक्रमों में अधिकारियों, शिक्षकों, विद्यार्थियों और स्थानीय लोगों ने पृथ्वी, पर्यावरण, वन एवं वन्यजीवों की रक्षा का 11 सूत्री संकल्प लिया।कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय वजीरगंज, फतेहपुर व शेरघाटी सहित राजकीय आदर्श मध्य विद्यालय पड़रिया, उर्दू मध्य विद्यालय छकरबंधा, जवाहर नवोदय विद्यालय मखदुमपुर जहानाबाद, डोभी एवं अन्य पिछड़ा वर्ग कन्या आवासीय +2 विद्यालय में कार्यक्रम आयोजित हुए। इस दौरान विद्यालय परिसरों में सामूहिक रूप से 900 पौधे लगाए गए।कार्यक्रम में लोगों को पौधों की नियमित देखभाल और संरक्षण, जल बचाने, प्लास्टिक का कम से कम उपयोग करने तथा प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित किया गया। वन विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि पौधारोपण तभी सार्थक होगा, जब लगाए गए पौधे सुरक्षित रहकर पेड़ बनें।वन प्रमंडल पदाधिकारी ने कहा कि पृथ्वी सिर्फ इंसानों की नहीं, बल्कि जीव-जंतुओं और वनस्पतियों का भी साझा घर है। बढ़ता प्रदूषण, घटते वन, जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता में कमी पृथ्वी के संतुलन के लिए बड़ी चुनौती बन चुके हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए सरकारी प्रयासों के साथ प्रत्येक नागरिक की भागीदारी जरूरी है।

तनावमुक्त जीवन के लिए राजयोग मेडिटेशन शिविर का दूसरा सत्र संपन्न

नई सोच एक्सप्रेस

मोतीहारी। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सेवा केंद्र रामगढ़वा द्वारा आयोजित "तनावमुक्त जीवन के लिए राजयोग मेडिटेशन शिविर" के दूसरे सत्र का आयोजन आध्यात्मिक एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ।इस अवसर पर पूर्वी चंपारण केंद्र प्रभारी बीके पूनम बहन ने कहा कि परमपिता परमात्मा सर्वव्यापी नहीं हैं, बल्कि वे परमधाम के निवासी हैं। उन्होंने बताया कि परमपिता परमात्मा दिव्य तन में अवतरित होकर मनुष्यों को सत्य ज्ञान सुना रहे हैं। परमात्मा द्वारा दिए जा रहे ज्ञान और राजयोग के अभ्यास से मनुष्य अपने जीवन को श्रेष्ठ एवं तनावमुक्त बना सकता है।इसके बाद शिवहर जिला, माली पोखरभिंडा से आईं बीके मनीषा दीदी ने सेल्फ रियलाइजेशन एवं गॉड रियलाइजेशन विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला। मनीषा दीदी ने कहा कि मनुष्य केवल भौतिक शरीर नहीं, बल्कि एक चैतन्य शक्ति स्वरूप आत्मा है। आत्मा अजर, अमर और अविनाशी है। आत्मा का कभी विनाश नहीं होता, जबकि शरीर नश्वर है। उन्होंने आत्मचिंतन एवं आत्म-स्मृति के माध्यम से जीवन में शांति, प्रसन्नता और तनावमुक्ति प्राप्त करने का मार्ग बताया।उन्होंने कहा कि परमपिता परमात्मा शिव सृष्टि के रचयिता, भाग्य विधाता, त्रिमूर्ति शिव, सदा कल्याणकारी,दुःखहर्ता-सुखकर्ता, तेजस्वी एवं पाप नाशक हैं। परमात्मा परमधाम अर्थात् ब्रह्मलोक के निवासी

» सेल्फ रियलाइजेशन और गॉड रियलाइजेशन पर डाला गया प्रकाश, श्रद्धालुओं ने लिया राजयोग का लाभ

हैं। उन्होंने परमधाम को शांतिधाम, निर्वाणधाम एवं मुक्तिधाम के रूप में भी समझाया।सत्र के दौरान 5000 वर्ष के सृष्टि चक्र के आध्यात्मिक रहस्य पर भी प्रकाश डाला गया। बताया गया कि जब कलियुग का अंत और सतयुग की स्थापना का समय आता है, तब परमात्मा शिव दिव्य ज्ञान के माध्यम से मनुष्य को आत्मिक चेतना का अनुभव कराते हैं और श्रेष्ठ चरित्र एवं दिव्य गुणों को धारण करने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने कहा कि परमपिता परमात्मा के ज्ञान और राजयोग के अभ्यास से मनुष्य अपने जीवन को श्रेष्ठ बनाकर नर से नारायण और नारी से लक्ष्मी बनने की दिशा में आगे बढ़ सकता है। कार्यक्रम के दौरान "मेरे सतगुरु प्यारे दा दरबार बड़ा सोणा है" गीत पर खुशी एवं आयुषी ने मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किया। उनकी सुंदर प्रस्तुति से पूरा वातावरण आनंद और उमंग से भर गया। उपस्थित श्रद्धालु भी गीत की धुन पर झूम उठे और कार्यक्रम का आध्यात्मिक आनंद लिया।सत्र में उपस्थित लोगों के चेहरों पर विशेष प्रसन्नता एवं शांति दिखाई दे रही थी। रामगढ़वा के निवासियों ने राजयोग मेडिटेशन एवं आध्यात्मिक ज्ञान का भरपूर लाभ उठाया। मौके पर बीके रागिनी बहन, बीके रंजू बहन, बीके रिमझिम बहन, बीके किरण बहन, बीके अनिल भाई एवं बीके श्याम भाई उपस्थित थे।कार्यक्रम के अंत में श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। प्रसाद वितरण के उपरांत तनावमुक्त जीवन के लिए आयोजित राजयोग मेडिटेशन शिविर का दूसरा सत्र सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

किसान महासभा ने मांगों को लेकर प्रदर्शन किया

नई सोच एक्सप्रेस

वैशाली।स्थित महान स्वतंत्रता सेनानी बच्चन शर्मा की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद अगस्त क्रांति के अवसर पर साम्राज्यवाद विरोधी राष्ट्रव्यापी आह्वान पर किसानों को गुलाम बनाने वाली भारत अमेरिका कृषि व्यापार समझौता रद्द करने , बिहार में सम्राट चौधरी सरकार द्वारा 12 सेटेलाइट टाउनशिप परियोजना व उसमें लैंड पूलिंग नीति के माध्यम से चार लाख एकड़ कृषि भूमि कॉर्पोरेट को हडपने की कोशिश के खिलाफ राजापाकर उच्च विद्यालय चौक से शनिचर हाट तक विरोध मार्च निकालकर मोदी और सम्राट चौधरी का पुतला दहन किया गया।अखिल भारतीय किसान महासभा के जिला सचिव सुमन कुमार ने कहा कि संकटग्रस्त कृषि को उवारने के बजाय सरकारे विकास के नाम पर कृषि भूमि की लूट गैर कृषि कार्य हेतु कर रही है. एक लाख एकड़ से अधिक भूमि अन सर्वेलैंड के नाम पर लूटने की योजना है। संगठन के प्रखंड अध्यक्ष राम बहादुर सिंह ने कहा खाद की कालाबाजारी पर रोक लगाकर किसानों को पर्याप्त मात्रा में यूरिया और डीएपी मुहैया करने की मांग उठाई।डॉक्टर भिखारी प्रसाद सिंह ने किसानों को सम्मान निधि कम से कम दस हजार रुपए प्रतिमाह दिया जाए। सभा को किसान बृजेंद्र प्रसाद सिंह, रामप्रवेश सिंह, मालती देवी, मंती देवी, जुलम साहनी, मंटू कुमार, प्रेम माझी, फकीरा राय, सुरेश सिंह, राम इकबाल सिंह, रामबाबू प्रसाद सिंह, महेश सिंह, विनोद राम, आदि किसान नेताओं ने संबोधित किया।

निजी स्कूलों की जिला स्तरीय बैठक में शिक्षा की गुणवत्ता पर जोर

नई सोच एक्सप्रेस

जमुई। सिमुलतला स्थित स्वामी विवेकानंद विद्यापीठ परिसर में रविवार को इंडिपेंडेंट स्कूल एंड चिल्ड्रन वेलफेयर एसोसिएशन की जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। अध्यक्षता एसोसिएशन के राज्य सचिव रंजीत कुमार ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं बच्चों द्वारा प्रस्तुत स्वागत गान से हुआ। रंजीत कुमार ने कहा कि बैठक का उद्देश्य निजी स्कूलों की समस्याओं, बच्चों के कल्याण और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार पर मंथन करना है। उन्होंने बताया कि आगामी दिनों में छात्र सुरक्षा, शिक्षक प्रशिक्षण और सरकारी योजनाओं का लाभ बच्चों तक पहुंचाने के लिए अभियान चलाया जाएगा। फीस संरचना, पाठ्यक्रम और स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं पर भी चर्चा हुई। एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार सिन्हा ने कहा कि हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए स्मार्ट क्लास, लाइब्रेरी और खेल मैदान जैसी सुविधाओं को बढ़ावा दिया जाएगा। जिला उपाध्यक्ष विमलेश कुमार ने निजी स्कूलों में शिक्षकों और संसाधनों की कमी का मुद्दा उठाते हुए सरकार से प्रशिक्षण एवं अन्य योजनाओं में निजी विद्यालयों को शामिल करने की मांग की। जमुई ऑक्सफोर्ड स्कूल के प्राचार्य ऋतुराज सिन्हा ने शिक्षा के साथ संस्कार और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने पर जोर दिया। बैठक में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए स्कूल संचालकों एवं शिक्षकों ने

» छात्र सुरक्षा, शिक्षक प्रशिक्षण और बुनियादी सुविधाओं को लेकर अभियान चलाने का निर्णय

अपनी समस्याएं रखीं। इस अवसर पर रितेश कुमार गुप्त, शंभू कुमार, रविंद्र कुमार, अजीत कुमार, जय श्याम सहित एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में स्कूल संचालक और शिक्षक मौजूद रहे। मंच संचालन विमलेश कुमार ने किया।

विश्वविद्यालय संशोधन अधिनियम 2026 के विरोध में चौथे दिन भी काला बिल्ला लगाकर शिक्षकों ने किया कार्य

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। विश्वविद्यालय संशोधन अधिनियम, 2026 के विरोध में बिहार राज्य विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी संयुक्त संघर्ष मोर्चा के आह्वान पर लगातार चौथे दिन स्थानीय एस.एन.सिन्हा कॉलेज के शिक्षकों एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों ने काला बिल्ला लगाकर अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए शांतिपूर्ण विरोध दर्ज कराया। इस अवसर पर शिक्षकेतर कर्मचारी संघ मगध प्रक्षेत्र के उपाध्यक्ष राजीव नयन एवं संयुक्त मंत्री तथा इकाई संघ के अध्यक्ष डॉ. ब्रजेश कुमार ने कहा कि शिक्षक एवं कर्मचारी लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से अपनी जायज मांगों तथा विश्वविद्यालय की स्वायत्तता से जुड़े मुद्दों को लेकर विरोध कर रहे हैं। सरकार को शिक्षक एवं कर्मचारी संगठनों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय संशोधन अधिनियम, 2026 पर पुनर्विचार करना चाहिए। संघ के सचिव धर्मेंद्र कुमार ने कहा कि यह आंदोलन उच्च शिक्षा एवं विश्वविद्यालय व्यवस्था से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों के समाधान के लिए है। मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं होने पर संघर्ष को लोकतांत्रिक तरीके से आगे भी जारी रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि आंदोलन के अगले चरण में 10 अगस्त 2026 को मगध विश्वविद्यालय अंतर्गत सभी महाविद्यालयों के शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी विश्वविद्यालय मुख्यालय पर एकत्रित होकर धरना-प्रदर्शन करेंगे तथा विश्वविद्यालय संशोधन अधिनियम, 2026 का विरोध दर्ज कराएंगे। इस अवसर पर डॉ. अख्तर रोमानी, डॉ. सुबोध कुमार झा, डॉ.शशिधर गुप्ता, डॉ. ओम प्रकाश वर्मा, कुमकुम कुमारी, डॉ. यास्मीन बानो, डॉ.नेहा कुमारी, डॉ.सियाशरण, डॉ. सुमन कुमारी, डॉ.हर्षवर्धन, डॉ.शंभू सिंह, संजय कुमार, नीलम कुमारी, दीपक कुमार, अंकिता, विकास कुमार सहित महाविद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी उपस्थित थे।

रक्सौल में एसआरपी मेमोरियल हॉस्पिटल में अत्याधुनिक ब्लड बैंक की शुरुआत

नई सोच एक्सप्रेस

मोतीहारी।रक्सौल लक्ष्मीपुर स्थित एसआरपी मेमोरियल हॉस्पिटल में एक कार्यक्रम के बीच अत्याधुनिक ब्लड बैंक की शुरुआत की गई. ब्लड बैंक का उद्घाटन मुख्य अतिथि भाजपा सांसद डॉ. संजय जायसवाल, बिशिष्ट अतिथि सुगौली विधायक राजेश कुमार उर्फ बबलू गुप्ता, नरकटिया विधायक विशाल साह, जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी पूर्वी चंपारण डॉ. शरतचंद्र शर्मा, सशस्त्र सीमा बल के अधिकारियों - तथा अस्पताल के चेयरमैन राजीव कुमार गुप्ता और निदेशक डॉ. सुजीत कुमार ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया. उद्घाटन के बाद सशस्त्र सीमा बल के दो जवानों ने रक्तदान कर ब्लड बैंक के यूनिट की शुरुआत की. ब्लड बैंक की स्थापना को रक्सौल सहित पूरे अनुमंडल क्षेत्र के लोगों के लिए महत्वपूर्ण - उपलब्धि माना जा रहा है. अब तक - रक्सौल में जरूरत पड़ने पर लोगों को रक्त के लिए नेपाल रेडक्रॉस अथवा मोतिहारी रेडक्रॉस पर निर्भर रहना पड़ता था. स्थानीय स्तर पर ब्लड बैंक शुरू होने से आपात स्थिति में लोगों को काफी सुविधा मिलेगी और समय की भी बचत होगी. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद डॉ. संजय जायसवाल ने - अस्पताल प्रबंधन को ब्लड बैंक शुरू करने के लिए बधाई दी. उन्होंने कहा कि यह समाजसेवा की दिशा में बड़ा कदम हैऔर इससे आम लोगों को काफी लाभमिलेगा. उन्होंने लोगों से ब्लड बैंक के सुचारु संचालन के लिए समय-समय पर स्वेच्छा से रक्तदान करने की अपील की. सांसद ने एसआरपी मेमोरियल अस्पताल के निदेशक डॉ. सुजीत कुमार की भी सराहना की. उन्होंने कहा कि अस्पताल में आयुष्मान भारत योजना का लाभ लोगों को मिल रहा है। रक्सौल में एक बेहतरीन अस्पताल का संचालन डॉ. सुजीत के द्वारा किया जा रहा है।, विधायक विशाल साह और राजेश कुमार ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया. इस अवसर पर सभी अतिथियों को अस्पताल प्रबंधन की ओर से पुष्प गुच्छ व अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया. अस्पताल प्रबंधन द्वारा बताया गया कि फिलहाल 200 से अधिक यूनिट रक्त स्टोर करने की क्षमता है।जिसे भविष्य में विस्तारित किया जाएगा। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन डॉ सुजीत कुमार व संचालन ऐश्वर्या कुमारीं ने की । इस मौके पर प्रमुख उधोगपति संजय गुप्ता, पंकज कुमार पाण्डेय उर्फ लोहा पाण्डेय, मनोज सिंह, गणेश धनोटिया , शंभू चौरसिया, पंकज वर्णवाल, डॉ. एस के सिंह, विमल सर्राफ, स्वंयभू शलभ, रवि गुप्ता, दीपू श्रीवास्तव, , प्रेम कुमार, अजय पटेल, रिंकू पाण्डेय, लालबाबू सिंह, चिकित्सक डॉ. नारायण कुमार, डॉ. प्रीतम कुमार, डॉ. इजहार, डॉ. ओबैदुल्लाह, डॉ. संजय कुमार मिश्रा, सहित ब्लड बैंक के टेकनीशियन अभिमन्यू कुमार, रंजीत कुमार, एसआरपी अस्पताल के आशीष कुमार, मो. अली, मो. नबी, अरविंद कुमार सिंह, केशव कुमार सहित अन्य लोग मौजूद थे।

पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय में चयन पर डॉ.सुरभि को दी गई विदाई एवं सम्मान

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। स्थानीय एस.एन. सिन्हा कॉलेज के समाजशास्त्र विभाग में कार्यरत अतिथि सहायक प्राध्यापिका डॉ.सुरभि के पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय में चयनित होने के उपलक्ष्य में विभाग की ओर से विदाई-सह-सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ.सुरभि द्वारा महाविद्यालय में किये गये उत्कृष्ट कार्य एवं सक्रिय सहभागिता के लिए समाजशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. हर्षवर्धन एवं अन्य शिक्षकों द्वारा उन्हें स्मृति चिन्ह, बुके एवं अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह में उपस्थित शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने डॉ.सुरभि द्वारा किए गए विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों के साथ-साथ प्रशासनिक उत्तरदायित्वों के निर्वहन की पूरी -पूरी प्रशंसा की। सभी ने उनके कार्यों की सराहना करते हुए पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय में उनके उज्ज्वल भविष्य एवं सफल शैक्षणिक जीवन की कामना की। इस अवसर पर डॉ.अख्तर रोमानी, डॉ. सुबोध कुमार झा, डॉ.शशिधर गुप्ता, डॉ.ओमप्रकाश वर्मा, डॉ.सुनील कुमार, डॉ.मोहम्मद इंतखाब आलम, कुमकुम कुमारी, डॉ.कविंद्र भगत, डॉ. नेहा कुमारी, डॉ.यास्मीन बानो, डॉ.शोभा रानी, डॉ. सुमन कुमारी, डॉ.निमिषा किरण, डॉ.सियाशरण, डॉ.रूपम कुमारी, डॉ.के.के.झा, डॉ.स्वाति, डॉ. रानी सहित अन्य शिक्षकेत्तर कर्मी उपस्थित थे।

कटाव प्रभावित स्थल का डीएम ने किया निरीक्षण, 2000 बोरे सुरक्षित रखने का निर्देश

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा।सारण के जिला पदाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने इसुआपुर प्रखंड की घटरा पुरसौली पंचायत स्थित कटाव प्रभावित स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने कटाव की स्थिति, संभावित जोखिम तथा अब तक किए गए निरोधात्मक कार्यों की जानकारी अधिकारियों से ली। इस दौरान उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याएं भी सुनीं। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में गेहुआ नदी की धारा प्रवाहित होती है। अतिरिक्त जल निकासी के लिए ह्यूम पाइप की व्यवस्था की गई है। स्थिति का जायजा लेने के बाद डीएम ने संबंधित अधिकारियों को प्रभावित स्ट्रेच का पक्कीकरण कराने का निर्देश दिया। साथ ही नहर किनारे उगे पेड़-पौधों, झाड़ियों और झंखाड़ों की साफ-सफाई कराने को कहा, ताकि जल प्रवाह बाधित न हो और कटाव का खतरा कम किया जा सके। संभावित आपदा से निपटने के लिए डीएम ने कटाव स्थल के समीप 2000 बोरे सुरक्षित भंडारित रखने का निर्देश दिया, ताकि जरूरत पड़ने पर तत्काल इस्तेमाल किया जा सके। उन्होंने बांध के संवेदनशील हिस्सों के किनारों पर सीमेंट-कंक्रीट कार्य कराने के लिए भी आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया। डीएम ने अधिकारियों को कटाव निरोधी कार्यों की लगातार निगरानी करने और संवेदनशील स्थलों पर विशेष सतर्कता बरतने को कहा। उन्होंने कहा कि संभावित कटाव से जन-धन की सुरक्षा जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें और आवश्यक संसाधन व उपकरण तैयार रखें। निरीक्षण के दौरान मढ़ौरा के अनुमंडल पदाधिकारी, इसुआपुर के प्रखंड विकास पदाधिकारी तथा कार्यपालक अभियंता मौजूद रहे।

अगस्त क्रांति पर प्रभात फेरी निकाली गई

नई सोच एक्सप्रेस

वैशाली।अगस्त क्रांति के अवसर पर भारत छोड़ो आंदोलन दिवस के ऐतिहासिक मौके पर बिहार के 11 अगस्त के उन छात्रों की पटना सचिवालय पर तिरंगा फहराने के क्रम में शहीद होने के याद में प्रभात फेरी निकाली गई। जो बिदुपुर स्टेशन से होते हुए बरुआ मठ तक पहुंची। प्रभात फेरी उपरांत बरुआ मठ परिसर में सभा का आयोजन किया गया।जिसकी अध्यक्षता अधिवक्ता सुरेश प्रसाद सिंह ने किया और संचालन समाजसेवी अशोक कुमार ने किया। अध्यक्षीय भाषण में दिल्ली और पटना के छात्रों पर गोली चलाने की करी निंदा की गई. सभा में विभिन्न वक्ताओं ने भाग लिया तथा अपने-अपने विचार व्यक्त किया तथा कहा कि शांतिपूर्ण अपने अधिकार की लड़ाई लड़ रहे छात्र-छात्राओं पर पुलिस द्वारा बर्बरतापूर्ण लाठी चार्ज कि हम सभी निंदा करते हैं. तथा छात्रों के भविष्य के प्रति चिंतित हैं। विभिन्न परीक्षाओं में पेपर लीक होने से छात्र-छात्राओं का भविष्य बर्बाद हो रहा है. जिस पर राज्य एवं केंद्र सरकार से इसमें सुधार की मांग की गई. भारत छोड़ो आंदोलन 9 अगस्त के ऐतिहासिक मौके पर अपील की गई कि भारतीय जनता के संवैधानिक अधिकारों का विभिन्न क्षेत्रों में संघर्ष करने वाले प्रगतिशील संगठन समूह एवं व्यक्ति शिक्षा के निजीकरण, व्यवसायकरण और ग्लोबी करण को समाप्त करने का बीड़ा उठाएं. युवा सोशलिस्ट पहल का मानना है कि भारत के राष्ट्रीय जीवन पर कसे नव साम्राज्यवादी शिकंजो को नष्ट करने के लिए सबसे पहले शिक्षा को गुलामी की जंजीर से मुक्त करने की जरूरत है

हर खबर पर पैनी नज़र
नई सोच एक्सप्रेस
(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

संक्षिप्त समाचार

वर्षों से लंबित संपर्क पथ बनाने का हाईकोर्ट ने दिया आदेश

» महादलित बस्ती को मुख्य सड़क से जोड़ने वाले रास्ते का मामला, आठ सप्ताह में कार्रवाई का निर्देश

शिवहर। तरियानी प्रखंड के विशंभरपुर पंचायत स्थित वार्ड संख्या-7 की महादलित बस्ती को मुख्य सड़क से जोड़ने वाले संपर्क पथ का मामला अब पटना हाईकोर्ट पहुंच गया है। ग्रामीणों की याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने शिवहर के जिलाधिकारी को आठ सप्ताह के भीतर संपर्क पथ निर्माण की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। ग्रामीणों के अनुसार आजादी के 78 वर्ष बाद भी महादलित बस्ती के लोगों को मुख्य सड़क तक पहुंचने के लिए समुचित रास्ता उपलब्ध नहीं है। ग्रामीणों का कहना है कि मुख्यमंत्री स्तर से दो बार मामले में निर्देश दिए जाने के बाद जिला प्रशासन के कई अधिकारियों ने स्थल का निरीक्षण भी किया, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका। बताया गया कि जिलाधिकारी, अपर समाहर्ता, उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी, ग्रामीण पथ विभाग के पदाधिकारी समेत तरियानी के प्रखंड एवं अंचल अधिकारियों ने स्थल का जायजा लिया था। पंचायत प्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों की मौजूदगी में भी समस्या पर चर्चा हुई, लेकिन संपर्क पथ निर्माण की दिशा में अपेक्षित कार्रवाई नहीं हो सकी। लगातार प्रशासनिक स्तर पर समाधान नहीं मिलने के बाद महादलित बस्ती के लोगों ने न्यायपालिका का दरवाजा खटखटाया। पटना हाईकोर्ट में दायर याचिका की सुनवाई के दौरान न्यायालय ने शिवहर जिलाधिकारी को आठ सप्ताह के भीतर संपर्क पथ निर्माण के संबंध में कार्रवाई करने का निर्देश दिया। हाईकोर्ट के आदेश के बाद ग्रामीणों में वर्षों पुरानी समस्या के समाधान की उम्मीद जगी है।

प्रस्तावित विश्वविद्यालय कानून पर शिक्षकों का फूटा गुस्सा, जीबीएम कॉलेज में जोरदार प्रदर्शन

गयाजी। प्रस्तावित बिहार विश्वविद्यालय कानून 2026 के खिलाफ गौतम बुद्ध महिला कॉलेज (जीबीएम), गया के शिक्षक संघ ने मोर्चा खोल दिया। गया कॉलेज के शिक्षक संघ के सहयोग से कॉलेज परिसर में शिक्षकों ने शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर प्रस्तावित कानून के प्रावधानों पर कड़ा विरोध जताया। शिक्षकों ने आशंका जताई कि नए कानून से बिहार के विश्वविद्यालयों और अंगीभूत कॉलेजों की स्वायत्तता, प्रशासनिक व्यवस्था और शैक्षणिक कार्यप्रणाली प्रभावित हो सकती है।प्रदर्शन का नेतृत्व जीबीएम कॉलेज शिक्षक संघ की सचिव डॉ. नगमा शादाब, अध्यक्ष डॉ. अनामिका कुमारी, संयुक्त सचिव डॉ. अमृता कुमारी घोष और कोषाध्यक्ष डॉ. रुखसाना परवीन ने किया। बड़ी संख्या में संकाय सदस्यों ने शामिल होकर प्रस्तावित कानून के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की।शिक्षकों ने बिहार सरकार से मांग किया कि कानून के प्रस्तावित प्रावधानों को लागू करने से पहले शिक्षकों, शैक्षणिक निकायों और सभी संबंधित हितधारकों से व्यापक और सार्थक विमर्श किया जाए। उनका कहना था कि उच्च शिक्षा व्यवस्था से जुड़े किसी भी बड़े फैसले में विश्वविद्यालयों की स्वायत्तता और शिक्षकों-छात्रों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता मिलनी चाहिए।प्रदर्शन में गया कॉलेज शिक्षक संघ की ओर से डॉ. विभा सिंह, डॉ. सोनू अन्नपूर्णा, डॉ. आनंद कुमार, डॉ. अर्चना कुमारी, डॉ. रुनू रवि, डॉ. श्रुति प्रिया, डॉ. मिनहाज आलम और डॉ. आशा कुमारी समेत जीबीएम कॉलेज शिक्षक संघ के पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे। वही जीबीएम कॉलेज की पीआरओ डॉ. रश्मि प्रियदर्शिनी ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रदर्शन का उद्देश्य टकराव नहीं, बल्कि उच्च शिक्षा के भविष्य को लेकर रचनात्मक संवाद और जरूरी संशोधनों की मांग को सरकार तक पहुंचाना है

बोधगया में मरीजों की जिंदगी से हो रहा है खिलवाड़, बिना डिग्री-लाइसेंस के चल रहा इलाज

गया जी। बोधगया प्रखंड क्षेत्र के गाफा गांव मोड़ के पास संचालित एक कथित क्लिनिक को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यहां बिना मान्य मेडिकल डिग्री और जरूरी लाइसेंस के मरीजों का इलाज किया जा रहा है। इतना ही नहीं, क्लिनिक में मरीजों के ऑपरेशन किए जाने का भी दावा किया जा रहा है।स्थानीय स्तर पर मिली जानकारी के मुताबिक, उक्त क्लिनिक का संचालन उमेश कुमार द्वारा किए जाने की बात सामने आ रही है। आरोप है कि यहां सामान्य इलाज के अलावा गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से जुड़े मामलों को भी देखा जाता है और ऑपरेशन जैसी प्रक्रियाएं भी कराई जाती हैं।मामले में सबसे अहम सवाल क्लिनिक की वैधता और वहां इलाज करने वाले व्यक्ति की योग्यता को लेकर है। यदि क्लिनिक के पास आवश्यक पंजीकरण और लाइसेंस नहीं है तथा इलाज करने वाला व्यक्ति योग्य चिकित्सक नहीं है, तो मरीजों का इलाज और ऑपरेशन किस आधार पर किया जा रहा है? ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर ऐसे किसी भी केंद्र का संचालन मरीजों की सुरक्षा के लिहाज से गंभीर विषय है।मामला सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीण इलाकों में बिना पर्याप्त चिकित्सकीय योग्यता या वैधानिक अनुमति के इलाज किए जाने की शिकायतों पर समय रहते कार्रवाई नहीं होने से मरीजों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ती है। अब स्वास्थ्य विभाग और स्थानीय प्रशासन की कार्रवाई पर नजर है। क्लिनिक के पंजीकरण, लाइसेंस, संचालक की शैक्षणिक एवं चिकित्सकीय योग्यता, वहां उपलब्ध संसाधनों और कथित ऑपरेशन की वैधता की जांच जरूरी है। जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि ग्रामीणों द्वारा लगाए जा रहे आरोप सही हैं या नहीं।

पिकअप पर लदी पांच गाय बरामद, चालक अंधेरे का फायदा उठाकर फरार

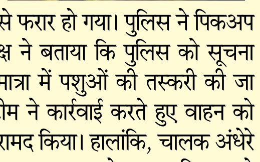

मोतीहारी।गुप्त सूचना के आधार पर सुगौली थाना पुलिस ने छपरा बहास के समीप छापेमारी कर एक पिकअप वाहन से पांच गायों को बरामद किया। पुलिस की कार्रवाई के दौरान वाहन चालक अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने पिकअप वाहन को जब्त कर लिया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि पिकअप वाहन से भारी मात्रा में पशुओं की तस्करी की जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए वाहन को पकड़ा और उसमें लदी पांच गायों को बरामद किया। हालांकि, चालक अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहा। थानाध्यक्ष ने बताया कि मामले में वाहन मालिक, चालक एवं अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। फरार चालक की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

विश्व आदिवासी दिवस पर जहानाबाद में लोहार समाज ने मनाया उत्सव, बिरसा मुंडा को किया नमन

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर जहानाबाद में लोहार आदिवासी संघ की ओर से विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शहर के एक निजी रेस्ट हाउस में आयोजित कार्यक्रम में लोहार समाज के बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। इस दौरान लोगों ने पारंपरिक आदिवासी वेशभूषा और पहनावे में शामिल होकर अपनी संस्कृति और परंपरा की झलक प्रस्तुत की। कार्यक्रम के दौरान भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धापूर्वक याद किया गया। समाज के लोगों ने बिरसा मुंडा के सम्मान में नारे लगाए और उनके संघर्ष एवं बलिदान को स्मरण किया। वक्ताओं ने कहा कि बिरसा मुंडा आदिवासी समाज के लिए भगवान के समान हैं। उन्होंने आदिवासी समाज को संगठित करने और उनके अधिकारों के लिए संघर्ष करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लोहार आदिवासी संघ के जिला अध्यक्ष धनंजय कुमार ने बताया कि उनके संगठन की ओर से वर्ष 2016 से लगातार विश्व आदिवासी दिवस मनाया जा रहा है। इस दिन समाज के लोग एकजुट होकर अपनी परंपरा, संस्कृति और पूर्वजों के संघर्ष को याद करते हैं। उन्होंने कहा कि लोहार समाज कई क्षेत्रों में पीछे है और सरकार से उनकी मांग है कि समाज के लोगों को समान अवसर और अधिकार मिले ताकि वे भी अन्य वर्गों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ सकें। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज के लोगों ने देश के लिए संघर्ष और बलिदान दिया है। ऐसे में उनके अधिकारों और विकास पर सरकार को विशेष ध्यान देना चाहिए। वहीं, लोहार आदिवासी संघ के जिला सचिव महेश विश्वकर्मा ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस समाज के लिए खुशी और गौरव का दिन है। उन्होंने कहा कि लोहार समाज की पहचान और वर्गीकरण को लेकर समाज के लोगों में लंबे समय से चिंता है। उन्होंने सरकार से मांग की कि लोहार समाज को उसके मूल अधिकारों के अनुरूप उचित वर्गीय पहचान और एसटी का अधिकार दिया जाए। उन्होंने कहा कि समाज को अलग-अलग नाम और श्रेणियों में बांटने के बजाय उनकी सामाजिक पहचान और अधिकारों को स्पष्ट किया जाना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान समाज के लोगों ने पारंपरिक वेशभूषा धारण कर अपनी संस्कृति को जीवंत किया। आयोजन में "जय जोहार, जय लोहाट, जय आदिवासी" जैसे नारों से माहौल गूंज उठा। कार्यक्रम के माध्यम से समाज के लोगों ने अपनी एकजुटता, संस्कृति और अधिकारों के प्रति जागरूकता का संदेश दिया।

राजा बाजार में जलजमाव के स्थायी समाधान की कवायद तेज

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। राजा बाजार अंडरपास में जलजमाव की समस्या के स्थायी समाधान को लेकर प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी है। जिलाधिकारी के निर्देश पर अनुमंडल पदाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति की अनुशंसा के आधार पर संबंधित विभागों द्वारा कार्य तेजी से कराया जा रहा है। स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज परियोजना के निर्माण से आम लोगों को हो रही परेशानी को कम करने के लिए अनुमंडल पदाधिकारी द्वारा कार्यों की लगातार निगरानी की जा रही है। समिति की अनुशंसा के अनुरूप राजा बाजार अंडरपास स्थित एनएच-110 की एक लेन का कार्य पूरा कर उसे आम लोगों के आवागमन के लिए खोल दिया गया है। वहीं, दूसरी लेन में भी कार्य शुरू कर दिया गया है। कार्य को शीघ्र पूरा करने के लिए क्विक सेटिंग सीमेंट का उपयोग किया जा रहा है। कार्यपालक अभियंता, एनएच-110 को एक सप्ताह के भीतर शेष कार्य पूरा कर संबंधित लेन को हैंडओवर करने का निर्देश दिया गया है। स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज परियोजना की समीक्षा के दौरान बुडको को क्षेत्र में ड्रेनेज सिस्टम से अब तक नहीं जुड़े सभी नालों को तत्काल चिह्नित कर मुख्य स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज सिस्टम से जोड़ने का निर्देश दिया गया है। इसके साथ ही अनुमंडल पदाधिकारी को ड्रेनेज सिस्टम के गुणवत्तापूर्ण निर्माण और कार्यों की सतत निगरानी एवं अनुश्रवण करने को कहा गया है।प्रशासन का लक्ष्य स्टॉर्म वाटर ड्रेनेज सिस्टम के कार्य को जल्द पूरा कर जहानाबाद शहरी क्षेत्र में जलजमाव की समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित करना है।

सारण पुलिस ने डकैती और पोक्सो एक्ट में फरार तीन आरोपितों को किया गिरफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस

सारण। पुलिस की ओर से अपराधियों और फरार आरोपितों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस को सफलता मिली है। गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए गरखा और नगरा थाना पुलिस ने अलग-अलग मामलों में फरार तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है। पहली कार्रवाई में गरखा थाना पुलिस ने डकैती के एक मामले में छापामारी कर दो फरार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के मेथवलिया गांव निवासी गजेंद्र साह के पुत्र मंटू कुमार और तरैया थाना क्षेत्र के गलियापुर गांव निवासी भुवनेश्वर साह के पुत्र सुरज कुमार के रूप में हुई। दूसरी कार्रवाई नगरा थाना पुलिस द्वारा की गई, जिसमें पोक्सो एक्ट और एससी/ एसटी एक्ट के मामले में नामजद आरोपित को गिरफ्तार किया गया। पकड़ा गया आरोपित अमनौर थाना क्षेत्र के पकड़ी गांव निवासी अनिल राम का पुत्र सूरज कुमार है। दोनों थाना प्रभारियों और पुलिस टीमों द्वारा की गई इस कार्रवाई के बाद गिरफ्तार आरोपितों के खिलाफ आगे की कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

गलगलिया चेकपोस्ट पर डीएम-एसपी का औचक निरीक्षण, सीमा सुरक्षा को लेकर सख्ती

नई सोच एक्सप्रेस

किशनगंज। जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और अवैध गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाने को लेकर जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन ने संयुक्त रूप से पहल तेज कर दी है। जिलाधिकारी नवीन कुमार एवं पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार ने भ्रमण कार्यक्रम के दौरान गलगलिया चेकपोस्ट का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने सीमा क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था, आवागमन नियंत्रण और आमजनों की सुरक्षा से जुड़े विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान डीएम और एसपी ने अधिकारियों को नो मेन्स लैंड को अतिक्रमण मुक्त बनाए रखने के लिए लगातार अभियान चलाने का निर्देश दिया। सीमा क्षेत्र में किसी भी प्रकार की संदिग्ध अथवा अवैध गतिविधि पर प्रभावी निगरानी रखने तथा अवैध आवाजाही पर रोक लगाने के लिए सीमा सुरक्षा बल (एसएसबी) के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया गया। अधिकारियों ने मानव तस्करी, शराब एवं अन्य नशीले पदार्थों की तस्करी की रोकथाम के लिए विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। सीमा क्षेत्र में आने-जाने वाले लोगों और वाहनों की निगरानी को प्रभावी बनाने तथा आम लोगों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही गई। डीएम ने कहा कि सीमा क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के साथ-साथ सीमांत गांवों के विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सीमावर्ती गांवों के युवाओं के कौशल विकास, रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे। इसके अलावा सड़क, पुल-पुलिया समेत बुनियादी सुविधाओं के विकास और ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जाएगा। इस अवसर पर जिला प्रशासन की ओर से सीमांत क्षेत्र के समग्र विकास के लिए मिशन शक्ति (सीमांत से समृद्धि तक) की रूपरेखा साझा की गई। डीएम ने कहा कि मिशन के माध्यम से सीमांत गांवों में सुरक्षा, विकास, आत्मनिर्भरता और आधारभूत संरचना को मजबूत किया जाएगा। प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन ने सीमा क्षेत्र में सुरक्षा और विकास को समान प्राथमिकता देते हुए जनहित में आवश्यक कदम उठाने का संकल्प दोहराया।

कटिहार सदर अस्पताल में मानसिक स्वास्थ्य और विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

नई सोच एक्सप्रेस

कटिहार। बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार पटना के निर्देशानुसार और जिला विधिक सेवा प्राधिकार कटिहार के सचिव के आदेशानुसार रविवार को सदर अस्पताल के सभागार में एक दिवसीय विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य मानसिक रूप से अस्वस्थ और बौद्धिक अक्षमता वाले व्यक्तियों के कानूनी अधिकारों के प्रति लोगों को जागरूक करना था। शिविर के दौरान नालसा की मानसिक रोग और बौद्धिक अक्षमता वाले व्यक्तियों को विधिक सेवाएं योजना, 2024 तथा स्थाई लोक अदालत के कार्यों और उससे मिलने वाले लाभों के बारे में विस्तार से बताया गया। प्रतिनियुक्त पैनल अधिवक्ता धनंजय कुमार झा ने मानसिक रूप से दिव्यांग और विकलांग व्यक्तियों के संरक्षण, विकास तथा मेंटेनेंस से जुड़े अधिनियमों के महत्व को विस्तार से समझाया और उनके हितों के प्रति लोगों को जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान सदर अस्पताल के डीएस शंभू चौधरी ने इस प्रकार के कल्याणकारी कार्यक्रमों का लाभ अंतिम व्यक्ति और पंचायत तक पहुंचाने की बात कही। इसके साथ ही, पारा विधिक स्वयंसेवक (अधिकार मित्र) पवन कुमार ने जिला विधिक सेवा प्राधिकार कटिहार से मिलने वाली मुफ्त कानूनी सलाह, मुफ्त वकील की सुविधा, पीड़ित प्रतिकर योजना और आगामी 12 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की विस्तृत जानकारी दी और इसके लाभ बताए। इस आयोजन में डीसीएम डॉ. किशले कुमार, डॉ. अश्विनी कुमार, फिजिशियन डॉ. एके देव, डॉ. सुलोचना कुमारी, डॉ. सुशांत कुमार, डॉ. एसपी बिनकर, क्लिनिकल फिजियोलॉजिस्ट डॉ. प्रणभ कुमार, लिपिक साकेत कुमार और कोसी क्षेत्रीय विकलांग विधवा वृद्ध जन कल्याण समिति कटिहार के सचिव शिव शंकर रमानी सहित कई नर्सिंग स्टाफ एवं स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे। इस संपूर्ण शिविर के सफल संचालन में पारा विधिक स्वयंसेवक पवन कुमार की भूमिका अत्यंत अहम और सराहनीय रही।

बिहार पुलिस एसोसिएशन का चुनाव संपन्न, सभी पदों पर निर्विरोध चुने गए पदाधिकारी

नई सोच एक्सप्रेस

बगहा।बगहा पुलिस जिला मुख्यालय में शनिवार की देर शाम बिहार पुलिस एसोसिएशन का चुनाव शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। चुनाव में संगठन के सभी पदों पर पदाधिकारियों का निर्विरोध निर्वाचन किया गया। चुनाव प्रक्रिया मोतिहारी से पहुंचे संघ के अध्यक्ष अमित कुमार और सचिव पंकज कुमार सिंह की देखरेख में पूरी हुई।चुनाव में नदी थाना में पदस्थापित रहे एसआइ राजकुमार सिंह को सभापति पद के लिए निर्विरोध चुना गया। उनका स्थानांतरण पहले ही नदी थाना से बगहा नगर थाना किया जा चुका है। एसआइ इम्तियाजुल हक खां को उपसभापति, एएसआइ राजेश बैठा को सचिव, एएसआइ विनोद यादव को संयुक्त मंत्री तथा राजेश कुमार को कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई। सभी पदों के लिए आपसी सहमति बनने के कारण किसी अन्य प्रत्याशी ने नामांकन नहीं किया। इसके बाद चुनाव अधिकारियों ने सभी पदाधिकारियों के निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा की। इस दौरान पुलिस पदाधिकारी और कर्मी उपस्थित रहे। निर्वाचन प्रक्रिया पूरी होने के बाद पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने उम्मीद जताई कि नई कार्यकारिणी पुलिसकर्मियों की समस्याओं के समाधान और उनके हितों के लिए प्रभावी पहल करेगी। साथ ही संगठन को मजबूत बनाने तथा पुलिसकर्मियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया जाएगा। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने संगठन की जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करने और पुलिसकर्मियों के हित में कार्य करने का भरोसा दिलाया। शांतिपूर्ण तरीके से चुनाव संपन्न होने पर पुलिसकर्मियों ने संतोष व्यक्त किया।

विशेष अभियान में बगहा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 15 आरोपित गिरफ्तार

» 48 वारंट और चार कुर्की का हुआ निष्पादन, वाहन जांच में 390 वाहनों पर कार्रवाई, 95 हजार रुपये जुर्माना

नई सोच एक्सप्रेस

बगहा। अपराध नियंत्रण और फरार आरोपितों की गिरफ्तारी को लेकर पुलिस जिला बगहा में चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान पुलिस ने विभिन्न थाना क्षेत्रों में व्यापक कार्रवाई की। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार के निर्देश पर चलाए गए अभियान में वारंट के मामलों में कई आरोपितों की गिरफ्तारी की गई। अभियान के दौरान कुल 15 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। इनमें अधिकांश को न्यायालय भेजा गया, जबकि कुछ आरोपितों को रिकॉल प्रस्तुत किए जाने के बाद मुक्त कर दिया गया। नौरंगिया थाना की पुलिस ने वारंट के मामले में इमारावती देवी, पति बालचंद्र उरांव को गिरफ्तार किया। उसे न्यायालय भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। सेमरा थाना की पुलिस ने जयनारायण सहनी, दहाई सहनी उर्फ गुदरी सहनी और वीपिन सहनी को गिरफ्तार किया। बाद में रिकॉल प्रस्तुत किए जाने पर तीनों को मुक्त कर दिया गया। चिउटहां थाना की पुलिस ने रामबली सहनी को वारंट के मामले में गिरफ्तार किया। वहीं रामनगर थाना की पुलिस ने बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत प्रेम कुमार उर्फ विकास कुमार को गिरफ्तार किया। वारंट के मामले में इरसाद उर्फ सकील कुरैशी और सैफ अली उर्फ टुन्ना कुरैशी को भी पकड़ा गया। तीनों को न्यायालय भेजने की कार्रवाई की जा रही है। ठकराहा थाना की पुलिस ने किशोर मुसहर और मतवर राय को गिरफ्तार किया। भितहां थाना की पुलिस ने रामाज्ञा कुशवाहा तथा पटखौली थाना की पुलिस ने ध्रुव चौधरी को वारंट के मामले में गिरफ्तार किया। धनहां थाना की पुलिस ने संतोष यादव, लालबाबू यादव और चंद्रदेव यादव को गिरफ्तार किया। सभी के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए न्यायालय भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। **48 वारंट और चार कुर्की का निष्पादनः** विशेष अभियान के दौरान पुलिस ने विभिन्न मामलों में 48 वारंट का निष्पादन किया। इसके अलावा चार कुर्की की कार्रवाई भी पूरी की गई। पुलिस की लगातार कार्रवाई से फरार आरोपितों और वारंटियों में हड़कंप मचा हुआ है। **390 वाहनों की जांच, 95 हजार रुपये जुर्मानाः** अपराध नियंत्रण के साथ यातायात नियमों के अनुपालन को लेकर भी पुलिस ने वाहन जांच अभियान चलाया। इस दौरान 390 वाहनों की जांच की गई। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए करीब 95 हजार रुपये जुर्माना वसूला गया।पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने बताया कि अपराध नियंत्रण, फरार आरोपितों की गिरफ्तारी, वारंट व कुर्की के निष्पादन के साथ यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था को प्रभावित करने वाले तत्वों और फरार आरोपितों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

नवादा में कार से अंग्रेजी शराब बरामद, तस्कर गिरफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस

नवादा।बिहार-झारखंड सीमा पर स्थित चित्रकोली उत्पाद जांच चौकी पर उत्पाद विभाग की टीम ने रविवार को वाहन जांच के दौरान बड़ी कार्रवाई करते हुए एक लग्जरी कार से 124.20 लीटर विदेशी शराब बरामद की है। शराब तस्करी के लिए कार में बनाए गए गुप्त तहखानों का खुलासा होने के बाद जांच टीम भी हैरान रह गई। मामले में एक तस्कर को गिरफ्तार कर कार को जब्त कर लिया गया है। उत्पाद विभाग की टीम झारखंड की ओर से बिहार में प्रवेश करने वाले वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान कार संख्या डब्लू बी38यू5009 को संदेह के आधार पर रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान कार के विभिन्न हिस्सों में विशेष तरीके से बनाए गए कई गुप्त तहखाने मिले। इन्हीं तहखानों में शराब की बोतलों को छिपाकर बिहार लाया जा रहा था। टीम ने सभी तहखानों से शराब बरामद कर वाहन को जब्त कर लिया। चित्रकोली उत्पाद चेकपोस्ट प्रभारी अमृत गुप्ता ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान नालंदा जिले के सोहसराय थाना क्षेत्र अंतर्गत मोगलकुआं गांव निवासी स्वर्गीय ललन पासवान के 34 वर्षीय पुत्र राहुल पासवान के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसे यह कार झारखंड के बरकट्ठा में 'चांद' नामक व्यक्ति ने दी थी और कार को बिहार तक पहुंचाने को कहा गया था। आरोपी ने पूछताछ के दौरान चांद का मोबाइल नंबर भी जांच टीम को उपलब्ध कराया है। अब उक्त मोबाइल नंबर के आधार पर शराब तस्करी के नेटवर्क की जांच की जा रही है। कार को जब्त कर आरोपी के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है।

हर खबर पर पैनी नजर
नई सोच एक्सप्रेस
(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

'अति-समृद्ध लोगों की संख्या में उछाल

ताजा आय कर आंकड़ों से सामने आया है कि 'अति-समृद्धÓ लोगों की संख्या में भारी उछाल आया है। स्पष्टतः यह देश में कुछ ही हाथों में तेजी से धन केंद्रित होते जाने का ठोस प्रमाण है।

इनकम टैक्स रिटर्न के ताजा आंकड़ों ने भारत में बढ़ती गैर-बराबरी की फिर पुष्टि की है। बेशक, रिटर्न फाइल करने वालों की संख्या बढ़ी है और प्रत्यक्ष कर की उगाही बढ़ी है, लेकिन इन आंकड़ों ने बढ़ती विषमता और कर प्रणाली की ढांचागत कमजोरियों पर भी रोशनी डाली है। फिर सामने आया है कि फाइल होने वाले अधिकांश रिटर्न में शून्य कर देनदारी होती है। उसके बाद न्यूनतम इनकम स्लैब में आने वाले व्यक्तियों का स्थान होता है। जबकि वास्तविक करदाताओं की संख्या यथावत (लगभग ढाई करोड़) बनी हुई है। ताजा आंकड़ों से यह जरूर सामने आया कि 100 करोड़ रुपये से अधिक की वार्षिक आय घोषित करने वाले 'अति-समृद्धÓ लोगों की संख्या में भारी उछाल आया है। स्पष्टतः यह प्रमाण है कि देश में धन तेजी से कुछ ही हाथों में केंद्रित होता जा रहा है। आयकर आंकड़ों से उभरा सबसे चिंताजनक पक्ष यह है कि प्रत्यक्ष करों का सबसे बड़ा हिस्सा वेतनभोगी वर्ग से आता है। यह प्रमाण है कि आयकर से संबंधित व्यवस्थागत समस्याएं अभी भी कायम हैं। आमदनी के स्रोत पर ही टैक्स काट लिए जाने की प्रणाली के कारण वेतनभोगी कर्मचारी अपनी आय छिपा नहीं सकते। इसके विपरीत यह आम धारणा है कि कई गैर-वेतनभोगी पेशेवरकर्मी (डॉक्टर, वकील आदि) असल आय की जानकारी नहीं देते और वास्तविक देनदारी से कम टैक्स चुकाते हैं। एक और आंकड़ा गौरतलब हैः वित्त वर्ष 2025-26 में व्यक्तिगत आय कर के रूप में 12.41 लाख करोड़ रुपये की वसूली हुई, जबकि कॉरपोरेट टैक्स का योगदान 10.99 लाख करोड़ रुपये ही रहा। 2021-22 में व्यक्तिगत आय कर के जरिए हुई उगाही कॉरपोरेट टैक्स से हुई वसूली को पार कर गई थी। तब से ये ट्रेंड बढ़ता ही चला गया है। नतीजतन, उपभोक्ता बाजार में अपेक्षित विस्तार ना होने के बावजूद कॉरपोरेट मुनाफा तेजी से बढ़ा है। यह 2019 में अपनाई गई नीति का परिणाम है, जब केंद्र ने कॉरपोरेट टैक्स की दरों में भारी कटौती कर दी थी। इस तरह सरकार ने अपनी आमदनी घटाई, जिसकी भरपाई वह ऐसे उपायों से करती आई है, जिसका आनुपातिक रूप से अधिक बोझ आम जनता पर पड़ता है।

मक्का समझौता : 'इस्लामिक नाटो' से आगे बदलती पश्चिम एशियाई सुरक्षा व्यवस्था

आरती कुमारी

सऊदी अरब, तुर्किए और पाकिस्तान के बीच मक्का में हुआ संयुक्त रक्षा समझौता पश्चिम एशिया की बदलती सामरिक तस्वीर का महत्वपूर्ण संकेत है। यह केवल तीन देशों के बीच सैन्य सहयोग का दस्तावेज नहीं, बल्कि उस क्षेत्र में उभरते नए सुरक्षा समीकरण की घोषणा है, जहां पिछले कुछ वर्षों में पारंपरिक शक्ति-संतुलन तेजी से बदल रहा है। समझौते की सबसे महत्वपूर्ण शर्त यह है कि तीनों में से किसी एक देश पर सशस्त्र हमला बाकी दोनों पर हमला माना जाएगा। कागज पर यह प्रावधान बेहद प्रभावशाली है, लेकिन इसकी वास्तविक शक्ति का फैसला युद्ध की स्थिति में ही होगा। क्या सऊदी अरब, तुर्किए और पाकिस्तान वास्तव में एक-दूसरे की सुरक्षा के लिए अपने सैनिक, संसाधन और अर्थव्यवस्था जोखिम में डालेंगे? यही वह सवाल है जो इस समझौते की वास्तविक गंभीरता तय करेगा। इस समझौते को तत्काल 'इस्लामिक नाटो' कहना निश्चित रूप से जल्दबाजी होगी। नाटो की ताकत केवल सामूहिक रक्षा की घोषणा में नहीं है। उसके पीछे दशकों से विकसित संयुक्त सैन्य कमान, साझा रणनीतिक योजना, खुफिया सहयोग, सैन्य अंतर-संचालन, साझा अभ्यास और स्पष्ट संस्थागत तंत्र मौजूद हैं। मक्का समझौते में अभी उस स्तर की संस्थागत गहराई दिखाई नहीं देती। इसलिए इसे नाटो का विकल्प या उसकी प्रतिकृति मानने के बजाय तीन देशों के बीच सामरिक प्रतिरोध और सुरक्षा सहयोग बढ़ाने की पहल के रूप में देखना अधिक उचित होगा। फिर भी इसे महज प्रतीकात्मक समझना भी भूल होगी। तीनों देशों की सामरिक क्षमताएं अलग-अलग हैं और यही इस साझेदारी की सबसे बड़ी विशेषता है। तुर्किए के पास तेजी से विकसित होता रक्षा उद्योग, ड्रोन तकनीक और महत्वपूर्ण सैन्य क्षमता है। सऊदी अरब के पास विशाल वित्तीय संसाधन, ऊर्जा संपदा और रक्षा खरीद की क्षमता है। पाकिस्तान के पास बड़ी स्थायी सेना, लंबे सैन्य अनुभव और परमाणु क्षमता है। इन क्षमताओं का मेल निश्चित रूप से एक गंभीर सामरिक संदेश पैदा करता है। हालांकि इन संसाधनों को जोड़कर तत्काल एकीकृत सैन्य शक्ति मान लेना वास्तविकता से आगे निकलना होगा।

सऊदी अरब की बदलती सुरक्षा सोच- इस समझौते के केंद्र में सऊदी अरब को समझना सबसे जरूरी है। दशकों तक रियाद की सुरक्षा नीति काफी हद तक अमेरिकी सुरक्षा छतरी पर निर्भर रही। लेकिन पश्चिम एशिया में बदलते हालात ने सऊदी नेतृत्व को अपनी सुरक्षा रणनीति पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर किया है। ईरान के साथ लंबे समय से चला आ रहा तनाव, यमन में हूती खतरा, लाल सागर की अस्थिरता और ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हमले की आशंका ने यह स्पष्ट किया है कि आधुनिक पश्चिम एशिया में सुरक्षा केवल हथियार खरीदने से सुनिश्चित नहीं हो सकती। सऊदी अरब अब अपनी सुरक्षा के लिए बहुस्तरीय साझेदारियां विकसित करना चाहता है। पाकिस्तान और तुर्किए के साथ रक्षा समझौता इसी रणनीति का हिस्सा दिखाई देता है। रियाद के लिए यह एक अतिरिक्त सुरक्षा परत तैयार करने का प्रयास है, ताकि किसी संकट की स्थिति में उसके पास केवल एक बाहरी शक्ति पर निर्भर रहने के बजाय कई रणनीतिक विकल्प मौजूद हों। लेकिन यहां एक बड़ा विरोधाभास भी है। सऊदी अरब का सबसे बड़ा राष्ट्रीय हित युद्ध नहीं, बल्कि स्थिरता है। उसकी आर्थिक परिवर्तन योजना पर्यटन, निवेश, उद्योग, बुनियादी ढांचे और गैर-तेल अर्थव्यवस्था के विस्तार पर आधारित है। बड़े क्षेत्रीय युद्ध से इस पूरी आर्थिक महत्वाकांक्षा को नुकसान पहुंच सकता है। इसलिए यदि भविष्य में पाकिस्तान या तुर्किए किसी ऐसे संघर्ष में उलझते हैं जिसमें सऊदी अरब का प्रत्यक्ष राष्ट्रीय हित शामिल नहीं है, तो क्या रियाद वास्तव में सैन्य हस्तक्षेप करेगा? यही इस समझौते की पहली बड़ी परीक्षा होगी।

तुर्किएः गठबंधन में रहते हुए रणनीतिक स्वायत्तता- तुर्किए की स्थिति और भी जटिल है। वह नाटो का सदस्य है, लेकिन उसकी विदेश नीति किसी एक शक्ति-गुट तक सीमित नहीं रही है। रूस के साथ संबंधों से लेकर सीरिया, लीबिया, कॉकस और पूर्वी भूमध्यसागर तक अंकारा अपने स्वतंत्र रणनीतिक हितों को प्राथमिकता देता रहा है। सऊदी अरब और तुर्किए ने पिछले वर्षों में अपने संबंधों में सुधार किया है, लेकिन दोनों देशों के क्षेत्रीय हित हर मुद्दे पर समान नहीं हैं। इसलिए अंकारा के लिए यह तय करना आसान नहीं होगा कि किस परिस्थिति में वह अपने सैनिकों और संसाधनों को किसी सहयोगी की सुरक्षा के लिए इस्तेमाल करेगा। यही कारण है कि मक्का समझौते की असली ताकत उसकी भाषा में नहीं, बल्कि भविष्य में विकसित होने वाली संस्थागत व्यवस्थाओं में होगी। यदि संयुक्त सैन्य अभ्यास, खुफिया साझेदारी, रक्षा उत्पादन, मिसाइल रक्षा और समुद्री सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में वास्तविक सहयोग बढ़ता है, तभी यह समझौता मजबूत सुरक्षा ढांचे का रूप ले सकेगा।

पाकिस्तान के लिए अवसर और चुनौती- पाकिस्तान के लिए यह समझौता राजनीतिक और सामरिक दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। इस्लामाबाद लंबे समय से सऊदी अरब के साथ रक्षा संबंध बनाए हुए है और तुर्किए के साथ भी सैन्य सहयोग लगातार बढ़ा है। ऐसे में दोनों देशों के साथ औपचारिक सुरक्षा व्यवस्था पाकिस्तान की सामरिक स्थिति को मजबूत करने का अवसर देती है। लेकिन पाकिस्तान की अपनी सुरक्षा प्राथमिकताएं पश्चिम एशिया से अलग हैं। भारत के साथ तनाव, अफगानिस्तान से जुड़ी सुरक्षा चुनौतियां और घरेलू आर्थिक दबाव उसके सामने पहले से मौजूद हैं। ऐसे में यह सवाल महत्वपूर्ण है कि पाकिस्तान कितनी दूर तक किसी पश्चिम एशियाई संघर्ष में सैन्य भूमिका निभा पाएगा। सबसे संवेदनशील मुद्दा पाकिस्तान की परमाणु क्षमता है। पाकिस्तान मुस्लिम बहुल दुनिया का परमाणु हथियार रखने वाला प्रमुख देश है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि उसकी परमाणु क्षमता किसी सहयोगी देश के लिए सामूहिक सुरक्षा छतरी बन जाएगी। परमाणु हथियार किसी राष्ट्र की अंतिम प्रतिरोध क्षमता होते हैं। उन्हें किसी बहुपक्षीय गठबंधन की सामान्य सैन्य प्रतिबद्धता के साथ जोड़ना बेहद गंभीर और अलग स्तर का विषय होगा। इसलिए इस समझौते को फिलहाल 'परमाणु गठबंधन' कहना तथ्यों से आगे निकलना होगा।

ईरान के लिए बढ़ती चिंता- मक्का समझौते का सबसे महत्वपूर्ण बाहरी प्रभाव ईरान पर पड़ सकता है। तेहरान पहले से ही पश्चिम एशिया में बदलते सुरक्षा समीकरणों को लेकर सतर्क है। ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति आयोग से जुड़े इब्राहिम रजाई द्वारा समझौते को 'कागजी समझौता' बताए जाने से स्पष्ट है कि तेहरान इस घटनाक्रम को नजरअंदाज नहीं कर रहा। ईरान की चिंता स्वाभाविक है। यदि सऊदी अरब, तुर्किए और पाकिस्तान के बीच सुरक्षा समन्वय वास्तविक रूप लेता है, तो ईरान के सामने अलग-अलग देशों की बजाय संभावित रूप से समन्वित सुरक्षा व्यवस्था खड़ी हो सकती है। हालांकि सऊदी अरब और तुर्किए ने यह संकेत दिया है कि समझौता किसी विशेष देश या सांप्रदायिक सैन्य धुरी के खिलाफ नहीं है। यदि यह समझौता खुले तौर पर ईरान-विरोधी गठबंधन का रूप लेता है तो पश्चिम एशिया में ध्रुवीकरण और बढ़ सकता है। इसलिए रियाद के लिए चुनौती यह भी है कि वह अपनी सुरक्षा क्षमता बढ़ाए, लेकिन क्षेत्रीय तनाव को ऐसी स्थिति तक न पहुंचाए जहां संवाद और कूटनीति के रास्ते बंद हो जाएं।

भारत के लिए सबसे बड़ा सवाल ऊर्जा सुरक्षा- मक्का समझौते को भारत के नजरिए से देखने पर सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा पाकिस्तान नहीं, बल्कि ऊर्जा और समुद्री सुरक्षा है। पश्चिम एशिया में किसी बड़े सैन्य टकराव का प्रभाव सीधे भारतीय अर्थव्यवस्था तक पहुंच सकता है। होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में से एक है। 2025 की पहली छमाही में यहां से प्रतिदिन औसतन करीब 2.09 करोड़ बैरल तेल और पेट्रोलियम तरल पदार्थ गुजरे। इसका बड़ा हिस्सा एशियाई बाजारों की ओर जाता है। चीन, भारत, जापान और दक्षिण कोरिया इस ऊर्जा आपूर्ति के प्रमुख लाभार्थियों में हैं। इसलिए पश्चिम एशिया में यदि तनाव बढ़ता है, समुद्री परिवहन बाधित होता है या जहाजों के लिए बीमा लागत तेजी से बढ़ती है, तो उसका असर भारत में पेट्रोल-डीजल से लेकर विमान ईंधन, परिवहन, उर्वरक और उद्योग तक दिखाई दे सकता है। भारत-सऊदी आर्थिक संबंध भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। 2023-24 में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार करीब 43.37 अरब डॉलर रहा। सऊदी अरब भारत के लिए ऊर्जा का प्रमुख स्रोत होने के साथ-साथ निवेश, व्यापार और लाखों भारतीय प्रवासियों के कारण भी महत्वपूर्ण साझेदार है। इसलिए भारत को इस समझौते पर पाकिस्तान-केंद्रित प्रतिक्रिया देने से बचना होगा। नई दिल्ली के लिए सऊदी अरब केवल पाकिस्तान का रणनीतिक साझेदार नहीं है। वह ऊर्जा सुरक्षा, निवेश, प्रवासी भारतीयों और पश्चिम एशिया की स्थिरता के लिहाज से एक महत्वपूर्ण भागीदार है। यही कारण है कि भारत के लिए संतुलित और व्यावहारिक कूटनीति ही सबसे बेहतर विकल्प होगी।

क्या यह समझौता वास्तव में टिकाऊ सुरक्षा गठबंधन बनेगा- मक्का समझौते की सबसे बड़ी कमजोरी यह है कि तीनों देशों के रणनीतिक हित हर मुद्दे पर समान नहीं हैं। सऊदी अरब ईरान के साथ तनाव कम करने के रास्ते भी खुले रखना चाहता है। तुर्किए अपनी स्वतंत्र क्षेत्रीय भूमिका को बनाए रखना चाहता है। पाकिस्तान की सुरक्षा प्राथमिकताएं भारत और अफगानिस्तान के इर्द-गिर्द केंद्रित हैं।

उपचुनाव - भाजपा के लिए क्या चेतावनी की घंटी बज चुकी है?

जितेन्द्र कुमार सिन्हा, पटना

लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनाव केवल सरकार बनाने या सीटें जीतने का माध्यम नहीं होते हैं, बल्कि वे जनता की नब्ज को समझने का सबसे विश्वसनीय पैमाना भी हैं। विशेषकर उपचुनावों को अक्सर "मूड इंडिकेटर" माना जाता है। इन चुनावों में मतदाता किसी सरकार को हटाने या बनाने के बजाय उसके कामकाज, संगठन की स्थिति, नेतृत्व की स्वीकार्यता और स्थानीय मुद्दों पर अपनी राय व्यक्त करते हैं। हाल के उपचुनावों के परिणामों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए कई महत्वपूर्ण संकेत छोड़े हैं। जिन तीन राज्यों में उपचुनाव हुए, उनमें से दो राज्यों में पार्टी को हार का सामना करना पड़ा। सबसे अधिक चर्चा बिहार की उस सीट की हो रही है, जिसे भाजपा का मजबूत गढ़ माना जाता था और जो पार्टी के वरिष्ठ नेता नितिन नवीन की परंपरागत राजनीतिक पहचान से जुड़ी रही है। इस सीट पर मिली हार ने राजनीतिक गलियारों में अनेक सवाल खड़े कर दिए हैं। स्वाभाविक रूप से चुनावी हार और जीत का विश्लेषण इतना आसान नहीं होता कि एक-दो कारणों में पूरी कहानी समेट दी जाए। प्रत्येक चुनाव स्थानीय परिस्थितियों, उम्मीदवारों की छवि, संगठन की सक्रियता, जातीय-सामाजिक समीकरण, सत्ता विरोधी भावना, विकास कार्यों और चुनावी रणनीति जैसे अनेक कारकों का परिणाम होता है। फिर भी कुछ संकेत ऐसे होते हैं जिन्हें नजरअंदाज करना किसी भी राजनीतिक दल के लिए भविष्य में भारी पड़ सकता है। यही कारण है कि इन उपचुनावों के नतीजों को केवल सीटों की संख्या के आधार पर नहीं, बल्कि राजनीतिक संदेश के रूप में देखा जा रहा है। भारतीय राजनीति में अक्सर कहा जाता है कि उपचुनाव का असर आम चुनाव जैसा नहीं होता है। यह बात काफी हद तक सही भी है। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि उपचुनाव राजनीतिक दलों के लिए चेतावनी देने वाले संकेतक साबित होते हैं। उपचुनाव कई बार यह बताते हैं कि जनता सरकार के कामकाज से कितनी संतुष्ट है, संगठन कितना सक्रिय है और स्थानीय स्तर पर नेताओं की पकड़ कितनी मजबूत बनी हुई है। इतिहास गवाह है कि अनेक बार उपचुनावों के परिणामों ने भविष्य के बड़े चुनावों की दिशा भी तय की है। कई राजनीतिक दलों ने उपचुनाव में मिले झटकों के बाद अपनी रणनीति बदली और अगले चुनावों में शानदार वापसी की। वहीं कई दल ऐसे भी रहे जिन्होंने इन संकेतों को गंभीरता से नहीं लिया और बाद में उन्हें बड़ी राजनीतिक कीमत चुकानी पड़ी। इसी दृष्टि से वर्तमान उपचुनावों को भी देखा जा रहा है। तीन राज्यों में हुए उपचुनावों में दो राज्यों में हार का सामना करना किसी भी राष्ट्रीय दल के लिए चिंता का विषय माना जाएगा। भाजपा आज देश की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी है। उसका संगठन देश के लगभग प्रत्येक राज्य में सक्रिय है। इसलिए उससे अपेक्षाएँ भी अधिक रहती हैं। यदि किसी राज्य में हार होती है तो उसे स्थानीय परिस्थिति कहा जा सकता है। लेकिन जब अलग-अलग राज्यों में समान प्रकार के संकेत मिलने लगें तो पार्टी नेतृत्व के लिए आत्ममंथन आवश्यक हो जाता है। इन चुनावों ने यह संकेत दिया है कि केवल राष्ट्रीय नेतृत्व की लोकप्रियता हर चुनाव में जीत की गारंटी नहीं बन सकती। स्थानीय नेतृत्व, क्षेत्रीय संगठन और उम्मीदवार की स्वीकार्यता भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। राजनीति में कुछ सीटें केवल विधानसभा क्षेत्र नहीं होती है, बल्कि वे किसी दल की प्रतिष्ठा का प्रतीक बन जाती है। बिहार की यह सीट भी लंबे समय से भाजपा की मजबूत सीट मानी जाती रही है। यहां पार्टी का संगठन मजबूत माना जाता था और नेतृत्व का प्रभाव भी स्पष्ट दिखाई देता था। ऐसी स्थिति में यदि पार्टी को हार का सामना करना पड़े तो स्वाभाविक रूप से सवाल उठेंगे। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह हार केवल एक सीट की हार नहीं है, बल्कि संगठन की जमीनी स्थिति का संकेत भी हो सकती है। हालांकि यह कहना जल्दबाजी होगी कि इससे भाजपा की लोकप्रियता समाप्त हो गई है, लेकिन यह अवश्य कहा जा सकता है कि मतदाताओं ने एक स्पष्ट संदेश दिया है। भाजपा की सफलता के पीछे केवल उसका संगठन ही नहीं है, बल्कि वर्षों से विकसित सामाजिक गठबंधन भी रहा है। पिछले एक दशक में पार्टी ने विभिन्न जातीय और सामाजिक वर्गों में अपनी स्वीकार्यता बढ़ाई। यही उसकी सबसे बड़ी ताकत बनी। लेकिन हाल के समय में यह चर्चा बढ़ी है कि संगठनात्मक बदलावों के दौरान कुछ पुराने नेताओं और पारंपरिक सामाजिक समीकरणों की उपेक्षा हो रही है। यदि किसी क्षेत्र में वर्षों से कार्य कर रहे कार्यकर्ताओं को पर्याप्त महत्व नहीं मिलता, तो उसका प्रभाव चुनाव में दिखाई देना स्वाभाविक है। राजनीतिक दल केवल शीर्ष नेतृत्व के भरोसे नहीं चलते। बूथ स्तर का कार्यकर्ता, मंडल अध्यक्ष, जिला पदाधिकारी और स्थानीय नेता ही चुनाव की वास्तविक ताकत होते हैं। हर राजनीतिक दल समय के साथ बदलाव करता है। नई पीढ़ी को अवसर देना आवश्यक है। नए चेहरों को आगे लाना भी लोकतंत्र की स्वस्थ प्रक्रिया का हिस्सा है। लेकिन बदलाव का अर्थ यह नहीं होना चाहिए कि पुराने अनुभव को पूरी तरह किनारे कर दिया जाए। अनुभव और ऊर्जा का संतुलन ही किसी भी सफल संगठन की पहचान होता है। यदि अनुभवी नेताओं को सम्मान नहीं मिलेगा तो कार्यकर्ताओं का मनोबल भी प्रभावित होगा। राजनीतिक दलों की सबसे बड़ी ताकत उनका आंतरिक संवाद होता है। जब कार्यकर्ताओं की बात ऊपर तक पहुँचती है तो संगठन मजबूत रहता है। लेकिन यदि कार्यकर्ताओं को लगे कि उनकी राय का महत्व कम हो गया है, तो धीरे-धीरे असंतोष बढ़ने लगता है। यह असंतोष हमेशा सार्वजनिक रूप से दिखाई नहीं देता है। कई बार यही नाराजगी मतदान के दिन निष्क्रियता के रूप में सामने आती है। राजनीति में निष्क्रिय कार्यकर्ता कई बार सक्रिय विरोधी से भी अधिक नुकसान पहुंचा देता है। हर चुनाव में उम्मीदवार सबसे महत्वपूर्ण कड़ी होता है। यदि उम्मीदवार जनता से जुड़ा हुआ है, क्षेत्र में सक्रिय है और लोगों की समस्याओं को समझता है तो पार्टी को अतिरिक्त लाभ मिलता है। इसके विपरीत यदि उम्मीदवार केवल संगठन की पसंद बनकर रह जाए और जनता से उसका संवाद कमजोर हो तो कठिनाई बढ़ जाती है। उपचुनावों में अक्सर उम्मीदवार की व्यक्तिगत छवि निर्णायक साबित होती है। विपक्ष की सक्रियता को भी समझना होगा किसी दल की हार केवल उसकी कमजोरी से नहीं होती। कई बार विपक्ष की रणनीति अधिक प्रभावी होती है। यदि विपक्ष स्थानीय मुद्दों को सही तरीके से उठाए, सामाजिक समीकरणों को साधे और मतदाताओं तक लगातार पहुंचे तो उसे लाभ मिल सकता है। इसलिए भाजपा के लिए यह जरूरी होगा कि वह केवल अपनी कमियों का ही नहीं बल्कि विपक्ष की रणनीति का भी गंभीर अध्ययन करे। राष्ट्रीय मुद्दे महत्वपूर्ण होते हैं। स्थानीय मुद्दों की अनदेखी महंगी पड़ सकती है, लेकिन विधानसभा क्षेत्र का चुनाव अंततः स्थानीय समस्याओं पर भी निर्भर करता है। सड़क, पानी, बिजली, रोजगार, अस्पताल, शिक्षा, नगर विकास, यातायात और स्थानीय प्रशासन जैसे मुद्दे मतदाताओं के निर्णय को प्रभावित करते हैं। यदि जनता को लगे कि उसकी स्थानीय समस्याओं पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया तो उसका असर मतदान पर पड़ सकता है। किसी भी राजनीतिक दल की सबसे बड़ी संपत्ति उसका कार्यकर्ता होता है। नेता चुनाव के समय दिखाई देते हैं, लेकिन कार्यकर्ता पूरे पांच वर्ष जनता के बीच रहता है। यदि कार्यकर्ता उत्साहित रहेगा तो चुनावी अभियान स्वतः मजबूत होगा। यदि वही निराश हो जाए तो सबसे बड़ी चुनावी मशीनरी भी अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाएगी। इसीलिए सफल राजनीतिक दल समय-समय पर अपने कार्यकर्ताओं से संवाद बनाए रखते हैं। कई बार छोटी हार भविष्य की बड़ी जीत का रास्ता भी खोलती है। यदि राजनीतिक दल अपनी कमियों को स्वीकार कर समय रहते सुधार कर लें तो जनता उन्हें दूसरा अवसर भी देती है। भारतीय राजनीति में इसके अनेक उदाहरण मौजूद हैं। इसलिए इन उपचुनावों को भाजपा के लिए केवल हार नहीं बल्कि आत्ममंथन का अवसर भी माना जा सकता है। पिछले कुछ वर्षों में भारतीय जनता पार्टी ने देश की राजनीति में जिस तरह अपना विस्तार किया है, वह भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का महत्वपूर्ण अध्याय माना जाता है। अनेक राज्यों में सरकारें बनाना, लगातार चुनावी सफलताएँ हासिल करना और मजबूत संगठन खड़ा करना पार्टी की बड़ी उपलब्धियां रही हैं। लेकिन राजनीति का एक अटल सिद्धांत है कि कोई भी दल लगातार सफलता के भरोसे नहीं चल सकता है। समय-समय पर जनता ऐसे संकेत देती है, जिन्हें समझना और स्वीकार करना आवश्यक होता है। हालिया उपचुनावों के परिणाम भी ऐसे ही संकेतों के रूप में देखे जा रहे हैं। किसी भी राजनीतिक दल के लिए लगातार जीत प्रेरणा का स्रोत होती है। लेकिन यही लगातार सफलता यदि आत्मसंतोष में बदल जाए तो चुनौती पैदा हो सकती है। राजनीतिक इतिहास बताता है कि कई दल चुनाव इसलिए नहीं हारे क्योंकि जनता ने उन्हें पूरी तरह अस्वीकार कर दिया, बल्कि इसलिए हारे क्योंकि उन्होंने यह मान लिया कि जनता हमेशा उनके साथ रहेगी। उपचुनावों के संदर्भ में भी यही प्रश्न उठ रहा है कि क्या संगठन का एक हिस्सा यह मान बैठा था कि पारंपरिक सीटों पर जीत स्वतः मिल जाएगी? यदि ऐसा हुआ है तो यह सोच भविष्य में और बड़ी चुनौती बन सकती है। हर राजनीतिक दल की यात्रा में कुछ नेता ऐसे होते हैं जिन्होंने वर्षों तक संगठन को खड़ा किया होता है। उन्होंने कठिन समय में पार्टी का विस्तार किया, कार्यकर्ताओं को जोड़ा और सामाजिक विश्वास अर्जित किया। समय के साथ नेतृत्व बदलना स्वाभाविक है। नई पीढ़ी को अवसर मिलना भी जरूरी है। लेकिन जब परिवर्तन के दौरान पुराने नेताओं की भूमिका अचानक सीमित हो जाती है या उन्हें सम्मानजनक स्थान नहीं मिलता है, तो उसका प्रभाव केवल उन नेताओं तक सीमित नहीं रहता है। उनके साथ वर्षों से जुड़े कार्यकर्ताओं में भी यह संदेश जाता है कि संगठन अब उनकी भूमिका को पहले जैसा महत्व नहीं देता। यह भावना चुनाव के दौरान सक्रियता को प्रभावित कर सकती है। भाजपा की चुनावी सफलता का एक महत्वपूर्ण आधार उसका व्यापक सामाजिक गठबंधन रहा है। पार्टी ने समय के साथ विभिन्न वर्गों, समुदायों और सामाजिक समूहों में अपना विस्तार किया। लेकिन सामाजिक गठबंधन स्थायी नहीं होते हैं। उन्हें लगातार संवाद, प्रतिनिधित्व और विश्वास के माध्यम से बनाए रखना पड़ता है। यदि किसी समूह को यह महसूस होने लगे कि उसकी भागीदारी कम हो रही है या उसकी आवाज पहले जैसी नहीं सुनी जा रही, तो वह धीरे-धीरे दूरी बना सकता है।

विदेशी धन, राष्ट्रीय हित और पारदर्शिता : विकास सहयोग की आड़ में व्यवस्था से खिलवाड़ की कोई गुंजाइश नहीं

आचार्य अशोक चौधरी "प्रियदर्शी", कटिहार, बिहार

किसी भी संप्रभु राष्ट्र की आर्थिक और सामाजिक व्यवस्था में यह स्वाभाविक है कि वह अपने देश में आने वाले विदेशी धन, अनुदान और आर्थिक सहयोग के स्रोत, उद्देश्य तथा उपयोग का लेखा-जोखा रखे। विदेशी सहयोग अपने आप में न तो संदिग्ध है और न ही अवांछित। शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, अनुसंधान, आपदा राहत, कौशल विकास और सामाजिक कल्याण जैसे क्षेत्रों में अंतरराष्ट्रीय सहयोग ने अनेक देशों में सकारात्मक भूमिका निभाई है। किंतु जिस क्षण विदेशी धन का उपयोग पारदर्शिता से हटकर राजनीतिक प्रभाव, सामाजिक तनाव, कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने अथवा राष्ट्रीय हितों के प्रतिकूल गतिविधियों के लिए होने लगे, तब राज्य का सतर्क होना अनिवार्य हो जाता है। भारत जैसे संप्रभु और लोकतांत्रिक देश में विदेशी आर्थिक सहयोग के नियमन का प्रश्न किसी राजनीतिक दल की सुविधा या असुविधा का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय संप्रभुता और सार्वजनिक जवाबदेही का प्रश्न है। इसी उद्देश्य से भारत में विदेशी अभिदाय विनियमन अधिनियम, अर्थात एफसीआरए, लागू है। गृह मंत्रालय के विदेशी प्रभाग के अनुसार एफसीआरए का उद्देश्य विदेशी अभिदाय और विदेशी आतिथ्य को इस प्रकार विनियमित करना है कि संस्थाएँ संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्य के मूल्यों के अनुरूप कार्य करें और विदेशी सहयोग का उपयोग राष्ट्रीय हित के प्रतिकूल गतिविधियों में न हो। यह समझना आवश्यक है कि एफसीआरए का अर्थ विदेशी सहयोग पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं है। भारत विदेशी सहयोग को स्वीकार करता है, लेकिन उसके लिए विधिक ढाँचा निर्धारित करता है। कोई संस्था यदि विदेशी अभिदाय प्राप्त करना चाहती है तो उसे निर्धारित वैधानिक प्रक्रिया का पालन करना होता है। विदेशी स्रोत से प्राप्त धन भारतीय रुपये में प्राप्त हो, तब भी वह परिस्थितियों के अनुसार विदेशी अभिदाय माना जा सकता है। वहीं सामान्य व्यावसायिक लेन-देन में विदेशी ग्राहक को वस्तु या सेवा बेचकर प्राप्त आय को एफसीआरए के अंतर्गत विदेशी अभिदाय नहीं माना जाता। इसी प्रकार विदेश में रहने वाले भारतीय नागरिक द्वारा अपनी व्यक्तिगत बचत से सामान्य बैंकिंग माध्यम से दिया गया दान भी एफसीआरए के अर्थ में विदेशी अभिदाय नहीं माना जाता। इस अंतर को समझना इसलिए आवश्यक है क्योंकि विदेशी व्यापार, विदेशी निवेश, विदेशी सहायता और विदेशी अभिदाय—ये सभी एक ही चीज नहीं हैं। व्यापारिक लेन-देन का अपना अलग कानूनी ढाँचा है, विदेशी निवेश के लिए अलग नियम हैं और स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा प्राप्त विदेशी दान अथवा अनुदान का नियमन एफसीआरए के अंतर्गत होता है। इसलिए विदेशी धन की चर्चा करते समय हर विदेशी लेन-देन को संदेह की दृष्टि से देखना भी उचित नहीं और हर विदेशी सहायता को स्वतः निर्दोष मान लेना भी विवेकपूर्ण नहीं। प्रश्न विदेशी धन के अस्तित्व का नहीं, बल्कि उसके स्रोत, उद्देश्य, उपयोग और परिणाम की पारदर्शिता का है। कोई विदेशी संस्था भारत में किसी सामाजिक परियोजना के लिए धन देती है तो यह स्पष्ट होना चाहिए कि धन किसने दिया, कितनी राशि दी, किस उद्देश्य से दी, किस संस्था को दी गई और उसका उपयोग कहाँ हुआ। एफसीआरए व्यवस्था में वार्षिक विवरण प्रस्तुत करने की व्यवस्था है। निर्धारित प्रपत्र में दाता, प्राप्त राशि, उद्देश्य तथा विदेशी अभिदाय के उपयोग से संबंधित विवरण दर्ज किए जाते हैं। यह पारदर्शिता केवल सरकार को संतुष्ट करने के लिए नहीं, बल्कि स्वयं स्वयंसेवी संस्थाओं की विश्वसनीयता के लिए भी आवश्यक है। जो संस्था समाज सेवा के नाम पर कार्य करती है, उसे समाज के सामने यह बताने में संकोच नहीं होना चाहिए कि उसके संसाधन कहाँ से आते हैं और उनका उपयोग किन कार्यों में होता है। सार्वजनिक विश्वास किसी भी स्वयंसेवी संस्था की सबसे बड़ी पूंजी है। एफसीआरए के अंतर्गत प्राप्त विदेशी सहयोग के लेखे-जोखे, उपयोग और अभिलेखों के संबंध में भी विस्तृत व्यवस्थाएँ हैं। एफसीआरए से संबंधित सरकारी दिशा-निर्देशों के अनुसार वार्षिक विवरण में विदेशी सहयोग की प्राप्ति और उपयोग का विवरण देना होता है तथा लेखा अभिलेखों को निर्धारित अवधि तक सुरक्षित रखना होता है। संस्थाओं को विदेशी सहयोग के प्राप्ति और उपयोग से संबंधित लेखापरीक्षित विवरण सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराने की भी व्यवस्था है। यहीं एक महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक प्रश्न सामने आता है—क्या किसी सरकार को यह अधिकार होना चाहिए कि वह विदेशी धन के देश में प्रवेश और उसके उपयोग पर निगरानी रखे? इसका उत्तर स्पष्ट रूप से हाँ है। किसी भी संप्रभु राष्ट्र को यह अधिकार होना चाहिए कि वह यह निर्धारित करे कि उसकी धरती पर आने वाला विदेशी धन किस उद्देश्य के लिए इस्तेमाल होगा। यह अधिकार केवल भारत का नहीं, प्रत्येक संप्रभु राष्ट्र का सामान्य प्रशासनिक और राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी अधिकार है। विदेशी आर्थिक सहयोग में पारदर्शिता का अर्थ विदेशी सहयोग का विरोध करना नहीं है। भारत को विश्व से जुड़ना है, अलग-थलग नहीं होना। अंतरराष्ट्रीय सहयोग, विदेशी निवेश, अनुसंधान सहयोग और मानवीय सहायता आधुनिक वैश्विक व्यवस्था के महत्वपूर्ण अंग हैं। लेकिन वैश्विक संपर्क का अर्थ राष्ट्रीय विवेक को समाप्त कर देना नहीं हो सकता। खुली अर्थव्यवस्था के साथ खुली पारदर्शिता भी आवश्यक है। दूसरी ओर स्वयंसेवी संस्थाओं के संबंध में भी संतुलित दृष्टिकोण आवश्यक है। भारत में हजारों संस्थाएँ शिक्षा, स्वास्थ्य, गरीबी उन्मूलन, महिला सशक्तीकरण, पर्यावरण, दिव्यांग सहायता और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में सराहनीय कार्य कर रही हैं। कुछ संस्थाओं के संबंध में यदि वित्तीय अनियमितता या विदेशी धन के दुरुपयोग के आरोप सामने आते हैं, तो उनके आधार पर पूरे स्वयंसेवी क्षेत्र को संदेह के घेरे में रखना उचित नहीं होगा। जिस संस्था ने नियमों का पालन किया है, उसके कार्य में अनावश्यक बाधा नहीं होनी चाहिए; लेकिन जहाँ प्रमाणित उल्लंघन मिले, वहाँ कानून को निष्पक्षता से अपना काम करना चाहिए। इसी प्रकार विदेशी सहयोग के नाम पर किसी संस्था को राजनीतिक दृष्टि से निशाना बनाना भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं होगा। कानून की कसौटी संस्था की विचारधारा नहीं, बल्कि उसके कार्य, वित्तीय व्यवहार और वैधानिक अनुपालन होने चाहिए। पारदर्शिता का सिद्धांत सभी पर समान रूप से लागू होना चाहिए। विदेशी धन के संदर्भ में एक और महत्वपूर्ण पक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा का है। आज का विश्व केवल पारंपरिक युद्ध तक सीमित नहीं है। आर्थिक दबाव, सूचना युद्ध, साइबर माध्यम, सामाजिक विभाजन, दुष्प्रचार और परोक्ष प्रभाव भी आधुनिक भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के उपकरण बन चुके हैं। इसलिए किसी भी विदेशी वित्तीय प्रवाह की निगरानी को केवल आर्थिक लेखांकन समझना पर्याप्त नहीं होगा। आवश्यकता पड़ने पर उसके व्यापक सामाजिक और राष्ट्रीय प्रभाव का भी परीक्षण होना चाहिए। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि हर विदेशी सहयोग को अस्थिरता का माध्यम मान लिया जाए। आरोप और प्रमाण में अंतर होता है। यदि किसी संस्था पर विदेशी धन के दुरुपयोग का आरोप है तो जांच हो, दस्तावेज देखे जाएँ, वित्तीय लेन-देन की पड़ताल हो और प्रमाण के आधार पर निर्णय लिया जाए। लोकतांत्रिक शासन में संदेह के आधार पर दंड नहीं, बल्कि विधि सम्मत जांच और प्रमाण आधारित कार्रवाई होनी चाहिए। एफसीआरए की व्यवस्था का मूल उद्देश्य विदेशी सहयोग को रोकना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि विदेशी धन का उपयोग पारदर्शी, वैधानिक और घोषित उद्देश्य के अनुरूप हो। गृह मंत्रालय स्वयं एफसीआरए को विदेशी अभिदाय और विदेशी आतिथ्य को इस प्रकार विनियमित करने की व्यवस्था बताता है कि संप्रभु और लोकतांत्रिक गणराज्य के मूल्यों के अनुरूप संस्थाएँ कार्य करें तथा विदेशी सहयोग का उपयोग राष्ट्रीय हित के प्रतिकूल गतिविधियों में न हो। इसलिए विदेशी आर्थिक सहयोग का लेखा-जोखा रखना किसी विदेशी संस्था के प्रति अविश्वास नहीं, बल्कि प्रत्येक संप्रभु राष्ट्र का सामान्य अधिकार और दायित्व है। अमेरिका, यूरोप, एशिया और दुनिया के अन्य देशों में भी विदेशी धन, विदेशी एजेंटों, राजनीतिक प्रभाव और गैर-सरकारी संस्थाओं की वित्तीय गतिविधियों को अलग-अलग कानूनों के माध्यम से विनियमित किया जाता है। किसी देश की संप्रभुता का अर्थ ही है कि उसकी सीमा के भीतर आने वाले वित्तीय संसाधनों के संबंध में अंतिम नियामक अधिकार उस देश के कानूनों के पास रहे। भारत में एफसीआरए के अंतर्गत विदेशी अभिदाय प्राप्त करने वाले संगठनों के लिए पृथक लेखा-व्यवस्था और अभिलेख रखने तथा वार्षिक विवरण प्रस्तुत करने की व्यवस्था है। गृह मंत्रालय के वर्तमान एफसीआरए दिशा-निर्देशों के अनुसार प्राप्तकर्ता संस्था को विदेशी अभिदाय की प्राप्ति और उसके उद्देश्यवार उपयोग का विवरण देते हुए प्रमाणित वार्षिक विवरण प्रस्तुत करना होता है। यदि उस वर्ष कोई विदेशी अभिदाय प्राप्त या उपयोग नहीं हुआ हो, तब भी निर्धारित वार्षिक विवरण दाखिल करने की आवश्यकता हो सकती है। यह व्यवस्था इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि धन का स्रोत जितना महत्वपूर्ण है, उसका अंतिम उपयोग उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है। यदि कोई संस्था शिक्षा के नाम पर धन प्राप्त करती है तो उसका वास्तविक उपयोग शिक्षा में होना चाहिए; स्वास्थ्य के नाम पर प्राप्त धन स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों में और पर्यावरण के नाम पर प्राप्त सहयोग पर्यावरणीय कार्यों में दिखाई देना चाहिए। उद्देश्य और उपयोग के बीच यदि जानबूझकर अंतर पैदा किया जाता है, तो नियामक संस्थाओं के लिए उसकी जांच करना स्वाभाविक है। यहाँ सीएसआर—कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व का विषय भी समझना आवश्यक है।

संक्षिप्त समाचार

15 दिन से खुले आसमान के नीचे युवा, सरकार वार्ता के नाम पर कर रही खानापूर्ति : सुदेश महतो

रांची। आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो ने जेपीएससी अभ्यर्थियों के 15वें दिन भी जारी आंदोलन को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि झारखंड के युवा पिछले 15 दिनों से खुले आसमान के नीचे अपने भविष्य और अधिकार के लिए संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन सरकार समाधान निकालने के बजाय वार्ता के नाम पर खानापूर्ति कर रही है। सुदेश महतो ने कहा कि यह किसी राजनीतिक दल का आंदोलन नहीं, बल्कि अपने भविष्य के लिए संघर्ष कर रहे झारखंड के युवाओं की आवाज है। जेपीसी भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर अभ्यर्थियों के बीच गंभीर सवाल हैं। उन्होंने जेएससीए-सीजीएल परीक्षा रद्द करने तथा TDPL एजेंसी द्वारा आयोजित परीक्षाओं समेत भर्ती प्रक्रियाओं की सीबीआई से निष्पक्ष जांच कराने की मांग का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि यदि सरकार को अपनी भर्ती प्रक्रिया पर पूरा भरोसा है तो निष्पक्ष जांच से डर किस बात का है। जांच से वास्तविकता सामने आ जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार गड़बड़ी के आरोपों की निष्पक्ष जांच कराने के बजाय मामले को दबाने का प्रयास कर रही है। जांच में भ्रष्टाचार या अनियमितता प्रमाणित होने पर जिम्मेदार लोगों के खिलाफ FIR दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। आजसू अध्यक्ष ने आंदोलनरत छात्रों की स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि कई छात्र अनशन पर हैं और कुछ की तबीयत बिगड़ने पर अस्पताल तक पहुंच चुके हैं। इसके बावजूद सरकार की ओर से ठोस निर्णय नहीं लिया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि यदि अभ्यर्थियों को शीघ्र न्याय नहीं मिला तो आजसू पार्टी राज्यव्यापी आंदोलन करेगी। "सरकार इसे चेतावनी समझे, धमकी नहीं। युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ के खिलाफ आजसू पार्टी सड़क से सदन तक संघर्ष करेगी।" उन्होंने आजसू छात्र संघ एवं जेपीएससी-जेएससीए रिफॉर्म मंच के आंदोलन को पार्टी का पूर्ण समर्थन देते हुए युवाओं से शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन में शामिल होने की अपील की।

आदित्य साहू को नजरबंद करना शर्मनाक, दमनात्मक कार्रवाई से भाजपा डरने वाली नहीं : अमर बाउरी

रांची। भाजपा के प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी ने प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू को उनके आवास पर नजरबंद किए जाने को लेकर राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने इसे सरकार की दमनात्मक और तानाशाहीपूर्ण कार्रवाई करार देते हुए कहा कि पुलिसिया पहरा बिठाकर छात्र आंदोलन को दबाया नहीं जा सकता। अमर बाउरी ने कहा कि सरकार की इस कार्रवाई से भाजपा न पहले डरी है और न आगे डरेगी। छात्रों की मांगों को लेकर जारी आंदोलन को भाजपा का नैतिक समर्थन है और पार्टी छात्रों के न्याय की लड़ाई में हर कदम पर उनके साथ खड़ी है। उन्होंने दावा किया कि सरकार की तमाम कोशिशों के बावजूद विधानसभा घेराव कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि मुख्य विपक्षी दल होने के नाते भाजपा राज्य के छात्रों के साथ हो रहे अन्याय को मूकदर्शक बनकर नहीं देख सकती। पिछले छह वर्षों से छात्रों के साथ हो रही कथित उपेक्षा के कारण उनके भीतर आक्रोश बढ़ता जा रहा है। सरकार जितना इस आक्रोश को दबाने का प्रयास करेगी, उतना ही यह उभरकर सामने आएगा। बाउरी ने राज्य सरकार से छात्रों की मांगों को बिना शर्त स्वीकार करने की मांग करते हुए कहा कि सरकार को आंदोलन को दबाने या उसे भटकाने के प्रयास से बाज आना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार को अपनी ऊर्जा गैरजरूरी गतिविधियों में खर्च करने के बजाय छात्रों की समस्याओं के समाधान और सकारात्मक कार्यों में लगानी चाहिए।

आदिवासी भूमि के कथित अवैध हस्तांतरण की उच्चस्तरीय जांच की मांग, बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर कांके अंचल स्थित कथित खतियानी आदिवासी भूमि के अवैध हस्तांतरण और पुलिस प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी की कथित संलिप्तता की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। मरांडी ने पत्र में कहा है कि उन्हें अनुराग उरांव की ओर से एक शिकायत प्राप्त हुई है, जिसमें संबंधित भूमि के म्यूटेशन दस्तावेज भी संलग्न हैं। शिकायत के अनुसार, मौजा-चामा, खाता संख्या-120, भाग-2, प्लॉट संख्या-1054, हल्का-3, अंचल कांके, जिला रांची की भूमि मूल रूप से खेदुवा उरांव के नाम दर्ज थी। आरोप है कि वर्तमान आईजी (प्रोविजन) पंकज कंबोज द्वारा उक्त भूमि को अपने पिता प्रेम कुमार कंबोज के नाम पर खरीदा और म्यूटेशन कराया गया। पत्र में मरांडी ने आरोपों की गंभीरता को देखते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की आवश्यकता जताई है। उन्होंने कहा कि यदि जांच में आदिवासी भूमि के हस्तांतरण में सीएनटी एक्ट के प्रावधानों के उल्लंघन अथवा पद के दुरुपयोग की पुष्टि होती है, तो संबंधित लोगों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। मरांडी ने पत्र में यह भी आरोप लगाया है कि अधिकारी द्वारा पद के दुरुपयोग से खरीदी गई अन्य संपत्तियों की भी जांच कराई जानी चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री से मामले की जांच किसी स्वतंत्र एजेंसी, जैसे सीबीआई या एसीबी, से कराने की मांग की है। उन्होंने मुख्यमंत्री से संबंधित अधिकारी को वर्तमान पद से तत्काल निलंबित करने तथा पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है। हालांकि, पत्र में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना अभी बाकी है। संबंधित अधिकारी का पक्ष सामने आने पर उसे भी समाचार में शामिल किया जाना उचित होगा।

स्व. रिझुनाथ चौधरी की 12वीं पुण्यतिथि पर सुदेश महतो ने दी श्रद्धांजलि

रामगढ़। चितरपुर प्रखंड के सांडी स्थित कम्युनिटी सेंटर, सरस्वती बगीचा में झारखंड अलग राज्य आंदोलन के प्रणेता स्व. रिझुनाथ चौधरी की 12वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम में आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो ने स्व. रिझुनाथ चौधरी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर स्व. रिझुनाथ चौधरी के पुत्र बड़कागांव विधायक रौशन लाल चौधरी, गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी एवं ज्योति चौधरी उपस्थित रहे। सुदेश कुमार महतो ने कहा कि स्व. रिझुनाथ चौधरी का पूरा जीवन झारखंड आंदोलन तथा शोषित, वंचित और गरीब वर्ग के अधिकारों के लिए समर्पित रहा। उन्होंने शिक्षित, जागरूक और आत्मनिर्भर समाज के निर्माण के लिए निरंतर संघर्ष किया। झारखंड को पहचान और सम्मान दिलाने में उनके जैसे आंदोलनकारियों का योगदान अमूल्य है। उनके विचार और संघर्ष आने वाली पीढ़ियों को हमेशा प्रेरणा देते रहेंगे। उन्होंने कहा कि आजसू पार्टी स्व. रिझुनाथ चौधरी के विचारों और आदर्शों पर चलते हुए सशक्त, समृद्ध और स्वाभिमानी झारखंड के निर्माण के संकल्प को आगे बढ़ाएगी। श्रद्धांजलि सभा में मांडू विधायक निर्मल महतो, गोमिया के पूर्व विधायक लंबोदर महतो, आजसू पार्टी के महासचिव संजय मेहता, संतोष महतो सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता, पार्टी पदाधिकारी एवं आमजन उपस्थित थे।

टंडवा- सिमरिया मुख्य सड़क में चक्का जाम का रहा असर

टंडवा (चतरा)। रविवार को सिमरिया में चल रहे चक्का जाम का असर टंडवा -सिमरिया मुख्य सड़क में दिखाई दिया। कोयला तथा फ्लाई ऐश वाहनों का परिचालन पूरी तरह से ठप रही,सन्नाटा पसरा रहा। वहीं बढ़ते प्रदूषण और भारी वाहनों के जाम से राहगीरों और ग्रामीणों ने राहत की सांस ली है। बहरहाल, हजारीबाग जिले के उत्पादित कोयले की ट्रांसपोर्टिंग एवं राख की ढुलाई रोकने को लेकर अनिश्चितकालीन आंदोलन पर लोग पिछले आंदोलनों के हश्र को देखते हुवे पूरी तरह से सशंकित दिखाई दे रहे हैं। इसपर तरह- तरह के अटकलें लगाई जा रही है। बहरहाल, आंदोलन को सफल बनाकर तमाम कयासों पर विराम लगेगा या फिर एक और अध्याय जुड़ेगा इसपर आने वाले दिनों में हीं स्थिति पूरी तरह स्पष्ट होने की उम्मीद है।

छात्रों के आंदोलन के समर्थन में उतरा इंडियन स्टार्टअप एसोसिएशन, सरकार से जवाबदेही तय करने की मांग

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। झारखंड में जोस जेपीएससी समेत अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर चल रहे छात्र आंदोलन के समर्थन में इंडियन स्टार्टअप एसोसिएशन भी उतर आया है। एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रथिन भद्रा ने कहा कि छात्रों की समस्याएं केवल परीक्षा तक सीमित नहीं हैं, बल्कि रोजगार, स्टार्टअप, नवाचार और भविष्य से भी जुड़ी हैं। सरकार को आंदोलन कर रहे युवाओं से संवाद कर उनकी वैध मांगों पर समयबद्ध निर्णय लेना चाहिए। रथिन भद्रा ने कहा कि झारखंड के युवा ही भविष्य में शिक्षक, इंजीनियर, डॉक्टर, प्रशासनिक अधिकारी, उद्यमी और रोजगार देने वाले बनेंगे। उन्होंने कहा कि एक छात्र परीक्षा देकर नौकरी पाने की कोशिश कर रहा है, जबकि दूसरा स्टार्टअप खड़ा कर रोजगार देने की कोशिश कर रहा है। दोनों राज्य के भविष्य की नींव हैं और सरकार को दोनों के प्रति समान संवेदनशीलता दिखानी चाहिए। एसोसिएशन ने झारखंड स्टार्टअप नीति 2023 के क्रियान्वयन को लेकर भी सरकार से कई सवाल पूछे हैं। संगठन ने जानना चाहा है कि पिछले वर्षों में कितने स्टार्टअप को सरकारी सहायता और नवाचार निधि से आर्थिक मदद मिली, कितने स्टार्टअप को सरकारी परियोजनाएं एवं खरीद में अवसर मिला तथा स्टार्टअप नीति के लिए निर्धारित बजट में से कितनी राशि खर्च हुई। एसोसिएशन ने इस संबंध में सरकार से सार्वजनिक रूप से विस्तृत जानकारी देने की मांग की है। एसोसिएशन ने नीति के पृष्ठ 19 के अनुच्छेद 7.7 में प्रस्तावित 'स्टार्टअप झारखंड' वेबसाइट और मोबाइल एप्लीकेशन का मुद्दा भी उठाया। रथिन भद्रा ने कहा कि सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि 'स्टार्टअप झारखंड' नाम और उसकी आधिकारिक डिजिटल पहचान के उपयोग का अधिकार किसे है। यदि किसी निजी संस्था द्वारा सरकारी पहचान अथवा नीति से भ्रम पैदा करने वाला नाम इस्तेमाल किया जा रहा है, तो उसकी वैधानिक स्थिति की जांच होनी चाहिए। एसोसिएशन ने राज्य योजना एवं नवाचार निधि तथा अन्य स्टार्टअप एवं नवाचार योजनाओं पर खर्च हुए सरकारी धन का स्वतंत्र लेखा-परीक्षण कराने और श्वेत पत्र जारी करने की मांग की है। संगठन ने यह भी कहा कि छात्र एवं स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़े मामलों में कैग से संबंधित प्रक्रियाओं को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। रथिन भद्रा ने कहा कि झारखंड से युवाओं का लगातार दूसरे राज्यों की ओर जाना केवल पलायन नहीं, बल्कि राज्य की मानवीय पूंजी का नुकसान है। उन्होंने कहा कि यदि किसी युवा को झारखंड में नवाचार और उद्यमिता का अवसर नहीं मिलता और वह दूसरे राज्य चला जाता है, तो राज्य एक संभावित रोजगारदाता और नवप्रवर्तक खो देता है। एसोसिएशन ने सरकार के समक्ष पांच प्रमुख मांगें रखी हैं। इनमें जेपीएससी एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े छात्रों से तत्काल उच्चस्तरीय संवाद, परीक्षा संबंधी अनियमितताओं के आरोपों की स्वतंत्र जांच, स्टार्टअप नीति 2023 के क्रियान्वयन का लेखा-परीक्षण, स्टार्टअप एवं नवाचार के नाम पर खर्च सरकारी राशि का स्वतंत्र ऑडिट व श्वेत पत्र तथा संभावित वित्तीय एवं प्रशासनिक अनियमितताओं की समग्र सीबीआई जांच की मांग शामिल है। रथिन भद्रा ने कहा कि एसोसिएशन का उद्देश्य किसी व्यक्ति या राजनीतिक दल को निशाना बनाना नहीं, बल्कि सरकार से जवाबदेही और पारदर्शिता की मांग करना है। उन्होंने कहा कि झारखंड के युवा भीख नहीं, बल्कि अवसर, पारदर्शिता और अपने अधिकार की मांग कर रहे हैं। एसोसिएशन ने राज्य सरकार से छात्रों से तत्काल संवाद कर उनकी मांगों पर समयबद्ध निर्णय लेने तथा स्टार्टअप एवं नवाचार के पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने की अपील की है।

तिरंगा यात्रा ने दिया राष्ट्रप्रेम और एकता का संदेश

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। भाजपा की ओर से 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत रविवार को मोरहाबादी मैदान से शहीद अल्बर्ट एक्का चौक तक भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के नेतृत्व में आयोजित यात्रा में हजारों कार्यकर्ताओं एवं आमजनों ने हाथों में तिरंगा लेकर देश की एकता, अखंडता और गौरव का संदेश दिया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में 'हर घर तिरंगा' अभियान राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रीय एकता और जनभागीदारी का जनआंदोलन बन चुका है। तिरंगा यात्रा राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान का प्रतीक है और लोगों में देशभक्ति की भावना को मजबूत करती है। उन्होंने लोगों से अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों पर तिरंगा फहराकर अभियान में सहभागी बनने का आह्वान किया। भाजपा के संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि तिरंगा केवल ध्वज नहीं, बल्कि देश का गौरव और हमारी सामूहिक पहचान है। तिरंगा यात्रा राष्ट्र की एकता, अखंडता और देश के प्रति समर्पण की भावना को मजबूत करने का संदेश देती है। यात्रा में केंद्रीय राज्यमंत्री संजय सेठ, प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद एवं बालमुकुंद सहाय, प्रदेश महामंत्री गणेश मिश्र एवं मनोज सिंह, विधायक नवीन जायसवाल, सीपी सिंह एवं नीरा यादव, प्रदेश मंत्री सुनीता सिंह, पूर्व विधायक जीतू चरण राम एवं अनंत कुमार ओझा, रांची की मेयर रोशनी खलखो सहित भाजपा के कई वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आदिवासी दिवस पर रस्म अदायगी नहीं, सरकार बताए आदिवासियों के अधिकार और भविष्य के लिए क्या किया : सुदेश महतो

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आजसू पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो ने आदिवासी समाज को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आदिवासी अधिकार केवल एक दिन के समारोह और भाषणों तक सीमित नहीं रह सकते। जल, जंगल, जमीन, पहचान, भाषा, संस्कृति और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा सरकार की जिम्मेदारी है। सुदेश महतो ने कहा कि आदिवासी समाज आज रोजगार, पलायन, विस्थापन, शिक्षा, स्वास्थ्य और जमीन की सुरक्षा जैसे गंभीर सवालों से जूझ रहा है। सरकार को केवल घोषणाओं के बजाय इन समस्याओं के समाधान का धरातलीय परिणाम दिखाना चाहिए। विश्व आदिवासी दिवस पर सरकार को यह बताना चाहिए कि पिछले वर्षों में आदिवासी समाज की वास्तविक समस्याओं के समाधान के लिए क्या ठोस कदम उठाए गए। उन्होंने कहा कि जल, जंगल और जमीन से पहचाने जाने वाले झारखंड में ही आदिवासी और मूलवासी अपने अधिकारों और भविष्य को लेकर चिंतित हैं। खनिज संपदा से समृद्ध राज्य के युवा रोजगार के लिए दूसरे राज्यों में पलायन करने को मजबूर हैं। यह स्थिति सरकार की नीतियों पर गंभीर सवाल खड़े करती है। महतो ने कहा कि झारखंड पांचवीं अनुसूची के अंतर्गत आता है। CNT, SPT और PESA जैसे कानून आदिवासी समाज के अधिकारों की महत्वपूर्ण कानूनी सुरक्षा हैं। इन कानूनों की भावना के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जा सकता। ग्रामसभा और स्थानीय समुदायों की भूमिका को मजबूत करना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज को केवल राजनीतिक मंचों पर सम्मान देने के बजाय निर्णय प्रक्रिया में वास्तविक भागीदारी देना जरूरी है। आदिवासी युवाओं के लिए रोजगार, गांवों में बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था तथा स्थानीय संसाधनों पर समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित किए बिना आदिवासी विकास की बात अधूरी है। सुदेश महतो ने विश्व आदिवासी दिवस पर सरकार से तीन स्पष्ट संकल्प लेने की मांग की—आदिवासी अधिकारों और जमीन की सुरक्षा, युवाओं के लिए स्थानीय रोजगार का सृजन और मजबूरन होने वाले पलायन पर प्रभावी रोक। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज अब केवल भाषण नहीं, बल्कि अपने अधिकारों का प्रभावी क्रियान्वयन चाहता है। आजसू पार्टी झारखंड आंदोलन की मूल भावना के अनुरूप जल, जंगल, जमीन, पहचान, सम्मान, रोजगार और सामाजिक न्याय के सवालों पर लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीके से मजबूती से आवाज उठाती रहेगी।

छात्रों के आंसुओं की कीमत झामुमो-कांग्रेस को चुकानी होगी : आदित्य साहू

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने जयपाल सिंह स्टेडियम में आंदोलनरत छात्रों से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना। उन्होंने कहा कि छात्रों की आंखों से निकलने वाले आंसू केवल आंदोलनकारी छात्रों के नहीं, बल्कि झारखंड के करोड़ों छात्र-नौजवानों और आम लोगों की पीड़ा एवं आक्रोश को दर्शाते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि हेमंत सोरेन सरकार छात्रों के आंदोलन के साथ अन्याय कर रही है। आदित्य साहू ने कहा कि छात्र पिछले 17 दिनों से अपनी मांगों को लेकर आंदोलनरत हैं और भारी बारिश के बावजूद उनका हौसला नहीं टूटा है। छात्रों की प्रमुख मांग जेपीएससी-जेएसएससी मामलों की सीबीआई जांच है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार वार्ता के नाम पर केवल औपचारिकता कर रही है। उन्होंने झामुमो-कांग्रेस पर छात्रों के आंदोलन को राजनीतिक रूप देने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस को सरकार पर दबाव बनाने की चुनौती दी। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस वास्तव में छात्रों के साथ है तो उसे मुख्यमंत्री आवास के सामने धरना देकर छात्रों की मांगों को पूरा कराने के लिए सरकार को बाध्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को सरकार से दो टूक कहना चाहिए कि छात्रों की मांग के अनुरूप सीबीआई जांच कराई जाए, अन्यथा वह सरकार से समर्थन वापस ले। जेपीएससी मामले पर भी साधा निशाना भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने जेपीएससी मामले में सीआईडी जांच से जुड़े मीडिया में सामने आ रहे कथित खुलासों को लेकर राज्य सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मीडिया रिपोर्ट्स में सामने आ रहे आरोप सरकार में भ्रष्टाचार की गंभीर तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। साहू ने मीडिया रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि कथित तौर पर तत्कालीन जेपीएससी अध्यक्ष एल. ख्यांगते और टीडीपीएल से जुड़े मामले में दो करोड़ रुपये के सौदे तथा भुगतान में 20 प्रतिशत कमीशन की बात सामने आई है। उन्होंने कहा कि इन आरोपों की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच जरूरी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीआईडी द्वारा पूछताछ के बावजूद एल. ख्यांगते की गिरफ्तारी नहीं होना कई सवाल खड़े करता है। साहू ने कहा कि सीआईडी जांच पर लोगों का भरोसा कायम रखने के लिए सरकार को पूरे मामले की सीबीआई जांच करानी चाहिए। आदित्य साहू ने कहा कि यदि सरकार वास्तव में छात्रों के हित और भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता के प्रति गंभीर है तो उसे जेपीएससी प्रकरण की सीबीआई जांच कराने के साथ ही मामले में सामने आए आरोपों पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए।

आदिवासी दिवस केवल उत्सव नहीं, अधिकारों की लड़ाई को मजबूत करने का दिन : डॉ. देवशरण भगत

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आजसू पार्टी के केंद्रीय मुख्य प्रवक्ता एवं झारखंड आंदोलनकारी डॉ. देवशरण भगत ने आदिवासी समाज को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दिन केवल उत्सव का नहीं, बल्कि आत्ममंथन, चिंता और संकल्प का दिन है। उन्होंने कहा कि जिस झारखंड के निर्माण के लिए आंदोलनकारियों ने संघर्ष और बलिदान दिया, वहां आज भी आदिवासी समाज अपने मूल अधिकारों, पहचान और भविष्य को लेकर गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। डॉ. भगत ने कहा कि झारखंड आदिवासी संघर्ष, संस्कृति, अस्मिता और बलिदान की ऐतिहासिक भूमि है। बिरसा मुंडा, सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो सहित हजारों आंदोलनकारियों के संघर्ष की बुनियाद पर राज्य का निर्माण हुआ। इसके बावजूद जल, जंगल, जमीन, विस्थापन, पलायन, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, भाषा-संस्कृति और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा आज भी बड़े सवाल बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध झारखंड के आदिवासी युवा रोजगार की तलाश में दूसरे राज्यों में पलायन करने को मजबूर हैं। यह केवल आर्थिक समस्या नहीं, बल्कि आदिवासी समाज की सामाजिक संरचना, संस्कृति और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा गंभीर विषय है। डॉ. भगत ने कहा कि झारखंड पांचवीं अनुसूची के अंतर्गत आता है और CNT, SPT तथा PESA जैसे प्रावधान आदिवासी समाज के अधिकारों की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण हैं। इन कानूनों का वास्तविक लाभ तभी मिलेगा, जब ग्रामसभा और स्थानीय समुदाय को निर्णय प्रक्रिया में प्रभावी अधिकार और भागीदारी मिले। उन्होंने सरकार से मांग की कि विश्व आदिवासी दिवस को केवल औपचारिक कार्यक्रमों तक सीमित न रखा जाए। आदिवासी जमीन की सुरक्षा, स्थानीय रोजगार, पलायन रोकने, शिक्षा-स्वास्थ्य, ग्रामसभा के अधिकार और संवैधानिक प्रावधानों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए स्पष्ट एवं समयबद्ध कार्ययोजना सार्वजनिक की जाए। डॉ. भगत ने कहा कि झारखंड आंदोलन का सपना केवल अलग राज्य का निर्माण नहीं था, बल्कि ऐसा झारखंड बनाना था जहां जल, जंगल और जमीन पर स्थानीय समाज का अधिकार हो, युवाओं को रोजगार मिले और आदिवासी-मूलवासी अपनी भाषा, संस्कृति और पहचान के साथ सम्मानपूर्वक जीवन जी सकें। उन्होंने कहा कि झारखंड आंदोलन की लड़ाई अभी समाप्त नहीं हुई है। राज्य का निर्माण पहली मंजिल थी, जबकि सामाजिक न्याय, अधिकार, सम्मान और समतामूलक विकास की लड़ाई अभी जारी है। आजसू पार्टी झारखंड आंदोलन की मूल भावना के अनुरूप जल, जंगल, जमीन, पहचान, सम्मान, रोजगार और सामाजिक न्याय के सवालों पर संघर्ष करती रहेगी।

हर घर तिरंगा, हर दिल में देशभक्ति हमारा संकल्प : आदित्य साहू

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत भाजपा झारखंड प्रदेश कार्यालय के समक्ष तिरंगा झंडा बिक्री केंद्र का उद्घाटन प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने फीता काटकर किया। इस केंद्र का उद्देश्य आम नागरिकों को आसानी से राष्ट्रीय ध्वज उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर आदित्य साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि देश के हर घर में शान से तिरंगा लहराए और प्रत्येक नागरिक के मन में राष्ट्रभक्ति एवं राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान की भावना मजबूत हो। उन्होंने कहा, "हर घर तिरंगा, हर दिल में देशभक्ति, यही हमारा संकल्प है।" प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि भाजपा राष्ट्रीय भावना को साथ लेकर राजनीति करने वाली पार्टी है। उन्होंने बताया कि प्रदेश कार्यालय में पिछले पांच वर्षों से लगातार आम लोगों को तिरंगा उपलब्ध कराया जा रहा है। इस वर्ष भी नागरिकों को महज 10 रुपये की सहयोग राशि में राष्ट्रीय ध्वज उपलब्ध कराया जाएगा। कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष भानु प्रताप शाही, प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी, मनोज सिंह, नवीन कुमार जायसवाल, अनंत ओझा, सरोज सिंह, अमित मंडल, दीनदयाल वर्णवाल, सतीश सिन्हा, तारिक इमरान, सूरज शाहदेव, राहुल शाहदेव, रजनीश पांडेय सहित पार्टी के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

छात्रों से मुख्यमंत्री का संवाद स्वागतयोग्य पहल : केशव महतो कमलेश

नई सोच एक्सप्रेस

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा छात्रों के नाम जारी अपील और परीक्षा व्यवस्था को पारदर्शी, निष्पक्ष एवं भरोसेमंद बनाने के लिए संवाद की पहल का प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि छात्र राज्य और देश के भविष्य हैं। उनकी मेहनत, उम्मीद और सपनों के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ नहीं होना चाहिए। प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर छात्रों के बीच बने असमंजस, चिंता और अविश्वास को दूर करना सरकार और संबंधित परीक्षा संस्थाओं की प्राथमिकता होनी चाहिए। परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता, समयबद्धता, निष्पक्षता और जवाबदेही सुनिश्चित करना जरूरी है। कमलेश ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा छात्रों की समस्याओं को सुनने और उनसे सुझाव आमंत्रित करने की पहल सकारात्मक है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से अपील की कि वे अपनी समस्याएं, सुझाव और अनुभव सरकार तक संवाद पोर्टल के माध्यम से पहुंचाएं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि गठबंधन सरकार के मंत्री भी लगातार छात्रों से संवाद कर रहे हैं और उनकी मांगों एवं चिंताओं को गंभीरता से सुन रहे हैं। सरकार संवाद के माध्यम से छात्रों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि झारखंड के युवाओं को केवल आश्वासन नहीं, बल्कि ऐसी परीक्षा व्यवस्था चाहिए जिस पर उन्हें पूरा विश्वास हो। किसी भी समस्या का स्थायी समाधान संवाद, विश्वास और सकारात्मक पहल से ही संभव है। कांग्रेस छात्रों के न्यायसंगत हितों और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए मजबूती से उनके साथ खड़ी रहेगी। कमलेश ने कहा कि झारखंड गठन के 26वें वर्ष में राज्य के युवाओं के लिए बेहतर अवसर, रोजगार और पारदर्शी प्रतियोगी परीक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि मुख्यमंत्री की पहल से छात्रों और सरकार के बीच संवाद मजबूत होगा तथा परीक्षा संबंधी समस्याओं के स्थायी समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे।

चतरा में दुष्कर्म पीड़िता के परिजनों से मिले बाबूलाल, न्याय का दिलाया भरोसा

नई सोच एक्सप्रेस

चतरा। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने टंडवा थाना क्षेत्र के बड़गांव पहुंचकर दलित नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता के परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने पीड़ित परिवार को न्याय एवं हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए मरांडी ने घटना को जघन्य बताते हुए कहा कि भाजपा पीड़िता और उसके परिवार की लड़ाई हर स्तर पर लड़ेगी। उन्होंने राज्य की कानून-व्यवस्था और पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए मामले की पारदर्शी जांच तथा दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की। मरांडी ने आरोप लगाया कि घटना की सूचना मिलने के बावजूद टंडवा थाना पुलिस ने अपना दायित्व नहीं निभाया और उल्टा पीड़िता के माता-पिता को ही जेल भेज दिया गया। उन्होंने पीड़िता के माता-पिता को अविलंब रिहा करने तथा बच्ची को उसके घर भेजने की मांग की। उन्होंने कहा कि घटना में यदि आरोपी के परिवार के अन्य सदस्यों की भूमिका या जानकारी सामने आती है तो उनके खिलाफ भी कानून के तहत कार्रवाई होनी चाहिए। मरांडी ने पुलिस प्रशासन और सरकार को सचेत करते हुए कहा कि आम लोगों के सब्र का अधिक इम्तिहान न लिया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य में किसी भी बेटी के साथ होने वाली ऐसी घटना के खिलाफ भाजपा हमेशा पीड़िता के साथ खड़ी रहेगी। सड़क से लेकर न्यायालय तक पीड़ित परिवार की लड़ाई में भाजपा पूरा सहयोग करेगी। प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश महामंत्री गणेश मिश्रा, सांसद काली चरण सिंह, विधायक प्रदीप प्रसाद, उज्ज्वल दास, पूर्व सांसद मनोज भुईंया, पूर्व विधायक जयप्रकाश भोक्ता, किशुन दास और प्रभात भुईंया सहित अन्य नेता मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

जंगली हाथियों के झुंड ने खैरा कृषक पाठशाला में मचाया उत्पात, फसल व बाउंड्री को भारी नुकसान

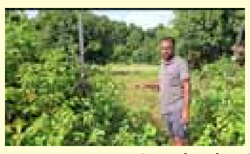

टाटीझरिया। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत खैरा पंचायत स्थित कृषक पाठशाला परिसर में जंगली हाथियों के झुंड ने घुसकर जमकर उत्पात मचाया। हाथियों के तांडव से पाठशाला परिसर में लगी विभिन्न फसलों के साथ-साथ बुनियादी ढांचे को भी भारी नुकसान पहुंचा है। घटना के बाद क्षेत्र के किसानों में भय एवं चिंता का माहौल बना हुआ है। कृषक पाठशाला के संचालक दयाल प्रसाद के अनुसार, जंगली हाथियों ने लगभग सात एकड़ क्षेत्र में लगी जालीदार तार की बाउंड्री को पूरी तरह तोड़कर क्षतिग्रस्त कर दिया। इसके अलावा हाथियों ने खेतों में लगी फसलों को रौंदते हुए करीब 200 किलोग्राम ओल, 12 आम के पेड़ तथा लगभग सात किलोग्राम धान के बिचड़े को नष्ट कर दिया। हाथियों के झुंड द्वारा लगातार किए जा रहे नुकसान से स्थानीय किसानों में दहशत का माहौल है। किसानों का कहना है कि जंगली हाथियों के कारण उनकी मेहनत से तैयार फसलों को भारी नुकसान हो रहा है और उन्हें अपनी जान-माल की सुरक्षा की भी चिंता बनी रहती है। कृषक पाठशाला के संचालक ने वन विभाग एवं जिला प्रशासन से मामले का संज्ञान लेते हुए क्षेत्र में हाथियों से सुरक्षा के लिए प्रभावी व्यवस्था करने तथा हुए आर्थिक नुकसान का उचित मुआवजा शीघ्र उपलब्ध कराने की मांग की है।

हजारीबाग में 17 से 24 अगस्त तक जनजातीय गौरव उत्सवः डॉ. आशा लकड़ा को मिला निमंत्रण

हजारीबाग। हजारीबाग के बड़ा अखाड़ा परिसर में आगामी 17 से 24 अगस्त तक आठ दिवसीय 'जनजातीय गौरव उत्सव' का आयोजन किया जाएगा। बिरसा मुंडा जन कल्याण योजना प्रचार अभियान के नेतृत्व में आयोजित इस उत्सव का उद्देश्य भगवान बिरसा मुंडा की विचारधारा, जनजातीय संस्कृति, परंपरा और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देना तथा महिला उद्यमियों व जनजातीय समाज को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। इस सिलसिले में आयोजकों ने राष्ट्रीय जनजातीय आयोग की सदस्य एवं भाजपा की राष्ट्रीय सचिव डॉ. आशा लकड़ा से शिष्टाचार भेंट कर उन्हें कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी और उत्सव में शामिल होने का निमंत्रण दिया, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार कर लिया।

कोल वाहनों के खिलाफ JMM नेता मनोज चंदा का बड़ा ऐलान

» "अब आर-पार की लड़ाई होगी" — कोल वाहनों के खिलाफ आंदोलन की चेतावनी

सिमरिया (चतरा)। क्षेत्र में कोल वाहनों के लगातार परिचालन को लेकर स्थानीय स्तर पर विरोध के स्वर तेज होने लगे हैं। इसी कड़ी में JMM नेता मनोज चंदा ने कोल वाहनों के खिलाफ अब आर-पार की लड़ाई लड़ने का ऐलान किया है। मनोज चंदा ने कहा कि कोल वाहनों के परिचालन से स्थानीय लोगों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर उड़ती धूल, आवागमन में परेशानी, जाम और दुर्घटनाओं की आशंका को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है। उन्होंने कहा कि जनता की समस्या को अब किसी भी कीमत पर नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने प्रशासन से कोल वाहनों के परिचालन को लेकर उचित व्यवस्था करने और स्थानीय लोगों की समस्याओं का समाधान कराने की मांग की है।

कटकमसांडी में महिला की संदिग्ध मौत, मायके वालों ने लगाया हत्या का आरोप

कटकमसांडी (हजारीबाग)। कटकमसांडी एवं गिद्धौर प्रखंड के सीमावर्ती चतरा जिला अंतर्गत दुवारी गांव निवासी संजय साव की पत्नी की रविवार को कटकमसांडी में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। जानकारी के अनुसार, महिला को फंदे पर लटका देखकर आसपास के लोगों ने शोर मचाया। स्थानीय लोगों ने तत्काल उसे नीचे उतारा और आनन-फानन में कटकमसांडी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। बताया जाता है कि संजय साव अपने परिवार के साथ कटकमसांडी में रहकर निजी दुकान का संचालन करते थे। मृतका का करीब दो वर्ष का एक बच्चा भी है। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है। इधर, मृतका के मायके वालों ने उसकी मौत को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। मायके वालों का कहना है कि उनकी बेटी की हत्या करने के बाद उसे फंदे से लटका दिया गया। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। घटना की सूचना मिलने के बाद कटकमसांडी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस परिजनों एवं आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है तथा घटना से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जांच की जा रही है। महिला की मौत हत्या है या आत्महत्या, इसका स्पष्ट खुलासा पुलिस की जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगा।

श्रावणी मेले में भक्तिमय गीतों से झूमे दर्शक,बीएड कॉलेज में जय मां दुर्गा संस्कृति कला दल की शानदार प्रस्तुति

देवघर। राजकीय श्रावणी मेला-2026 के अवसर पर शनिवार को स्थानीय बीएड कॉलेज परिसर में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सौजन्य से जय मां दुर्गा संस्कृति कला दल द्वारा संध्याकालीन सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। निर्देशक मिथिलेश वाजपेयी के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में कलाकारों ने भक्ति गीतों की मनमोहक प्रस्तुति देकर दर्शकों का दिल जीत लिया। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से हुई। भोजपुरी गायक चंदन सिंह 'चंदू' ने भक्तिमय गीतों की प्रस्तुति से माहौल को शिवमय बना दिया। गायिका कविता श्रीवास्तव के गीतों ने भी श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। वहीं दीक्षा सिंह, सुषमा और गायक सोनू ने भोले बाबा के भक्ति गीत प्रस्तुत किए, जिस पर दर्शक झूमते और नाचते नजर आए। कार्यक्रम का मंच संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन निर्देशक मिथिलेश वाजपेयी ने किया। सांस्कृतिक कार्यक्रम को दर्शकों ने खूब सराहा और कलाकारों की प्रस्तुतियों की प्रशंसा की।

प्रखंड के आउटसोर्सिंग कर्मियों में आक्रोश, बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

नई सोच एक्सप्रेस

चौपारण। प्रखंड कार्यालय में कार्यरत आउटसोर्सिंग कर्मियों को पिछले 17 माह से मानदेय का भुगतान नहीं होने से कर्मियों में आक्रोश है। शनिवार को कंप्यूटर ऑपरेटर, कंप्यूटर सहायक, चालक एवं झाड़ूकश ने प्रखंड विकास पदाधिकारी नितेश भास्कर को ज्ञापन सौंपकर लंबित मानदेय का अविलंब भुगतान कराने की मांग की। कर्मियों ने प्रशासन से आउटसोर्सिंग एजेंसी के स्तर से लंबित भुगतान की समस्या का शीघ्र समाधान कराने की अपील की है। कर्मियों ने बताया कि वे ग्रामीण विकास विभाग की अधिकृत आउटसोर्सिंग एजेंसी मेसेर्स राइडर सिक्योरिटी प्राइवेट लिमिटेड, रांची के माध्यम से चौपारण प्रखंड कार्यालय में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। नियमित रूप से कार्य करने के बावजूद उन्हें लंबे समय से मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है। ज्ञापन में बताया गया है कि नवंबर 2024 से मार्च 2025 तक पांच माह तथा अगस्त 2025 से जुलाई 2026 तक 12 माह, कुल 17 माह का मानदेय अब तक लंबित है। कर्मियों का कहना है कि लगातार कई महीनों तक मानदेय नहीं मिलने से उनके सामने गंभीर आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है। परिवार का खर्च चलाने, बच्चों की पढ़ाई, घर का किराया, इलाज और रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना मुश्किल हो गया है। आर्थिक तंगी के कारण कई कर्मियों को मजबूरी में कर्ज लेकर परिवार का खर्च चलाना पड़ रहा है। इससे उन पर आर्थिक बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। कर्मियों ने कहा कि लंबे समय से बिना मानदेय के काम करने के बावजूद वे अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। मानदेय नहीं मिलने से आर्थिक परेशानी के साथ मानसिक तनाव और भविष्य को लेकर असुरक्षा की स्थिति बनी हुई है। कर्मियों ने बताया कि इस संबंध में जिले के अन्य प्रखंडों में कार्यरत कर्मियों की ओर से भी आवेदन सौंपकर लंबित मानदेय भुगतान की मांग की गई है। ज्ञापन सौंपने वालों में कंप्यूटर सहायक विजय कुमार सोनी, संतोष कुमार, सकलदेव साव, गौरव पांडेय, जीप चालक संतोष कुमार एवं झाड़ूकश रवि कुमार शामिल थे। कर्मियों ने प्रशासन से मांग की है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए सरकार से Allotment की मांग की गई है ताकि उनका 17 माह का लंबित मानदेय शीघ्र भुगतान कराया जा सके कर्मियों ने कहा कि यदि उनकी मांग पर जल्द सकारात्मक पहल नहीं की गई तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने के लिए बाध्य होंगे। उन्होंने प्रशासन से मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए लंबे समय से लंबित भुगतान की समस्या का जल्द समाधान कराने की मांग कीहै।

सार्वजनिक दुर्गा पूजा2026 के अध्यक्ष बने सांसद प्रतिनिधि मनोज कुशवाहा

नई सोच एक्सप्रेस

गिद्धौर।प्रखंड मुख्यालय अन्तर्गत ठाकुरवाड़ी मंदिर परिसर में दुर्गा पूजा मनाने को लेकर रविवार को ग्रामीणों की बैठक किया गया।बैठक की अध्यक्षता मुखिया निर्मला देवी व संचालन विधायक प्रतिनिधि कपिल कुमार दांगी ने किया।बैठक में सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार कुशवाहा मुख्य रूप से उपस्थित थे।बैठक में उपस्थित ग्रामीणों ने दुर्गा पूजा धूमधाम से मनाने को लेकर बारी बारी से जानकारी देते हुए धूमधाम से पुजा मनाने का निर्णय लिया गया। और दुर्गा पूजा अध्यक्ष के लिए अपना नाम बैठक में रखने के लिए बोला गया।जहां पांच लोगों ने अपना-अपना नाम दर्ज कारया। जिसमें पंकज कुमार दांगी,पूर्व दुर्गा पूजा अध्यक्ष दशरथ कुमार,आकाश कुमार,विकास कुमार सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार कुशवाहा का नाम शामिल है। सभी को आपसी सहमति से लॉटरी करवाया गया।और उसमें अध्यक्ष के लिए नाम मनोज कुमार कुशवाहा का नाम माता रानी की कृपा से प्राप्त हुआ।और दुर्गा पूजा के लिए अध्यक्ष घोषित हुआ। जिन्हें मनोनयन किया।बैठक में कांशी महतो,सेवानिवृत किरानी नागेश्वर राम दांगी,सेवानिवृत शिक्षक श्यामसुंदर दांगी,महादेव दांगी, परमेश्वर दांगी(गुरुजी) तीरथ राम दांगी राजू लाल वर्मा,निरंजन दांगी, मुकुटधारी दांगी महाबिर दांगी युवा मंडल अध्यक्ष बबलू कुमार साव यदुनंदन पांडेय निरंजन दांगी लखन दांगी,जेएमएम प्रखंड अध्यक्ष मनोज कुमार वर्मा,विकास कुमार,कैलाश दांगी समेत सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे।

पूर्व मुख्यमंत्री सह नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल पहुंचे बडगांव

नई सोच एक्सप्रेस

» प्रशासनिक कार्रवाई पर जताई नाराज़गी, पक्षपात का लगाया गंभीर आरोप

टंडवा (चतरा)। प्रखंड क्षेत्र में नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता को न्याय दिलाने की मांग को लेकर झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सह नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी रविवार को टंडवा के बड़गांव पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों व पीड़ित परिवार से मुलाकात कर घटना की पूरी जानकारी ली। पत्रकारों के सामने उन्होंने पूरे मामले पर बेबाकी से प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुवे पुलिसिया कार्रवाई पर गहरा असंतोष एवं तमाम घटनाक्रम के बीच स्थानीय थाना की लापरवाही पर केंद्रित कर दिया। कहा कि नाबालिग के अपहरण होने की सूचना 3 अगस्त को परिजनों द्वारा थाना में देने के बावजूद भी घोर लापरवाही बरता गया। पीड़ित परिवार के घर के सामने जब संगीन धाराओं का अपराधी इमरोज जो पूर्व में पॉक्सो व अन्य मामलों का अभियुक्त था वो अपहरण कर 48 घंटे बलात्कार करते रहा। पुलिस अगर तत्परता से कार्रवाई की होती तो जनाक्रोश को समय रहते दबाकर उक्त आरोपी को सलाखों के पीछे भेज सकती थी। वहीं भीड़ द्वारा दुष्कर्म और बलात्कार के आरोपी मो इमरोज़ की पिटाई से हुई मौत मामले में पुलिस प्रशासन की कार्रवाई को पक्षपातपूर्ण बताया। दुष्कर्म पीड़िता को बाल सुधार गृह एवं उसके माता-पिता को जहां सलाखों के पीछे भेजा गया एवं उसके मामले को पूरी तरह से गौण कर अपहरण और दुष्कर्म में सहयोग देने वाले आरोपियों की गिरफ्तारी अबतक नहीं होने पर गंभीर सवाल उठाए। विदित हो कि अपहरण और दुष्कर्म के आरोपी की मौत के बाद परिजनों द्वारा 54 नामजद एवं दो सौ अज्ञात आरोपी बनाये गये हैं। श्री मरांडी ने कहा कि पुलिस निर्दोषों को परेशान कर रही है।आरोपी बहरहाल, धारदार चाकू एवं पिस्तौल के साथ मृतक मो इमरोज़ की तस्वीरें अब सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रही है। लोगों का कहना है कि उक्त अवैध हथियार के दम पर आरोपी डरा धमकाकर छेड़छाड़ और बलात्कार की घटनाओं को अंजाम देता था। श्री मरांडी ने उक्त अपराधी को संरक्षण देने वाले उसके परिजनों को भी कठघरे में घसीटने की मांग की जिन्होंने नाबालिग बच्ची के साथ हो रहे दरिंदगी को तमाशबीन होकर सिर्फ देख रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा तन मन धन से पीड़ित परिजनों का हर संभव सहयोग करेगी। इस मौके पर चतरा सांसद कालीचरण सिंह, चतरा विधायक जनार्दन पासवान, सिमरिया विधायक कुमार उज्जवल दास, पूर्व विधायक किशुन दास, जिला अध्यक्ष रामदेव सिंह भोक्ता सहित कई वरिष्ठ कार्यकर्ता ग्रामीण उपस्थित थे।

पृथ्वी दिवस पर वृक्षारोपण व पौधा वितरण

नई सोच एक्सप्रेस

चकाई। बिहार पृथ्वी दिवस के अवसर पर ऑक्सफोर्ड पॉइंट माधोपुर में रविवार को पर्यावरण संरक्षण को लेकर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस अवसर पर विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया तथा छात्र-छात्राओं एवं उपस्थित लोगों के बीच पौधों का वितरण किया गया कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी नियमित देखभाल करने का संदेश दिया गया कार्यक्रम का नेतृत्व विद्यालय के निदेशक विनय कुमार सिन्हा ने किया उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे हमारे जीवन के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं पर्यावरण को संतुलित रखने, प्रदूषण कम करने और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए पौधारोपण जरूरी है उन्होंने लोगों से अपील की कि सिर्फ पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि उनकी नियमित देखभाल और सुरक्षा भी सुनिश्चित करनी चाहिए इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक सुनील निशु कुमारी शैली कुमारी किरण कुमारी अनुराग कुमार रिकी कुमार दिलीप एवं प्रवीण कुमार सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे शिक्षकों ने भी छात्र-छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण के महत्व के बारे में जानकारी दी और उन्हें अपने आसपास हरियाली बढ़ाने के लिए प्रेरित किया कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया इनमें सुप्रिया कुमारी फूल कुमारी संजना कुमारी चांदनी कुमारी नेहा कुमारी रिया कुमारी साक्षी कुमारी मेघा कुमारी पूनम कुमारी प्रिंस कुमार आरती कुमारी रंजन सुधांशु मयंक आदर्श रमेश राकेश सहित अन्य छात्र-छात्राएं शामिल रहे इस दौरान वन विभाग से जुड़े वनकर्मी अजय कुमार फारेस्टर शैलेश कुमार एवं सुजीत कुमार सहित अन्य लोगों की भी मौजूदगी रही वनकर्मियों ने पौधारोपण एवं पौधों की देखभाल को लेकर आवश्यक जानकारी दी और लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया विद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने स्वयं पौधे लगाए और उनके संरक्षण का संकल्प लिया पौधा वितरण कार्यक्रम के दौरान लोगों से अपील की गई कि वे अपने घर खेत सड़क किनारे एवं सार्वजनिक स्थानों पर पौधे लगाएं तथा उनकी सुरक्षा करें कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में पर्यावरण संरक्षण को लेकर सकारात्मक माहौल देखने को मिला विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि बिहार पृथ्वी दिवस का उद्देश्य केवल एक दिन पौधे लगाना नहीं बल्कि लोगों में पूरे वर्ष पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना पैदा करना है ऑक्सफोर्ड पॉइंट माधोपुर के इस पहल की माधोपुर पंचयात के पूर्ब मुखिया रामचंदर पासवान ने सराहना की और कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से बच्चों और समाज में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ती है

विश्वआदिवासी दिवस पर कान्हा चट्टी प्रखंड में भव्य समारोह, मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए पूर्व मंत्री सत्यानंद भोक्ता

नई सोच एक्सप्रेस

» आदिवासी समाज की संस्कृति और अधिकारों की रक्षा हमसब की जिम्मेदारी :- पूर्व मंत्री सत्यानंद भोगता

कान्हचट्टी।चतरा कान्हा चट्टी राज्य के पूर्व मंत्री श्री सत्यानंद भोगता आज चतरा विधानसभा क्षेत्र के कान्हाचट्टी प्रखंड स्थित सयाल बगीचा में आदिवासी समाज के द्वारा आयोजित विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आयोजित भव्य कार्यक्रम में शामिल हुए एवं दीप प्रज्जवलित , व बाबा दिशोम गुरु के श्रद्धांजलि के उपरांत कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। ततपश्चात् कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए सर्वप्रथम सभी को आदिवासी दिवस की बधाई व हार्दिक शुभकामनायें दी एवं कहा की आदिवासी समाज ने सदियों से अपनी संस्कृति परम्परा और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा के लिए संघर्ष किया है। आदिवासी समाज की पहचान उसकी विशिष्ट संस्कृति परम्परावों और प्रकृति के साथ गहरे जुड़ाव से है। जल जंगल जमीन आदिवासी जीवन का आधार है। विश्व आदिवासी दिवस केवल उत्सव मानाने का दिन नहीं बल्कि आदिवासी समाज के संघर्ष, योगदान और अधिकारों को सम्मान देने का अवसर है। समाज का वास्तविक विकास तभी सम्भव है जब शिक्षा स्वास्थ्य रोजगार और मुलभुत सुविधाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। उक्त कार्यक्रम में अनुमंडल पदाधिकारी जाहूर आलम, कान्हा चट्टी अंचल अधिकारी मनोज गोप,जिलाध्यक्ष नवलकिशोर यादव,राजद नेता भीम सिंह प्रखंड अध्यक्ष शेरसाह मुखिया विकास कुमार सिंह उर्फ़ छोटु सिंह राकेश सिंह, योगेश यादव, सरना समिति के अध्यक्ष सकेंद्र सिंह खेरवार, सचिव दिलीप उरांव ,कान्हा चट्टी प्रमुख इन्दु कुमारी समेत कई गणमान्य मौजूद थे ।

उत्क्रमित मध्य विद्यालय मानगढ़ में शांतिपूर्ण तरीके से हुआ एसएमसी कमिटी का पुनर्गठन

नई सोच एक्सप्रेस

» पर्यवेक्षक शैलेन्द्र पाण्डेय के मार्गदर्शन में संपन्न हुई प्रक्रिया, दर्जनों ग्रामीण रहे मौजूद

चौपारण!!(हजारीबाग)। उत्क्रमित मध्य विद्यालय मानगढ़ में विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) कमिटी के पुनर्गठन को लेकर कार्यक्रम का आयोजन शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में किया गया। कार्यक्रम की पूरी प्रक्रिया पर्यवेक्षक शैलेन्द्र पाण्डेय के मार्गदर्शन एवं दिशा-निर्देश में संपन्न हुई। कार्यक्रम की शुरुआत रामसेवक दांगी की अध्यक्षता में की गई। इस दौरान विद्यालय प्रबंधन समिति के गठन एवं विद्यालय के बेहतर संचालन को लेकर आवश्यक जानकारी उपस्थित अभिभावकों एवं ग्रामीणों के बीच साझा की गई। पर्यवेक्षक शैलेन्द्र पाण्डेय ने एसएमसी कमिटी की भूमिका, जिम्मेदारियों एवं विद्यालय के विकास में समिति के योगदान के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में पूर्व मुखिया प्रतिनिधि प्रदीप चन्द्रवंशी,विद्यालय के प्रधानाध्यापक गौतम कुमार राणा, शिक्षक कैलाश दांगी, बच्चू कुमार राणा, संजय कुमार पाण्डेय, गुलाब साव, पूर्व अध्यक्ष प्रमोद कुमार ठाकुर, पिंटू कुमार, सनोज चन्द्रवंशी, टिंकू राम, अक्षय पाण्डेय, वार्ड सदस्य संजू देवी, निलू देवी, खुशबू कुमारी, रिंकू देवी, विनय पासवान, डब्लू राम, प्रवेज आलम, पंकज साव, कृष्णा साव , देवेन्द्र कुमार, रवीन्द्र कुमार सहित दर्जनों की संख्या में महिला-पुरुष एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। विद्यालय प्रबंधन समिति के पुनर्गठन को लेकर आयोजित बैठक में उपस्थित अभिभावकों और ग्रामीणों ने विद्यालय के शैक्षणिक वातावरण को बेहतर बनाने, बच्चों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा विद्यालय की मूलभूत सुविधाओं के विकास में सहयोग करने पर जोर दिया। प्रधानाध्यापक गौतम कुमार राणा ने कहा कि विद्यालय के विकास में शिक्षकों के साथ-साथ अभिभावकों एवं ग्रामीणों की सहभागिता भी महत्वपूर्ण है। एसएमसी कमिटी के सक्रिय सहयोग से विद्यालय में शिक्षा व्यवस्था को और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। वहीं, पर्यवेक्षक शैलेन्द्र पाण्डेय ने पूरी प्रक्रिया को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए उपस्थित लोगों का आभार जताया। बैठक के दौरान ग्रामीणों ने भी विद्यालय से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपनी बातें रखीं और विद्यालय के विकास में हरसंभव सहयोग करने की बात कही। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों ने विद्यालय एवं बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। इस प्रकार उत्क्रमित मध्य विद्यालय मानगढ़ में एसएमसी कमिटी के पुनर्गठन की प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई।

हाथियों के तांडव से थराया टाटीझरिया दर्जनों खेत वीरान, कई मकान ध्वस्त; सहमे ग्रामीण

नई सोच एक्सप्रेस

टाटीझरिया (हजारीबाग)। प्रखंड में जंगली हाथियों का खौफ चरम पर पहुंच गया है। बीती रात हाथियों के एक आक्रामक झुंड ने क्षेत्र में जमकर तांडव मचाया, जिससे आठों पंचायतों झरपो, भराजो, खैरा, डूमर, धर्मपुर, डहरभंगा, बेडम और टाटीझरिया के हजारों ग्रामीण रतजगा करने को मजबूर हैं। अतीत में हाथियों द्वारा कई ग्रामीणों को कुचलकर मार डालने की घटनाओं के कारण इस ताजा हमले से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। बीती रात हाथियों ने सिलसिलेवार तरीके से रिहाइशी इलाकों और खेतों को निशाना बनाया। खैरा पंचायत के करमा में दिनेश्वर ठाकुर (9 कट्ठा), सहदेव ठाकुर (18 कट्ठा) और दामोदर ठाकुर (18 कट्ठा) की धान की नर्सरी (बिचड़ा) को हाथियों ने पैरों तले कुचलकर पूरी तरह नष्ट कर दिया। इसके अलावा बेड़मका के केदार महतो की धान, झरपों के जाटों महतो, द्वारिका महतो व दीपक कुमार की मड़ुआ, और घूघुलिया में मिस्टर अंसारी की मकई की फसल को पूरी तरह बर्बाद कर दिया। महुआ टांड में मेहीलाल टुडू और एक अन्य ग्रामीण का मिट्टी का मकान ढहा दिया गया। खैरा-झरपों मार्ग पर स्थित बुढ़िया माता मंदिर के पास गणपत महतो का घर भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया। बैडमक्का में वार्ड सदस्य पप्पू रविदास और रीता देवी के कुएं से सिंचाई के लिए लगे दो महंगे मोटर (पंप) तोड़कर कुएं में फेंक दिए गए। पीड़ित किसानों ने आंखों में आंसू लिए बताया कि उन्होंने महाजन और बैंकों से कर्ज लेकर खेती की शुरुआत की थी। बिचड़ा और फसलें बर्बाद होने से उनकी पूरी लागत डूब चुकी है और अब परिवार के भरण-पोषण पर संकट मंडराने लगा है। ग्रामीणों ने वन विभाग की निष्क्रियता पर कड़ा रोष जताया है। क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन व वन विभाग से मांग की है कि हाथियों को घने जंगलों की ओर खदेड़ने की ठोस व्यवस्था की जाए तथा पीड़ित किसानों व परिवारों को फसल और संपत्ति के नुकसान का अविलंब उचित मुआवजा दिया जाए।

संक्षिप्त समाचार

अपनी पार्टी की नेता ने बाढ़ प्रभावित परिवारों से की मुलाकात

» उरी के कथल, मैया और लचिपुरा में लिया हालात का जायजा, राहत पहुंचाने की मांग

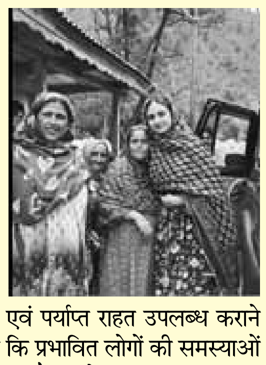

उरी। जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी की युवा नेता, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर एवं पूर्व अभिनेत्री मतीना जीलानी उर्फ मतीना राजपूत ने रविवार को उरी के कथल, मैया और लचिपुरा में बाढ़ प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने प्रभावित लोगों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और स्थानीय प्रशासन एवं सरकार से बाढ़ पीड़ित परिवारों को तत्काल एवं पर्याप्त राहत उपलब्ध कराने की मांग की। मतीना जीलानी ने कहा कि प्रभावित लोगों की समस्याओं को सरकार के समक्ष उठाया जाएगा और उन्हें आवश्यक सहायता दिलाने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। प्रतिनिधिमंडल ने बाढ़ प्रभावित परिवारों को भरोसा दिलाया कि उनकी चिंताओं को संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा। इस दौरान अपनी पार्टी के बारामूला जिला उपाध्यक्ष सैयद महमूद बुखारी, बोनियार तहसील अध्यक्ष जावेद पंडित और तस्लीम आरिफ भी मौजूद रहे।

सपा ने एमएलसी चुनाव के लिए विष्णु शर्मा सहित तेईस नेताओ को दी जिम्मेदारी

वाराणसी। सपा सुप्रीमो अखिलेश ने वाराणसी स्नातक खंड चुनाव संपन्न कराने के लिए वाराणसी सहित अन्य जनपद के प्रमुख नेताओ को जिम्मेदारी देते हुए प्रभारी एवं सप्रभारी नियुक्त किया है | सपा प्रमुख अखिलेश यादव के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने पत्र जारी कर वाराणसी के स्थानीय पॉच सपा नेताओ मे प्रभारी के रूप मे नियुक्त किए जाने वालो मे पूर्व मंत्री सुरेंद्र पटेल,पूर्व जिलाध्यक्ष आत्माराम यादव,पूर्व महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा "विश्वकर्मा", जिला महासचिव आनंद मौर्य,बुनकर नेता अनवारुल हक अंसारी को सप्रभारी नियुक्त किया गया है ||

युवक लापता होने से घर वाले अनहोनी होने की आशंका से है भयभीत

दानापुर। घर से निकला एक 19 वर्षीय युवक रहस्यमय ढंग से लापता हो गया है। इस संबंध में रतन राय का पुत्र लापता धीरज कुमार की मां बेबी देवी शाहपुर थाना में गुमशुदगी का मामला दर्ज कराया है। दर्ज मामले में मां ने बताया कि उनका पुत्र विगत 8 अगस्त को बिना कुछ बताए घर से निकला पर अभी तक घर नहीं आया, जिसके बाद उन्होंने आस पड़ोस एवं सगे संबंधियों में पता किया पर उसकी कोई जानकारी नहीं मिली। जिससे उनका पूरा परिवार किसी अनहोनी होने की चिंता से काफी भयभीत है। वहीं मामला संज्ञान में आने के बाद पुलिस युवक की खोजबीन में जुट गई है।

भारत छोड़ो आंदोलन की 84 वीं वर्षगांठ पर कांग्रेस ने शहीदों को किया नमन

पटना। भारत छोड़ो आंदोलन की 84 वीं वर्षगांठ के अवसर पर बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष राजेश राम के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने विधानसभा गेट के सामने स्थित शहीद स्मारक पर पहुंचकर अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा पुष्पमाला अर्पित कर उन्हें नमन किया।इस अवसर पर कांग्रेसजनों ने राष्ट्र की स्वतंत्रता, लोकतांत्रिक मूल्यों, संविधान और देश की एकता एवं अखंडता की रक्षा के लिए प्रतिज्ञान भी ली।इसके पूर्व बिहार प्रदेश कांग्रेस सेवादल द्वारा सुबह 9:30 बजे प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम से शहीद स्मारक तक तिरंगा मार्च का आयोजन किया गया। तिरंगा मार्च का नेतृत्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम , सेवादल के प्रभारी अफरोज आलम एवं सेवादल के अध्यक्ष डॉ संजय यादव ने किया। तिरंगा मार्च में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकतार्ओं एवं सेवादल के सदस्यों ने भाग लिया। हाथों में तिरंगा और देशभक्ति के नारों के साथ कांग्रेसजन शहीद स्मारक पहुंचे और अमर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि भारत छोड़ो आंदोलन देश के स्वतंत्रता संग्राम का एक ऐतिहासिक अध्याय है। वर्ष 1942 में महात्मा गांधी के नेतृत्व में अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ शुरू हुए इस आंदोलन ने देशवासियों के भीतर आजादी की निर्णायक लड़ाई का जोश पैदा किया। हजारों स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने प्राणों की आहुति देकर देश को आजादी दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।उन्होंने कहा कि आज जरूरत है कि हम स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और बलिदान से प्रेरणा लेकर संविधान, लोकतंत्र, सामाजिक न्याय, आपसी भाईचारे और देश की एकता की रक्षा के लिए मजबूती से खड़े हों। कांग्रेस पार्टी स्वतंत्रता आंदोलन के मूल्यों और लोकतांत्रिक परंपराओं की रक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध रही है।इस अवसर पर विधान परिषद में कांग्रेस दल के नेता डॉ मदन मोहन झा, अनुशासन समिति के अध्यक्ष कपिलदेव प्रसाद यादव, पूर्व विधायक डा शकील अहमद खान, पूर्व विधान पार्षद डा समीर कुमार सिंह, डा0 अजय कुमार सिंह, बंटी चौधरी, प्रतिमा कुमारी दास, ब्रजेश पाण्डेय, पंकज यादव, डा स्नेहाशीष वर्द्धन पाण्डेय, कुमार आशीष, चन्द्र प्रकाश सिंह, अरविन्द लाल रजक, गुंजन पटेल, शिव प्रकाश गरीब दास, डा0 संजय यादव , कमलदेव नारायण शुक्ला, प्रेमचन्द सिंह,, विमलेश तिवारी, विनीता भगत, अफरोज खान, डा0 कुमारी सोनी, डा0 अमन कुमार, सत्येन्द्र कुमार सिंह, आशुतोष शर्मा, जितेन्द्र नाथ, गुरूदयाल सिंह, राजेन्द्र चौधरी, अरविन्द चौधरी, नदीम अख्तर अंसारी, रीता सिंह, उदय शंकर पटेल, रुचि सिंह, मेनका कुमारी, आरती कुमारी, शैली विनोद , पूनम यादव, रामाशंकर, ब्रहमप्रकाश सिंह, सत्येन्द्र पासवान सहित सैकड़ों की संख्या में कांग्रेसजन एवं सेवादल के कार्यकर्ता मौजूद थे।

छपरा के कटरा बाजार में गुरु दक्षिणा कार्यक्रम संपन्न

सारण। कटरा बाजार स्थित बाबा मनोकामना नाथ मंदिर परिसर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा गुरु दक्षिणा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें स्वयंसेवकों ने भाग लेकर भगवा ध्वज को नमन किया और राष्ट्र के प्रति अपना समर्पण व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रार्थना और ध्वज गीत रंजीत ने प्रस्तुत किया, जबकि व्यवस्था सचिंद्र उपाध्याय ने संभाली। मुख्य वक्ता सत्य प्रकाश ने भगवा ध्वज को संघ का परम गुरु बताया। उन्होंने कहा कि संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर अगले 25 वर्षों के लिए पंच परिवर्तन का संकल्प लिया गया है। धर्म प्रचार प्रसार प्रमुख अरुण पुरोहित ने बताया कि सावन मास में गुरु पूर्णिमा से 15 दिनों तक गुरु उत्सव मनाया जाता है। उन्होंने कहा सबसे बड़ा धर्म राष्ट्र धर्म है। चरित्र निर्माण और राष्ट्रभक्ति सीखने के लिए संघ की शाखा से जुड़ना आवश्यक है। इस अवसर पर पूर्व प्राचार्य अरुण कुमार सिंह, प्रो. श्याम शरण, उदय प्रताप सिंह, रामावतार चौधरी, अशोक दुबे व उदय श्रीवास्तव सहित कई स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

'देहाती दुनिया' ने हिंदी साहित्य को दिया आंचलिक-बोध का स्वाद

नई सोच एक्सप्रेस

» जयंती समारोह में आचार्य शिवपूजन सहाय और गंगा शरण सिंह का स्मरण

पटना। बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन में रविवार को आयोजित जयंती समारोह एवं कथा-गोष्ठी में साहित्यकार आचार्य शिवपूजन सहाय और हिंदी-सेवी गंगा शरण सिंह को श्रद्धापूर्वक स्मरण किया गया। सम्मेलन अध्यक्ष डॉ. अनिल सुलभ ने कहा कि आचार्य शिवपूजन सहाय की महान कृति 'देहाती दुनिया' के प्रकाशन के सौ वर्ष पूरे हो गए हैं। इस कृति ने पहली बार हिंदी साहित्य को आंचलिक-बोध की सुगंध और स्वाद से परिचित कराया। उन्होंने कहा कि आचार्य शिवपूजन सहाय ने तपस्वी की तरह हिंदी की सेवा की और संपादन के माध्यम से अनेक साहित्यकारों की प्रतिभा को निखारा। मुख्य अतिथि राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति संजय कुमार ने कहा कि दोनों हिंदी-सेवियों के योगदान से हिंदी साहित्य को नई ऊर्जा मिली। इस अवसर पर आचार्य शिवपूजन सहाय की पौत्री पुनीता सिन्हा ने अपने पिता प्रो. मंगलमूर्ति का आलेख पढ़कर सुनाया। डॉ. रत्नेश्वर सिंह ने आचार्य शिवपूजन सहाय को मनोवैज्ञानिक लेखक बताया। सम्मेलन के उपाध्यक्ष डॉ. शंकर प्रसाद ने अतिथियों का स्वागत किया। समारोह में 'साहित्यिक स्पंदन' त्रैमासिकी का लोकार्पण भी हुआ। कथा-गोष्ठी में मधुरेश नारायण की कहानी 'कृतज्ञता', नूतन सिन्हा की 'कलम की पुकार' तथा कल्पना भट्ट की पुस्तक 'नीर-क्षीर' पर साहित्यकारों ने चर्चा और समीक्षा की।

दीपक अत्रि ने अपनी बहनों मानसी चंदेल दीपिका चंदेल के नाम से कावड़ लेकर हरिद्वार से चले

नई सोच एक्सप्रेस

» दीपक अत्री की कावड़ भाई बहनों का अटूट संगम

हरिद्वार। हरिद्वार से पवित्र गंगा जल लेकर निकले दीपक अत्रि दिल्ली निवासी आने वाले रक्षाबंधन त्यौहार के मध्य नजर अपनी बहनों के नाम से जल उठाया और दिल्ली के लिए रवाना निकले हुए उन्होंने बड़ी कावड़ उठाते हुए खराब मौसम के चलते कठिनाइयों का सामना किया नंगे पैरों दिल्ली के लिए रवाना हुए पैरों में छाले पड़ गए फिर भी चलते चले जा रहे हैं। जैसा कि ज्ञात हो दीपक अत्री की कोई बहन नहीं है वह मानसी चंदेल अधिवक्ता एवं दीपिका चंदेल को अपनी सगी बहनें मानते हैं जिनकी कामयाबी को लेकर भगवान भोले से उन्होंने मन्नत मांगी थी और इस मन्नत को पूरी करने को लेकर दीपक अत्री हरिद्वार से दिल्ली के लिए कावड़ यात्रा पर निकले और जल लेकर दिल्ली आ रहे हैं भाई बहनों का यह प्यार एक अनूठा बंधन इस कावड़ यात्रा में देखने को मिल रहा है उन्होंने अपनी कावड़ पर अपनी बहनों के नाम लिखकर पूरे सनातन धर्म को एक संदेश दिया है

दामोदर नगर में 20 लाख की लागत से बनेगी नई सड़क

नई सोच एक्सप्रेस

» जनता के सहयोग से वार्ड 65 बनेगा आदर्श वार्ड। पार्षद योगेन्द्र शर्मा यश

कानपुर। वार्ड 65 नौबस्ता पश्चिम के भाजपा पार्षद योगेंद्र शर्मा यश के द्वारा दामोदर नगर में 20 लाख रुपए की लागत से निर्मित होने वाली नई सड़क का भूमि पूजन कर शुभारंभ किया गया। भूमि पूजन कार्यक्रम में पार्षद योगेंद्र शर्मा ने क्षेत्र के वरिष्ठ जनों को माल्यार्पण कर सम्मानित किया। अपने संबोधन में पार्षद योगेंद्र शर्मा ने कहा कि हमारा संकल्प है कि वार्ड 65 के हर मोहल्ले, हर गली में विकास की रोशनी पहुंचे। दामोदर नगर की यह सड़क इसी दिशा में एक और कदम है। जनता ने जो विश्वास हम पर जताया है, उसे हम विकास कार्यों से और मजबूत करेंगे। शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता और सड़कों को लेकर कोई समझौता नहीं होगा। उन्होंने कहा कि पिछले अन्य कार्यकालों से हमने सर्वाधिक विकास कार्य कराए हैं और आगे भी कराते रहेंगे। यह सब कानपुर नगर निगम और विधायक महेश त्रिवेदी के अथक प्रयासों और मार्गदर्शन से संभव हो पाया है। क्षेत्रीय नागरिक अमित ने पार्षद की प्रशंसा करते हुए कहा कि पार्षद योगेंद्र शर्मा जमीनी नेता हैं। वे हमेशा जनता के बीच रहते हैं और हर समस्या का तुरंत समाधान करते हैं। उनके प्रयासों से आज दामोदर नगर में विकास की नई इबारत लिखी जा रही है। पार्षद योगेंद्र शर्मा ने नगर महापौर श्रीमती प्रमिला पाण्डेय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महापौर के सहयोग और समर्थन के बिना इतना कार्य और इतना विकास संभव नहीं था। उनके विजन के साथ ही हम वार्ड 65 को आदर्श वार्ड बनाने की ओर बढ़ रहे हैं। इस मौके पर मुख्य रूप से राजीव गुप्ता विजय वर्मा विनोद तिवारी राजेश शर्मा श्याम देव त्रिपाठी शिशिर राजेश शुक्ला नरेंद्र शर्मा रोहित शर्मा, ऋतिक शर्मा उज्ज्वल तिवारी एवं सेक्टर अध्यक्ष संजीव शर्मा सहित काफी संख्या में क्षेत्रीय मौजूद रहे।

दुकानदार से मारपीट करने का आरोपी गिरफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र पुलिस ने दुकानदार से मारपीट करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक श्री चन्द्र मोहन के कुशल मार्ग दर्शन में कृष्णा गेट पुलिस टीम ने दुकानदार से मारपीट करने के आरोपी रागिब अली वासी चक्रवर्ती मोहल्ला थानेसर कुरुक्षेत्र को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। जानकारी देते हुए पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस को दी अपनी शिकायत में जसवंत सिंह पाहवा वासी चक्रवर्ती मोहल्ला थानेसर कुरुक्षेत्र ने बताया कि उसकी लक्ष्मण चौंक पर सहाय क्लिनिक के सामने दुकान है। आज नीचे हरियाणा ग्लास का दुकानदार अली ने उससे कहा कि वह आपके दुकान पर बोर्ड लगाएगा। उसने कहा कि आप अपनी जगह पर बोर्ड लगाएं नही तो दुकान मालिक से फोन पर बात कर लिजिए। इस बात से गुस्सा होकर अली ने इरशाद और ताहिर के साथ मिलकर उसकी दुकान में घुस आए और उसे मारना पीटना शुरू कर दिया। उसे फ्लैक्स फाड दिए, गमले तोड़ दिये उसने मुश्किल से अपना बचाव किया। आरोपी जान से मारने की धमकी देकर चले गए। दिनांक 8 अगस्त 26 को थाना कृष्णा गेट प्रभारी निरीक्षक नरेश कुमार के मार्ग निर्देश में उप निरीक्षक जसवंत सिंह की टीम ने दुकानदार से मारपीट करने के आरोपी रागिब अली वासी चक्रवर्ती मोहल्ला थानेसर कुरुक्षेत्र को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को माननीय अदालत में पेश किया गया।

क्रांति दिवस पर कांग्रेस ने संगठन मजबूत करने का लिया संकल्प

नई सोच एक्सप्रेस

» पातेपुर में प्रखंड कांग्रेस कमिटी की बैठक, बूथ स्तर तक संगठन विस्तार पर जोर

पातेपुर। क्रांति दिवस के अवसर पर बहुआरा स्थित स्वतंत्रता सेनानी मो. अब्दुल रहमान के आवास पर रविवार को प्रखंड कांग्रेस कमिटी की बैठक हुई। अध्यक्षता प्रो. मशुदुल हक ने की, जबकि संचालन अनवारूल हक ने किया। बैठक में संगठन की मजबूती और आगामी कार्यक्रमों को लेकर विचार-विमर्श किया गया। वैशाली जिला कांग्रेस अध्यक्ष रंजीत पंडित ने कहा कि वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में कांग्रेस देश के सामने मजबूत लोकतांत्रिक विकल्प है। उन्होंने संविधान, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखने तथा बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता चंद्रभूषण राजपूत ने कार्यकर्ताओं से जनसेवा और संघर्ष की परंपरा को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। वरिष्ठ नेताओं तारक चौधरी और पारस चौधरी ने पंचायत एवं बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने की बात कही। बैठक में कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने और जनहित के मुद्दों पर लगातार संघर्ष करने का संकल्प लिया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संविदा सफाई कर्मचारियों को मिलेगा सामाजिक सुरक्षा कवच

नई सोच एक्सप्रेस

» EPF-ESI सुविधा देने पर नगर आयुक्त की सैद्धांतिक सहमति, कर्मचारियों में जगी उम्मीद

आगरा। नगर निगम में लंबे समय से कार्यरत संविदा सफाई कर्मचारियों के लिए सामाजिक सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण पहल सामने आई है। नगर आयुक्त संतोष कुमार वैश्य ने संविदा सफाई कर्मचारियों को कर्मचारी भविष्य निधि (EPF) और कर्मचारी राज्य बीमा (ESI) का लाभ दिलाने के संबंध में सैद्धांतिक सहमति दी है। नियमानुसार प्रक्रिया पूरी होने के बाद कर्मचारियों के वेतन से EPF और ESI की कटौती कर सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ दिलाए जाने की बात कही गई है। उत्तर प्रदेश स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष विनोद इलाहाबादी ने बताया कि करीब दो दशक से नगर निगम की स्वच्छता व्यवस्था में योगदान दे रहे संविदा सफाई कर्मचारी लंबे समय से इन सुविधाओं से वंचित हैं। उन्होंने कहा कि यह पहल कर्मचारियों और उनके परिवारों के भविष्य, स्वास्थ्य तथा आर्थिक सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी। नगर आयुक्त के समक्ष कर्मचारियों की समस्याओं और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े मामले को विस्तार से रखा गया, जिसके बाद उन्होंने नियमानुसार आवश्यक प्रक्रिया आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। बैठक में मुख्य वित्त एवं लेखाधिकारी बृजेश सिंह, सहायक नगर आयुक्त अशोक प्रिय गौतम, सुंदर बाबू चंचल और हरीबाबू वाल्मीकि मौजूद रहे। विनोद इलाहाबादी ने कहा कि EPF से कर्मचारियों को भविष्य के लिए आर्थिक संबल मिलेगा, जबकि ESI के माध्यम से स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित हो सकेगी। उन्होंने इसे सफाई कर्मचारियों के श्रम, सम्मान और अधिकारों की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

अयोध्या में महिला सशक्तीकरण की पहल, आठ फूड स्टॉल्स का शुभारंभ

नई सोच एक्सप्रेस

अयोध्या। सिविल लाइंस स्थित कॉमन इंक्यूबेशन सेंटर (CIC-अयोध्या) में महिला उद्यमिता और रोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आठ फूड स्टॉल्स का शुभारंभ किया गया। उत्तर प्रदेश सरकार, सक्सेस एरो सुपर फूड्स प्राइवेट लिमिटेड, भारत भक्ति फाउंडेशन एवं व्योमिका स्वावलंबन समिति के संयुक्त सहयोग से शुरू इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को फूड प्रोसेसिंग, स्वरोजगार और उद्यमिता के अवसर उपलब्ध कराना तथा मिलेट्स (श्रीअन्न) को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में अयोध्या के महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी, भाजपा महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव, एम.पी. सिंह सहित कई जनप्रतिनिधि व अधिकारी मौजूद रहे। सैकड़ों महिलाओं ने भाग लेकर अपनी समस्याएं और सुझाव रखे। आयोजकों ने बताया कि स्टॉल्स पर दक्षिण भारतीय, चाइनीज और मिलेट्स आधारित स्वच्छ एवं पौष्टिक व्यंजन उपलब्ध होंगे। भारत भक्ति फाउंडेशन एवं सक्सेस एरो के निदेशक डॉ. ब्रिजेश कुंतल ने कहा कि "नारी सशक्त होगी तो राष्ट्र सशक्त होगा।" उन्होंने महिला उद्यमिता को विकसित भारत@2047 की दिशा में महत्वपूर्ण बताया। आयोजकों ने इस मॉडल को पूरे अयोध्या, उत्तर प्रदेश और आगे देशभर में विस्तार देने की योजना की जानकारी दी।

थानों में आज भी कायम है मुंशी राज : प्रेम कुमार

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। प्रेम यूथ फाउंडेशन की ओर से पुलिस उत्पीड़न एवं मानवाधिकार हनन के विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया । इस मौके पर उपस्थित फाउंडेशन के संस्थापक गांधीवादी प्रेम जी ने कहा कि बिहार पुलिस का चेहरा अंग्रेज के पुलिस से भी खौफनाक है। थानों में आज भी मुंशी राज कायम है । आम आदमी को एक मामूली सनहा दर्ज कराने के लिए थानों में चक्कर लगाना पड़ता है तथा मुंशी को चढ़ावा भी देना पड़ता है। ताजा मामला है पटना का ही है। एक पत्रकार को पुलिस ने जमकर पीटा। पत्रकार का दोष बस इतना ही था कि पुलिस बिना महिला पुलिस के महिला के साथ धक्का मुक्की कर रहे थे। पत्रकार ने इसका वीडियो बनाने का जुर्रत कर दिया। फिर क्या सभी पुलिसकर्मियों ने मिलकर पत्रकार को धुन दिया तथा मोबाइल और कैमरा भी जब्त कर लिया। आम आदमी और महिलाएं आज भी थाना जाने से डरते है । पुलिस पर से लोगो का भरोसा उठता जा रहा है । छोटी छोटी गलती पर भी पुलिसकर्मियों ने मानवाधिकार हनन कर बैठती है । एक थानेदार को कंट्रोल में रखने के डीएसपी से लेकर डीजीपी तक है, फिर भी लगातार जनता के मित्र के रूप में काम करने की नसीहत पुलिस के आलाधिकारी की ओर से दिया जाता है लेकिन थाना स्तर पर इसका कोई असर नही पड़ता है । मानवता की रक्षा के लिए लाखों की लागत से हर थानों में तीसरी आँख सीसीटीवी लगाया गया है लेकिन वो भी मानवाधिकार हनन को रोकने में सफल नही हो पाया । पुलिस अगर गुंडो की तरह व्यवहार करने लगे तो आम आदमी कहाँ जायेगा ? किससे कहेगा अपनी फरियाद ? उन्होंने पुलिसकर्मियों के प्रशिक्षण में नैतिक शिक्षा को शामिल करने की जरूरत पर बल देते हुये कहा कि हमे हर हाल में मानवता की रक्षा के लिए खड़ा होना ही चाहिए । इस अवसर पर डॉ लक्ष्मी नारायण , डॉ संजय कुमार दिलीप कुमार,सुधीर शर्मा ने भी अपना विचार प्रकट किया ।

खेकड़ा में हुआ सरस्वती माताजी के चातुर्मास मंगल कलश स्थापना समारोह का भव्य आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

बागपत। उत्तर प्रदेश। उत्तर प्रदेश की धर्मनगरी खेकड़ा में स्थित चमत्कारी श्री 1008 पार्श्वनाथ धरणेन्द्र पद्मावती धाम, निर्भय एन्क्लेव में रविवार को 30वां गणिनी आर्यिका श्री 105 सरस्वती माताजी के चातुर्मास मंगल कलश स्थापना समारोह एवं मां पद्मावती की भक्ति आराधना का भव्य आयोजन श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। समारोह के दौरान विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। मुख्य कलश मीनू जैन धर्मपत्नी राजेश जैन, रोहिणी द्वारा स्थापित किया गया। दीप प्रज्ज्वलन गौरव जैन सौरभ जैन सपरिवार, हरदेवपुरी, शाहदरा ने किया। मुख्य चोला अर्पण अनीता जैन धर्मपत्नी पवन जैन, गुड़गांव द्वारा किया गया। इसी क्रम में फूल माला अर्पण अनिल जैन पुत्र सिद्धार्थ जैन, दीपिका जैन, राहुल जैन, कृति जैन, मॉडल टाउन, दिल्ली, मिठाई अर्पण दिव्या जैन धर्मपत्नी गौरव जैन लक्ष्मी नगर तथा फल अर्पण मंजू जैन धर्मपत्नी नरेश जैन खेकड़ा द्वारा किया गया। पंच मेवा अर्पण सतीश जैन मनोज जैन सपरिवार खेकड़ा ने किया। छप्पन भोग कपिला जैन धर्मपत्नी आशीष जैन पुत्र ईशान जैन गुड़गांव, हरियाणा ने लगाया। शास्त्र भेंट रीता जैन धर्मपत्नी मुकेश जैन, राधेपुरी दिल्ली द्वारा की गई। वहीं वस्त्र भेंट रजनी जैन धर्मपत्नी नवीन जैन वैशाली, पाद प्रक्षालन श्रीमती मंजू जैन, धर्मपत्नी आदेश जैन, लक्ष्मी नगर दिल्ली तथा आरती निक्की जैन धर्मपत्नी नवीन जैन बिहारी कॉलोनी दिल्ली द्वारा की गई। इस अवसर पर श्रद्धालुओं द्वारा 51 चोले अर्पित किए गए। कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध भजन गायक हिमांशु जैन और आर्यन जैन के भक्ति संगीत ने श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर किया और अपनी प्रस्तुतियों से वातावरण को भक्तिमय बनाया। कार्यक्रम का आयोजन श्री 1008 पार्श्वनाथ धरणेन्द्र पद्मावतीधाम समिति द्वारा किया गया। इस अवसर पर धाम के अध्यक्ष अंकुश जैन, सह कोषाध्यक्ष लाजपतराय जैन, विपुल जैन बागपत, जनेश्वर दयाल जैन, नरेश जैन, अनिल जैन, सुनील जैन, अजय जैन सहित सैंकड़ों श्रद्धालुगण उपस्थित थे।

हरी खाद का महत्व

फसल की कटाई के बाद ज्यादा से ज्यादा भूमि में मिश्रित हरी खाद बोने (या बाहर से लाकर खेत में देने) से मिट्टी की उपजाऊ शक्ति को बढ़ाने का बेहद कारगर तरीका है। इसे जैविक और रसायनिक खेती करने वाले दोनों तरह के किसान अपना सकते हैं। सनई, ढैंचा, उर्द और मूंग आदि से मिट्टी में मुख्य तौर पर नाइट्रोजन की आपूर्ति होती है, जबकि मिश्रित हरी खाद से हर फसल की जड़ों में इर्द–गिर्द अलग–अलग सूक्ष्म जीव पनपते हैं, जो मिट्टी में आवश्यक तत्वों की आपूर्ति करते हैं। इसलिए मिश्रित हरी खाद से पौधे को संतुलित पोषण मिलता है, जिससे फसल प्राकृतिक रूप से स्वस्थ होती है और कीड़ों, रोगों एवं प्रतिकूल मौसम का मुकाबला कर पाती है।

अगली फसल की बुआई से 10–15 दिन पहले या हरी खाद का तना सख्त होने से पहले या 50 प्रतिशत फूल बनने से पहले, जो भी पहले हो, जुताई कर दें। हरी खाद की बुआई के 30 से 45 दिन के बीच जुताई की जा सकती है। इसके साथ ही यह सावधानी रखनी जरूरी है कि हरी खाद की जुताई और अगली फसल की बुआई (रोपाई) के बीच लगभग 10–15 दिन का अंतर अवश्य हो नहीं तो अगली फसल का फुटाव (जर्मिनेशन और इमरजेन्स) प्रभावित होता है।

हरी खाद के लिये मुख्यतः दलहनी फसलों (ढैंचा, सनई, बरसीम, लोबिया, उर्द, मूंग) को ही लेते हैं जिसमें निम्नलिखित विशेषता होनी चाहिए–

- फसल शीघ्र बढ़ने वाली हो।
- ऐसी फसल होनी चाहिये जिसमे तना, शाखाएं और पत्तियां कोमल हो, जो आसानी से मिट्टी मे अपघटित हो कर जीवांश की मात्रा को बढ़ायें।
- मूसला (गहरी) जड़ों वाली फसलों को लें जिससे अधिक गहराई से पोषक तत्वों को ले सके साथ ही लवणीय और क्षारीय भूमि में भी अन्तः जल निकास का कार्य करें।
- फसल सूखा अवरोधी होने के साथ बाढ़ की स्थिति (जलमग्नता) को भी सहन कर सके।
- दलहनी फसलों की जड़ों में उपस्थित सहजीवी जीवाणु जो ग्रंथियों के रूप में रहते हैं वातावरण में मुक्त नाइट्रोजन को भूमि में स्थिरीकरण करके पौधों को उपलब्ध कराती है।
- हरी खाद के साथ–साथ फसलों को अन्य कामों में भी लाया जा सकें।
- रोग और कीट कम लगते हों तथा बीज उत्पादन की क्षमता भी अधिक हो।

हरी खाद से मृदा और फसलों में होने वाले प्रभाव

- दलहनी फसलों की जड़ें मजबूत होने के साथ गहराई तक जाती हैं जिससे यह कम उपजाऊ भूमि में अच्छी प्रकार से उगती है और मिट्टी को एक साथ बांधे रखती है जिससे मृदा- क्षरण कम होता है।
- हरी खाद से मृदा में जैविक पदार्थों की मात्रा भी बढ़ जाती है।
- राइजोबियम जीवाणु की उपस्थिति में दलहनी फसलों के द्वारा 60–150 किग्रा नाइट्रोजन प्रति हेक्टेयर तक की प्राप्ति होती है।
- हरी खाद से मिट्टी के भौतिक एवं रसायनिक गुणों में प्रभावी परिवर्तन होता है जिससे सूक्ष्म जीवों के संख्या, क्रियाशीलता एवं आवश्यक पोषक तत्वों की उपलब्धता मे वृद्धि होती है।
- धान के पौधों की लम्बाई, पत्तियों में हरित–लवक और रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है।
- गुणवत्ता–युक्त उपज की प्राप्ति होती है जिससे बाजार मूल्य अधिक मिलता है।
- हरी खाद के प्रयोग से पहले वर्ष के साथ–साथ दूसरे और तीसरे वर्ष में भी फसलों को पोषक तत्वों की प्राप्ति होती है।
- प्रोटीन की प्रचुर मात्रा के कारण पोषकीय चारा उपलब्ध कराने में हरी खाद पारिस्थितिक संतुलन को बनाये रखती है तथा मृदा उर्वरता को स्थायित्वता प्रदान करती है।
- हरी खाद टिकाऊ खेती के लिये एक अच्छा विकल्प है।
- क्षारीय एवं लवणीय भूमि के सुधार के लिये हरी खाद का प्रयोग करते हैं।

कम वर्षा में बाजरे की अच्छी पैदावार

जलवायु एवं मिट्टी

बाजरे की खेती भारत में मुख्य रूप से अधिक तापमान और शुष्क वातावरण वाले लगभग सभी राज्यों में की जाती है। बाजरे की फसल को बोते समय अधिक तापमान और आर्द्रता की आवश्यकता होती है, जबकि पकते समय शुष्क वातावरण की आवश्यकता होती है। इसकी वृद्धि एवं विकास के लिए 28 से 32 डिग्री सेल्सियस तापमान की आवश्यकता होती है। इसकी खेती के लिये बलुआर दोमट मिट्टी जिसमें जल निकास अच्छा हो, सर्वाधिक अनुकूल पायी गयी है। यह अम्लीय मिट्टी के प्रति संवेदनशील है।

खेत की तैयारी

एक गहरी जुताई के बाद दो हल्की जुताई एवं पाटा लगाना आवश्यक है। अच्छे जलधारण क्षमता संवर्धन के लिए खेत तैयारी के 15 दिन पूर्व खेतों में 10 बैलगाड़ी गोबर की सड़ी खाद, प्रति हेक्टेयर के हिसाब से फसल की बोआई से पहले खेत में डालें। खेत में नमी की उपयुक्त मात्रा चाहिए तथा नमी कम हो तो उसे सिंचाई से दूर करें। बाजरे के खेत में जल निकलने का सही इंतजाम हो, क्योंकि यह फसल ज्यादा पानी नहीं बरदाश्त कर सकती है।

बाजरे की किस्में

आईसीएमबी155, डब्लूसीसी 75, आईसीटीबी 8203, एचएचबी 67, पूसा कम्पोजिट 612, 443 और 383, पूसा संकर 415, 605, 322 और 23, आईसीएमएच 441 इत्यादि।

बुआई समय

बाजरा खरीफ की फसल है इसलिए गरमी के मौसम में बोया जाता है। बाजरे की बोआई का सही वक्त मध्य जून से मध्य जुलाई तक है।

बीज दर व बुवाई

चार-पांच किलोग्राम प्रति हेक्टेयर बीज बोयें। पौधा से पौधा 12–15 सेंटीमीटर तथा कतार से कतार 45–50 सेंटीमीटर दूर हो। कतारों में बुवाई से फसल को कम पानी की आवश्यकता होती है तथा पोषक तत्व भी सही मात्रा में पौधे को उपलब्ध होते हैं।

रोपण

एक हेक्टेयर क्षेत्र में रोपण के लिए पौधे तैयार करने हेतु लगभग 2 किग्रा बीज 500–600 वर्गमीटर उठी हुई क्यारियों में बोते है। नर्सरी से 2–3 सप्ताह बाद पौधों को सावधानी पूर्वक उखाड़कर जुलाई के तीसरे सप्ताह तक मुख्य खेत में रोपाई कर दें। यदि वर्षा देरी से या लगातार भारी वर्षा हो तो ऐसी स्थिति में बाजरा की सीधी बुवाई न कर पौध तैयार कर मुख्य खेत में रोपित किया जा सकता है।

खरपतवार नियंत्रण

बोआई के 3–5 सप्ताह के बाद पतली खुरपी से खरपतवार की निराई करें। इसमें रसायनिक खरपतवार नियंत्रण भी एक अच्छा विकल्प है, इसके लिए एट्राजीन (50 डब्लयू.पी.) का 500 ग्राम (हल्की मिट्टी) एवं 750 ग्राम (दोमट अथवा भारी मिट्टी) को 250–300 लीटर पानी में घोलकर बाजरा बोआई के 2–3 दिनों के अंदर खेतों में छिड़काव करने से चौड़ी व सकरी दोनों तरह की खरपतवार का नियंत्रण हो जाता है।

सिंचाई प्रबंधन

वैसे तो बाजरे की फसल वर्षा ऋतु की फसल है और बारिश पर ही निर्भर होती है। लेकिन यदि बरसात नहीं हो तो अच्छी पैदावार लेने हेतु फुटान अवस्था, सिट्टे लिकलते समय एवं दाना बनते समय पानी की कमी नहीं हो। अतः वर्षा का आभाव हो तो इन कांतिक अवस्थाओं पर पर्याप्त सिंचाई जल की व्यवस्था करनी आवश्यक है।

उर्वरक उपयोग

असिंचित बिजाई के समय प्रति हेक्टेयर 65 किलोग्राम यूरिया व एसएसपी 125 किलोग्राम का उपयोग करें। वर्षा की स्थिति के आधार पर सामान्यतः प्रति हेक्टेयर 30–90 किलोग्राम नत्रजन, 20–30 किलोग्राम फास्फोरस की सिफारिश की जाती है। इसके लिए बिजाई के समय प्रति हेक्टेयर 35–100 किलोग्राम यूरिया, 125–200 किलोग्राम एसएसपी, 25 किलोग्राम जिंक सल्फेट का उपयोग करें तथा सिट्टे बनते समय 35–100 किलोग्राम यूरिया का उपयोग करें। बाजरा की फसल में थायो यूरिया जो एक पादप वृद्धि नियामक है। इसका एक प्रतिशत पानी का घोल बनाकर बुवाई के 30–37 दिन बाद एवं सिट्टे बनते समय दूसरा छिड़काव करने से उपज में 10–17 प्रतिशत वृद्धि बड़ाई जा सकती है। इससे फसल में सूखा सहन करने की क्षमता में वृद्धि होती है।

कटाई व उपज

बाजरे की कटाई फसल के पूर्ण पकने के बाद करते है जोकि अक्टूबर–नवंबर की जाती है। इसकी दो तरह से कटाई की जाती है, एक तो नीचे से कटाई कर के सट्टे (बाली) बाद में काटते हैं और दूसरा खड़ी फसल के सट्टे (बाली) काट कर फिर कटाई करते हैं। दोनों ही सूरत में बालें धूप में सुखाने के लिए रखा जाता है। साधारणतयः देशी किस्म से 6–8 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तथा संकर किस्म से 15–20 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की उपज प्राप्त हो जाती है।

सोयाबीन की फसल पर जल भराव का प्रभाव

जल भराव का फसल और पैदावार पर प्रभाव

सोयाबीन फसल को अन्य फसलों की तुलना में विकास एवं अनाज उत्पादन के लिए अधिक नाइट्रोजन की आवश्यकता होती है। क्योंकि सोयाबीन के बीज में प्रोटीन की मात्रा अधिक होती है जिसको बनाने के लिए पौधे को नाइट्रोजन की अधिक आवश्यकता होती है। सोयाबीन का पौधा सहजीवी राइजोबिया के साथ मिलकर वातावरण से नाइट्रोजन लेकर उसका जड़ों के नोड्यूल्स में स्थिरीकरण कर सकता है। हालांकि नाइट्रोजन स्थिरी करण की प्रक्रिया में पौधे तो अधिक ऊर्जा के साथ-साथ सही मात्रा में ऑक्सीजन की भी आवश्यकता होती है। इसी कारण जल भराव की स्थिति में यह प्रक्रिया बहुत प्रभावित होती है। जल भराव तनाव के तहत नाइट्रोजन स्थिरीकरण में कमी आना ऊपज कम होने का मुख्य कारण माना जाता है। सामान्यतया मिट्टी में छोटे-छोटे छेद होते हैं जिनमें सामान्य स्थिति में 50 प्रतिशत पानी और 50 प्रतिशत वायु होती है। परन्तु जल भराव की स्थिति में वायु छिद्रों में भी पानी भर जाता है, इसी कारण मिट्टी में ऑक्सीजन की कमी हो जाती है जो कि पौधे की जड़ों की श्वसन क्रिया के लिए हानिकारक होता है। मिट्टी का तापमान भी कम हो जाता है ऐसी परिस्थिति में जड़ें श्वसन क्रिया नहीं कर पाती हैं और इसका विपरीत प्रभाव पौधों की वृद्धि और कार्य कि क्षमता पर पड़ता है।

मिट्टी में ऑक्सीजन तापमान के साथ-साथ जल भराव से मिट्टी के पी.एच. मान में भी परिवर्तन आ जाता है जो कि मिट्टी में पोषक तत्वों की उपलब्धता पर असर डालता है। जल भराव वाली मिट्टी में मुख्य पोषक तत्व जैसे कि नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, पोटेशियम, जिंक आदि की कमी हो जाती है तो वहीं दूसरी ओर आयरन एवं मैंगनीज़ की अधिकता के कारण मिट्टी विषाक्त हो जाती है। जल भराव अगर विकास के महत्वपूर्ण चरणों जैसे की नोड्यूल्स बनने, फूल आने और फली भरने की अवस्था पर आता है तो फसल खराब हो जाती है। अगर जल भराव लंबे समय (यानी, कई हफ्तों के लिए) तक रहता है तो, सोयाबीन की कुछ जल भराव के प्रति सहनशील किस्मों में जल भराव तनाव से बचने के लिए ऊपर की और साहसिक (advetitious) जड़ें बनाती हैं और इंटेरनोड की लम्बाई बढ़ जाती जिसके कारण पौधा पतला और लम्बा नजर आएगा।

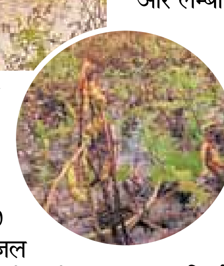

स्टेम, जड़ों और नोड्यूल्स में ऊतकों का विकास होता है जिसमे की वायु का संग्रहण होता है जो कि जड़ों में ऑक्सीजन की कमी के तनाव को कम करता है और तना और जड़ प्रणाली के बीच गैस विनिमय में सुधार लाता है। इस कारण नोड्यूल की नाइट्रोजन निर्धारण क्षमता में सुधार होता है। परन्तु, अल्पकालिक जल भराव (यानी, एक सप्ताह से भी कम) की स्थिति में पौधे में साहसिक जड़ें एवं एयरेंन कायमा ऊतकों का विकास नहीं हो पाता। इसी कारण ऑक्सीजन का चलन लगभग बंद हो जाता है जिससे नोड्यूल की नाइट्रोजन निर्धारण क्षमता में कमी आ जाती है। अगर यह स्थिति विकास के महत्वपूर्ण चरण पर आ जाये तो वृद्धि को प्रभावित करती है। अतिरिक्त पानी के हटने के बाद सोयाबीन में नाइट्रोजन के अधिग्रहण करने की क्षमता में पुनः सुधार आना अच्छी वृद्धि एवं पैदावार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। वैज्ञानिकों के द्वारा किये गए शोध में पता चला है कि चार दिन से एक सप्ताह तक की जल भराव की स्थिति सोयाबीन की उपज में कमी ला देती है। वैज्ञानिकों के अनुसार अगर चौथी त्रिपत्रक अवस्था और फूल व फली बनने की अवस्था पर 4-10 दिन तक जल भराव की स्थिति रह जाए तो पैदावार में 20-40 प्रतिशत कमी आ सकती है। बहुत लंबे समय तक के जल भराव से जड़ें पूरी तरह गल जाती हैं और फसल को भी भारी नुकसान होता है।

सावधानियां एवं उपाय

बुआई के समय अगर आपके क्षेत्र या किसी खेत में जल भराव हमेशा रहता है तो सबसे पहले आपको बुवाई के समय ही थोड़ी सी ढलान देते हुए खेत को समतल करवाना चाहिए। ढलान पानी के निकास की तरफ होनी चाहिए और बहुत अधिक नहीं होनी चाहिए। अधिक ढलान से पानी के साथ-साथ ऊपरी सतह की उपजाऊ मिट्टी भी चली जाती है। अगर खेत नहरी क्षेत्र में है तो ध्यान दें कि कहीं नहर से पानी का रिसाव तो खेत की तरफ नहीं हो रहा है ऐसे में सरकारी माध्यम से नहर का मरम्मत करवाने की कोशिश करें।

भारतीय सोयाबीन अनुसधान संसथान, इंदौर द्वारा विकसित ब्रॉड बेड और फरो पद्धति से बुवाई करना काफी लाभकारी है। इसमें दो फरो (नाली) के बीच में बेड पर 4 -5 सोयाबीन की पंक्तियां लगायी जाती हैं जो कि जड़ों में पानी के ठहराव को रोकता है और तनाव से बचाता है।

अगर खेत में जल भराव की वजह से फसल पीली पड़ती दिख रही है तो आप 1 प्रतिशत - 2 प्रतिशत डीएपी+ 1 प्रतिशत KCl (MOP) का छिड़काव कर सकते हैं। सोयाबीन की कुछ प्रजातियां जैसे की JS 97 52, पीके 472 कुछ हद तक जल भराव के प्रति सहन शीलता रखती है। परन्तु JS 20 29 और JS 95 60 जल भराव के प्रति अत्यंत संवेदनशील है और जल भराव की स्थिति में कम पैदावार देती है।

द ट्रेटर्स सीजन 2 ट्रेलर : मल्लिका शेरावत ने रिया चक्रवर्ती को घेरा, श्वेता तिवारी का खुलासा

करण जौहर के शो द ट्रेटर्स सीजन 2 में अलग-अलग क्षेत्रों से आए 21 सेलिब्रिटी प्लेयर्स का जबरदस्त कौलेब देखने को मिलेगा. आज शो द ट्रेटर्स सीजन 2 का ट्रेलर रिलीज हो चुका है और देखने में काफी इंटरेस्टिंग है. इनमें आदित्य कुलश्रेष्ठ उर्फ कुल्लू, अभिषेक मल्हान उर्फ फुकरा इंसान, अंश चोपड़ा, दलीप ताहिल, हरमन सिंघा, इक्का सिंह, करण सिंह मैजिक, क्रिस्टल डिसूजा, मल्लिका शेरावत, मुनव्वर फारुकी, पारुल गुलाटी, प्रिश, रणवीर बराड़, रिया चक्रवर्ती, रिदा थराना, साहिल सलाथिया, शाहनील गिल, शालिनी पासी, श्वेता तिवारी, सौंदूस मोफाकिर और तान्या पुरी शामिल हैं. प्राइम वीडियो ने आज अपनी अनस्क्रिप्टेड ओरिजिनल सीरीज द ट्रेटर्स के दूसरे सीजन का ट्रेलर रिलीज कर दिया है. जैसलमेर के शाही सूर्यगढ़ पैलेस की शानदार लोकेशन पर सेट इस नए सीजन में करण जौहर एक बार फिर इस रियलिटी सीरीज के मास्टरमाइंड के तौर पर वापसी कर रहे हैं, जहां भरोसा एक लग्जरी है, धोखा एक रणनीति है और हर कदम पर विश्वासघात का खतरा मंडरा रहा है. इस सीजन में उनके साथ एक रहस्यमयी नया साथी बू भी नजर आएगा, जो बुरी खबर लेकर आएगा. खिताब और बड़ी इनामी राशि जीतने के लिए 21 सेलिब्रिटी प्लेयर्स आदित्य कुलश्रेष्ठ (कुल्लू), अभिषेक मल्हान (फुकरा इंसान), अंश चोपड़ा, दलीप ताहिल, हरमन सिंघा, इक्का सिंह, करण सिंह मैजिक, क्रिस्टल डिसूजा, मल्लिका शेरावत, मुनव्वर फारुकी, पारुल गुलाटी, प्रिश, रणवीर बराड़, रिया चक्रवर्ती, रिदा थराना, साहिल सलाथिया, शाहनील गिल, शालिनी पासी, श्वेता तिवारी, सौंदूस मोफाकिर और तान्या पुरी एक-दूसरे को मात देने, गेम खेलने और आखिर तक टिके रहने के लिए मैदान में उतरेंगे. द ट्रेटर्स सीजन 2, आईडीटीवी के बाफ्टा और एमी अवॉर्ड जीत चुके ग्लोबल फॉर्मेट का भारतीय रूपांतरण है. इस सीजन को धर्माटिक एंटरटेनमेंट ने प्रमुख स्वतंत्र डिस्ट्रीब्यूटर ऑल3मीडिया इंटरनेशनल के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है. सीजन 2 का प्रीमियर 13 अगस्त को होगा और यह भारत में सिर्फ प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगा. इसके नए एपिसोड हर गुरुवार रिलीज किए जाएंगे. ट्रेलर दर्शकों को एक बार फिर उसी शाही महल में ले जाता है, जहां कुछ भी वैसा नहीं है जैसा दिखाई देता है और हर बातचीत के पीछे कोई नया खतरा छिपा हो सकता है.

ट्रेलर में करण जौहर कहते हैं, यह महल सपने जैसा लगता है... और मैं उस सपने को बुरे सपने में बदलने का इंतजार नहीं कर सकता. उनकी यह बात इस सीजन का माहौल साफ कर देती है, जहां प्लेयर्स पहले से ज्यादा चालाक, रणनीतिक और एक-दूसरे को मात देने के लिए तैयार नजर आ रहे हैं. इस बार उन्हें और मुश्किल टास्क, तनाव से भरे सर्कल ऑफ शक के मुकाबले, गुप्त गठजोड़ और टावर में होने वाले मर्डर का सामना करना होगा. गेम के बीच इनोसेंट्स और ट्रेटर्स के बीच असली मुकाबला होगा. इनोसेंट्स को गेम से बाहर होने से पहले ट्रेटर्स को पहचानना होगा, जबकि ट्रेटर्स को अपनी पहचान छिपाकर एक-एक करके इनोसेंट्स को गेम से बाहर करना होगा. जैसे-जैसे टास्क मुश्किल होंगे और दबाव बढ़ेगा, गठजोड़ टूटेंगे, शक गहराएगा और गेम में बने रहने के लिए प्लेयर्स को बेहद कठोर फैसले लेने होंगे. जब भरोसा सबसे कम होगा और हर चाल का असर दिखाई देगा, तब सबसे बड़ा सवाल यही रहेगा की क्या इनोसेंट्स ट्रेटर्स को पहचान पाएंगे या ट्रेटर्स सभी को मात देकर गेम जीत जाएंगे? अपने विचार साझा करते हुए करण जौहर ने कहा, द ट्रेटर्स का पहला सीजन बाकी रियलिटी कंटेंट और पुराने फॉर्मेट से अलग अपनी पहचान बनाने में कामयाब रहा और दर्शकों के रिस्पॉन्स ने साबित कर दिया कि वे कुछ नया देखने के लिए तैयार हैं. दूसरे सीजन के साथ हम जानते थे कि हमें गेम को और बड़ा, ज्यादा शार्प और पहले से भी ज्यादा अनप्रेडिक्टेबल बनाकर लौटना होगा. लेकिन इस बार प्लेयर्स फॉर्मेट के ट्विस्ट और ट्रैप से पूरी तरह वाकिफ होकर महल में आए थे. उनके पास अपनी रणनीतियां, पहले से ज्यादा मजबूत अंदाजा और ऐसी चालाकी थी, जिसने मुझे भी हैरान कर दिया. इस सीजन में आप दोस्तियों को टूटते, भरोसे को शक में बदलते, गठजोड़ को बिखरते और प्लेयर्स को ऐसे फैसले लेते देखेंगे, जिन्होंने मुझे सच में हैरान किया और कई बार झटका भी दिया. यही द ट्रेटर्स की खूबसूरती है, जब आपको लगता है कि आपने गेम को समझ लिया है, तभी यह सबकुछ पलट देता है. होस्ट के तौर पर मैंने कुछ ऐसे पल अपनी आंखों के सामने देखे, जिन पर यकीन करना मुश्किल था और मैं ईमानदारी से कह सकता हूं कि इस सीजन में जो कुछ हुआ, उसके लिए मैं भी तैयार नहीं था, तो तैयार हो जाइए द ट्रेटर्स सीजन 2 का प्रीमियर 13 अगस्त को प्राइम वीडियो पर होगा। और मेरा यकीन मानिए, आपको बिल्कुल अंदाजा नहीं है कि आगे क्या होने वाला है. ट्रेलर रिलीज होने से कुछ दिन पहले ही प्राइम वीडियो ने डाइनिंग थिएटर ऑफ ट्रेचरी के एक खास चार-कोर्स के जरिए 21 प्लेयर्स की पूरी लिस्ट सामने रखी थी.

इस बड़े खुलासे के बाद अब ट्रेलर ने उन कमजोर गठजोड़ों, तेज दिमाग और एक-दूसरे को मात देने वाली रणनीतियों की पहली झलक दिखाई है, जिनकी असली परीक्षा 13 अगस्त से गेम शुरू होने के बाद होगी.

धुरंधर ने फिर किया धमाल बनी नेटफ्लिक्स पर सबसे ज्यादा देखी जाने वाली दुनिया की नॉन-इंग्लिश फिल्म

आदित्य धर की धुरंधर भले ही सिनेमाघरों से उतर गई है, लेकिन ओटीटी पर अब भी इसका जादू छाया हुआ है. इस फ्रैंचाइजी ने बॉक्स ऑफिस के कई रिकॉर्ड तोड़े. फिल्म की पॉपुलैरिटी सिर्फ सिनेमाघरों तक ही सीमित नहीं रही. नेटफ्लिक्स पर आने के बाद भी इसे दुनिया भर में बहुत से दर्शकों ने देखा. शायद यही वजह है कि धुरंधर अब दुनिया भर में नेटफ्लिक्स की सबसे बड़ी भारतीय नॉन-इंग्लिश फिल्म बनकर उभरी है. नेटफ्लिक्स के को-सीईओ टेड सारंडोस ने हाल ही में इस फिल्म के बारे में बात करते हुए बताया कि यह उन भारतीय फिल्मों में से एक थी जिन्होंने स्ट्रीमिंग सर्विस पर बहुत अच्छा प्रदर्शन किया, जिससे यह साबित हुआ कि इसकी लोकप्रियता सिनेमाघरों से कहीं ज्यादा थी. टेड सारंडोस से पूछा गया कि क्या भारतीय फिल्मों और शो का भी दुनिया भर में वैसा ही असर पड़ रहा है, जैसा कोरियाई शो स्क्विड गेम का पड़ा था. तब उन्होंने बताया कि आदित्य धर की धुरंधर इस साल दुनिया में सबसे ज्यादा देखी जाने वाली नॉन-इंग्लिश फिल्म थी. उन्होंने कहा, धुरंधर इस साल दुनिया में सबसे ज्यादा देखी जाने वाली नॉन-इंग्लिश फिल्म थी. यह हर दूसरी इंग्लिश फिल्म से ज्यादा देखी गई और इसे देखने के मामले में यह सिर्फ यूएस और यूके से पीछे रही. बातचीत के दौरान, सारंडोस ने बताया कि लोग अक्सर उनसे पूछते हैं कि भारत में साउथ कोरिया के स्क्विड गेम या स्पेन के ला कासा डे पैपेल (मनी हाइस्ट) जैसा ग्लोबल कल्चरल फेनोमेनन कब देखने को मिलेगा.

उन्होंने जवाब में कहा कि भारत पहले से ही लगातार ग्लोबल लेवल पर सफल कंटेंट बना रहा है और ऐसे पल ऑल द टाइम आते रहते हैं. टेड सारंडोस ने कहा, इसके सिनेमा के जरिए आने की संभावना ज्यादा है. जब हमने सेक्रेड गेम्स बनाई थी, तब टेलीविजन का स्वरूप बिल्कुल अलग था. इसलिए, अब तक के इतिहास और आगे जो कुछ भी हो रहा है, उसे देखते हुए लगता है कि यह सिनेमा के रूप में ही सामने आएगा. उन्होंने आगे कहा, 2024 से हर हफ्ते ग्लोबल टॉप 10 में कोई न कोई भारतीय फिल्म या सीरीज़ रही है और यह उस एल्गोरिदम का नतीजा है जो आपको चीजे खोजने में मदद करता है. यह बात ऐसी है जो मुझे बहुत पसंद है. इसी वजह से, इस साल दुनिया भर में नेटफ्लिक्स पर भारतीय कंटेंट को 3 .5 अरब घंटे देखा गया है. आदित्य धर की फ्रैंचाइजी में रणवीर सिंह के साथ अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, आर. माधवन, सारा अर्जुन और राकेश बेदी जैसे अहम किरदार में नजर आए थे. इस फिल्म को आदित्य धर, ज्योति देशपांडे और लोकेश धर ने जियो स्टूडियोज और बी62 स्टूडियोज के बैनर तले मिलकर प्रोड्यूस किया है. यह स्पाई-एक्शन फिल्म पिछले साल दिसंबर में रिलीज हुई थी. इस साल मार्च में इसका दूसरा भाग धुरंधर : द रिवेंज सिनेमाघरों में आया और साल की सबसे बड़ी हिट फिल्म बन गई.

मालामाल वीकली 2 में बड़ा धमाका, रवीना टंडन और परिणीति चोपड़ा मिलकर लगाएंगी हंसी का तड़का

निर्देशक प्रियदर्शन की सुपरहिट कॉमेडी फिल्म मालामाल वीकली के सीक्वल को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है। मालामाल वीकली 2 में इस बार रवीना टंडन और परिणीति चोपड़ा की जोड़ी धमाल मचाने आ रही है। दोनों अभिनेत्रियां पहली बार एक साथ स्क्रीन शेयर करेंगी और दर्शकों को हंसी का डबल डोज देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फिल्म की स्टारकास्ट में इन 2 हसीनाओं के जुड़ने से प्रशंसकों के बीच उत्सुकता और बढ़ गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, रवीना टंडन और परिणीति चोपड़ा फिल्म मालामाल वीकली 2 की स्टारकास्ट में शामिल हो गई हैं। एक सूत्र ने बताया, स्क्रिप्ट की मांग के हिसाब से ये दोनों अभिनेत्रियां एकदम सही हैं। इसलिए निर्माता इन्हें फिल्म में लेने के लिए काफी उत्सुक थे। खास बात ये है कि रवीना और परिणीति दोनों को ही फिल्म की कहानी और अपने किरदार बहुत पसंद आए। उन्होंने तुरंत ही इस फिल्म को साइन कर लिया। सूत्र ने आगे कहा, दोनों ही अभिनेत्रियां बेहद प्रतिभाशाली हैं और उनकी कॉमिक टाइमिंग कमाल की है। रवीना ने 1990 के दशक में आई कई कॉमेडी फिल्मों के साथ-साथ हाल ही में रिलीज हुई फिल्म वेलकम टू द जंगल से भी अपनी काबिलियत साबित की है। उधर परिणीति ने अपने करियर की शुरुआत फिल्म लेडीज वर्सेस रिकी बहल में एक कॉमेडी और प्यारे किरदार से की थी। ऐसे में उम्मीद है कि दोनों मालामाल वीकली 2 में जबरदस्त धमाल मचाएंगी। रवीना और परिणीति के अलावा, परेश रावल के नाम पर भी इस फिल्म के लिए मोहर लग चुकी है। निर्माता अब अन्य प्रमुख भूमिकाओं के लिए बॉलीवुड के जाने-माने कलाकारों को कास्ट करने की तैयारी में हैं। इससे पहले खबर आई थी कि मालामाल वीकली 2 पर काम कर रही टीम को एक शानदार आइडिया मिला है, जो इस सीरीज के दूसरे भाग के लिए बिल्कुल परफेक्ट है। ये पहला भाग की सीधी सीक्वल नहीं होगी। बॉलीवुड के इतिहास में ऐसी कई फिल्में रही हैं, जिन्होंने बिना किसी बड़े सुपरस्टार के भी बॉक्स ऑफिस पर पैसों की बारिश कर दी। साल 2006 में रिलीज हुई मालामाल वीकली भी उन्हीं चुनिंदा फिल्मों में से एक है। 7 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने 42 करोड़ रुपये कमाए थे। छोटे बजट और दमदार कलाकारों (जैसे परेश रावल, ओम पुरी और रितेश देशमुख) के दम पर ये एक कालजयी फिल्म बन गई।

आवारापन 2 पर चली सेंसर बोर्ड की कैंची 9 बदलाव के बाद मिली ये रेटिंग

इमरान हाशमी की फिल्म आवारापन 2 अपनी रिलीज के काफी करीब है। विशेष भट्ट द्वारा निर्मित और नितिन कक्कड़ द्वारा निर्देशित, ये एक एक्शन थ्रिलर है जिसका इसी नाम से पहला भाग 2007 में आया था। सीक्वल में इमरान के साथ दिशा पाटनी मुख्य किरदार में नजर आएंगी। ताजा अपडेट है कि निर्माताओं ने फिल्म को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के पास सौंपा था, जहां से इसे प्रमाणपत्र मिल गया है। हालांकि फिल्म में काफी बदलाव किए गए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, जांच समिति ने फिल्म निर्माताओं को इसमें 9 संशोधन करने के निर्देश दिए हैं। सेंसर बोर्ड ने फिल्म में दिखाए गए हिंसात्मक दृश्यों को कम करने के लिए कहा है। अपशब्दों को कम करने और नशीली दवाओं, धूम्रपान और बाल तस्करी के खिलाफ चेतावनी जोड़ने जैसे बदलाव के निर्देश भी दिए गए हैं। इन सभी बदलाव के बाद, 5 अगस्त को बोर्ड ने 9 देकर आवारापन 2 को पास किया।यूए 16+ प्रमाणपत्र के साथ फिल्म को मिली मंजूरी आवारापन 2 की अवधि कुल अवधि 140 मिनट और 20 सेकंड है। मतलब फिल्म 2 घंटे, 20 मिनट, 20 सेकंड तक दर्शकों का मनोरंजन करती रहेगी। चूकि फिल्म को 2 घंटे, 20 मिनट, 20 सेकंड मिला है, इसलिए 16 साल या उससे ऊपर की उम्र वाले दर्शक अपने माता-पिता के मार्गदर्शन में देख सकेंगे। 14 अगस्त, 2026 को फिल्म हिंदी भाषा में अंग्रेजी सबटाइटल के साथ रिलीज होगी। इसकी टक्कर सनी देओल अभिनीत फिल्म बटवारा 1947 से होगी।

सावन के दौरान एयर फ्रायर में बनाएं ये व्यंजन, तुरंत हो जाएंगे तैयार

हिंदू धर्म में सावन के महीने का खास महत्व है। इस दौरान कई लोग व्रत रखते हैं और व्रत के दौरान खाने-पीने का खास ध्यान रखा जाता है। अगर आप भी सावन के दौरान व्रत रखते हैं और रोजाना क्या खाएं? इस सवाल से परेशान रहते हैं तो आइए आज हम आपको कुछ ऐसे एयर फ्रायर व्यंजनों की रेसिपी बताते हैं, जिन्हें बनाना मुश्किल नहीं है और ये सेहत के लिए भी फायदेमंद हैं।

सबसे पहले आलू को छीलकर पतले-पतले काट लें, फिर इन्हें पानी में भिगोकर रख दें। इसके बाद इनसे अतिरिक्त पानी निकालकर इन्हें एक कटोरे में डालें और इसके साथ सेंधा नमक, काली मिर्च और देसी घी मिलाएं। अब आलू के टुकड़ों को एयर फ्रायर में डालकर 180 डिग्री सेल्सियस पर 15 मिनट के लिए पकाएं। इसके बाद आलू के चिप्स को एक कटोरे में निकालकर इनमें थोड़ा नींबू का रस डालकर इन्हें परोसें। सबसे पहले साबूदाने को 5-6 घंटे के लिए पानी में भिगोएं, फिर भीगे हुए साबूदाने को एक बर्तन में डालकर पीस लें। अब मिश्रण को एक कटोरे में डालकर उसमें अदरक का पेस्ट, सेंधा नमक और नींबू का रस मिलाएं। इसके बाद मिश्रण को 2-3 मिनट के लिए फेंटे।

अब मिश्रण को एक घी लगे बर्तन में डालकर एयर फ्रायर में 15 मिनट के लिए रखें। आखिर में ढोकले पर सरसों का तड़का लगाकर इसे परोसें। इसके लिए सबसे पहले साबूदाना, आलू, हरी मिर्च, धनिया पत्ती, सेंधा नमक और नींबू के रस को मिलाकर एक मिश्रण तैयार करें। अब इस मिश्रण की छोटी-छोटी टिक्कियां बनाकर इन्हें एयर फ्रायर में रखें। इसके बाद इसे 180 डिग्री सेल्सियस पर 10 मिनट तक पकाएं। इसके बाद गर्मागर्म टिक्कियों को बाहर निकालकर इन्हें परोसें। इस तरह की टिक्कियां स्वादिष्ट होती हैं और व्रत के लिए उपयुक्त भी। सबसे पहले एयर फ्रायर को पहले से गर्म करें, फिर उसमें छिली और पतली कटी हुई शकरकंद, स्वादानुसार सेंधा नमक, थोड़ा तेल और काली मिर्च पाउडर डालकर 15 मिनट के लिए एयर फ्रायर में रखें। इसके बाद शकरकंद के चिप्स को एक प्लेट में निकालकर ठंडा होने दें, फिर इन्हें किसी डिब्बे में भरकर रख लें। यह एक सेहतमंद और स्वादिष्ट विकल्प है।

हर खबर पर पैनी नजर
नई सोच एक्सप्रेस
(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

खेल मंत्री मांडविया ने 'नशामुक्त भारत' संदेश के साथ फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल के 85वें संस्करण का किया नेतृत्व

एजेंसी, हणोल (गुजरात)

केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने रविवार को गुजरात के हणोल से फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल के 85वें संस्करण का नेतृत्व किया। इस अवसर पर युवाओं, माय भारत और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) से जुड़े प्रतिभागियों ने 'नशामुक्त भारत' का सामूहिक संकल्प लिया। अभियान का संदेश रहा- 'फिटनेस को हां कहें, ड्रग्स को ना कहें।' युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की ओर से फिट इंडिया अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रखते हुए फिटनेस को स्वस्थ जीवनशैली के सकारात्मक विकल्प के रूप में बढ़ावा देना था। डॉ. मांडविया ने संडे ऑन साइकिल को जन आंदोलन बताते हुए कहा, "मुझे खुशी है कि यह पहल प्रधानमंत्री के फिट इंडिया आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए एक बड़े आंदोलन के रूप में विकसित हुई है। देशभर में 10,000 से अधिक स्थानों पर युवाओं ने साइकिलिंग के माध्यम से यह संदेश दिया है।" डॉ. मांडविया ने दिसंबर 2024 में संडे ऑन साइकिल की शुरुआत की थी। इसके बाद से पूरे देश में 30 लाख से अधिक लोग इस अभियान में भाग ले चुके हैं। दिल्ली में इसका मुख्य कार्यक्रम मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण सामूहिक 'नशामुक्त भारत' संकल्प रहा, जिसमें 1000 से अधिक प्रतिभागियों ने नशे से मुक्त जीवन जीने और अपने परिवार, दोस्तों तथा समुदाय को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। रविवार सुबह 5:30 बजे तक 1000 से अधिक लोग स्टेडियम पहुंच गए थे। प्रतिभागियों ने योग और जुंबा जैसी गतिविधियों में हिस्सा लिया। इसके बाद इंडिया गेट और कर्तव्य पथ के आसपास पांच किलोमीटर की साइकिल यात्रा निकाली गई।

कार्यक्रम में कैरम, शतरंज, लूडो और बैडमिंटन के लिए गेम जोन भी बनाया गया। इसके अलावा रस्साकशी और बाधा दौड़ जैसी फिटनेस गतिविधियां भी आयोजित की गईं। कार्यक्रम में अभिनेता एवं मॉडल सिद्धार्थ निगम, अंतरराष्ट्रीय स्क्वैश खिलाड़ी और जूनियर राष्ट्रीय चैंपियन गुरवीर सिंह, फिट इंडिया एंबेसडर नरेंद्र कुमार और फिट इंडिया चैंपियन एवं प्रसिद्ध जुंबा प्रशिक्षक मीनल पाठक ने भी हिस्सा लिया। साइकिल यात्रा पूरी करने के बाद अभिनेता और जिम्नास्ट सिद्धार्थ निगम ने कहा, "सुबह पांच बजे बाहर निकलना और दिल्लीभर के लोगों को इतनी ऊर्जा और उत्साह के साथ साइकिल चलाते देखना शानदार अनुभव था। 'नशा मुक्त भारत' की थीम के साथ फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम यह मजबूत संदेश देता है कि हमें हानिकारक नशे की जगह फिटनेस, कड़ी मेहनत और अपने लक्ष्य हासिल करने की आदत अपनानी चाहिए।

भारत का श्रीलंका दौरा : शुभमन गिल ने नेट्स पर की वापसी

एजेंसी, कोलंबो

भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने रविवार को श्रीलंका क्रिकेट XI के खिलाफ एकमात्र अभ्यास मैच से बाहर रहने के बाद नेट्स पर वापसी की। कोलंबो के एनसीसी मैदान पर खेले जा रहे अभ्यास मैच के तीसरे और अंतिम दिन गिल को साइड नेट्स में बल्लेबाजी करते देखा गया।

गिल अभ्यास मैच से पहले दाएं हाथ की अनामिका उंगली में चोट लगने के कारण मुकाबले से बाहर हो गए थे। अभ्यास के दौरान बल्लेबाजी करते समय उनकी उंगली पर गेंद लगी थी। टॉस के समय केएल राहुल को भारतीय टीम की कप्तानी सौंपी गई थी। इसके बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बताया था कि गिल अभ्यास मैच के पहले दिन मैदान पर नहीं उतरेंगे। बीसीसीआई ने बयान में कहा था, "कप्तान शुभमन गिल को गुरुवार को भारत के अभ्यास सत्र के दौरान दाएं हाथ की अनामिका उंगली में चोट लगी। एहतियाती कदम के तौर पर वह श्रीलंका क्रिकेट XI के खिलाफ अभ्यास मैच के पहले दिन मैदान पर नहीं उतरेंगे।" हालांकि, मैच के दूसरे दिन भारतीय टीम की बल्लेबाजी के दौरान भी गिल बल्लेबाजी करने नहीं उतरे। उनकी नियमित बल्लेबाजी क्रम की चौथी पारी पर रविंद्र जडेजा बल्लेबाजी करने आए। गिल का नेट्स पर लौटना भारत के लिए राहत की खबर है क्योंकि भारत और श्रीलंका के बीच दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला 15 अगस्त से गॉल में शुरू होगी। इसके बाद दूसरा टेस्ट कोलंबो के एसएससी स्टेडियम में खेला जाएगा।

अश्मिता चालीहा ने कोरिया मास्टर्स अपने नाम किया, पहली बार जीता बीडब्ल्यूएफ टूर खिताब

एजेंसी, सियोल

भारत की अश्मिता चालीहा ने रविवार को शानदार वापसी करते हुए चीन की हान कियान शी को हराकर बीडब्ल्यूएफ कोरिया मास्टर्स 2026 का महिला एकल खिताब जीत लिया है। यह अश्मिता का पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब है। 26 वर्षीय गुवाहाटी की अश्मिता ने चौथी वरीयता प्राप्त चीनी खिलाड़ी के खिलाफ पहला गेम 14-21 से गंवाने के बाद जोरदार वापसी की और अगले दोनों गेम 21-14, 21-14 से जीतकर 53 मिनट में मुकाबला अपने नाम कर लिया। निर्णायक गेम में अश्मिता एक समय 9-11 से पीछे चल रही थीं, लेकिन कोर्ट के दूसरे छोर से मिल रही अनुकूल ड्रिफ्ट का उन्होंने शानदार फायदा उठाया। उन्होंने इसके बाद बचे 15 में से 12 अंक जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। मई में तीन महीने की चोट के बाद वापसी करने वाली विश्व की 50वें नंबर की अश्मिता ने बीडब्ल्यूएफ टूर पर लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। वापसी के बाद अपने पहले दो टूर्नामेंटों में उन्होंने चाइना मास्टर्स और मलेशिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया था। इस खिताबी जीत से पहले उनके लिए इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जून में मकाऊ ओपन में सेमीफाइनल तक पहुंचना था, जहां उन्हें दक्षिण कोरिया की उपविजेता पार्क गा-उन से हार मिली थी। राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र, गुवाहाटी में पार्क ताए-सांग के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लेने वाली अश्मिता ने कोरिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त जापान की हिना अकेची को हराया था।

विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिपः शाहनवाज खान ने लंबी कूद में जीता कांस्य

एजेंसी, यूजीन। भारत के शाहनवाज खान ने शनिवार को विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप 2026 की पुरुष लंबी कूद स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। यह इस चैंपियनशिप में भारत का तीसरा पदक है। इससे पहले आशीष यादव ने भाला फेंक में और बसंत कुमार मेघवाल ने ऊंची कूद में रजत पदक जीता था। शाहनवाज ने फाइनल में 7.84 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर कांस्य पदक अपने नाम किया। वह विश्व एथलेटिक्स अंडर-20 चैंपियनशिप में लंबी कूद में पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष एथलीट बन गए हैं। इससे पहले शाइली सिंह ने 2021 में महिलाओं की लंबी कूद में रजत पदक जीता था। हालांकि, शाहनवाज के लिए यह पदक कुछ मायनों में निराशाजनक भी रहा होगा, क्योंकि उनकी सर्वश्रेष्ठ छलांग उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 8.30 मीटर से काफी कम रही। दूसरे भारतीय फाइनलिस्ट आर.सी. जितिन अर्जुनन भी अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 8.12 मीटर के करीब नहीं पहुंच सके। उन्होंने 7.59 मीटर की छलांग के साथ आठवां स्थान हासिल किया। इटली के डेनियल लियोनार्डो इंजोली ने 7.97 मीटर की छलांग के साथ स्वर्ण पदक जीता। ऑस्ट्रेलिया के मेसन मैकग्रोडर ने 7.96 मीटर की व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ छलांग के साथ रजत पदक हासिल किया।

यूरोपीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप का आगाज सोमवार से, डुप्लांटिस और इंगब्रिग्त्सेन पर रहेंगी नजरें

एजेंसी, बर्मिंघम

विश्व रिकॉर्डधारी और ओलंपिक चैंपियन अर्मांड 'मोंडो' डुप्लांटिस समेत दुनिया के 10 मौजूदा चैंपियन सोमवार से शुरू हो रही यूरोपीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026 में पदक के लिए उतरेंगे। ब्रिटेन में पहली बार आयोजित हो रही इस चैंपियनशिप में 49 देशों के एथलीट हिस्सा लेंगे और 50 स्वर्ण पदकों के लिए मुकाबला होगा। डुप्लांटिस पुरुषों की पोल वॉल्ट स्पर्धा में आकर्षण का केंद्र होंगे। उनके अलावा आइजैक नाडेर (1500 मीटर), जिमी ग्रेसियर (5000 और 10,000 मीटर), मैटिया फुरलानी (लंबी कूद), पेड्रो पिचार्डो (त्रिकूद), डेनियल स्टाहल (चक्का फेंक) और लियो न्यूगेबॉयर (डेकाथलॉन) मौजूदा विश्व चैंपियन हैं। महिलाओं में फेमके बोल (400 मीटर बाधा दौड़), दिताजी कांबुंडी (100 मीटर बाधा दौड़) और मारिया पेरेज प्रमुख विश्व चैंपियन हैं। डुप्लांटिस, जैकब इंगब्रिग्त्सेन, मिल्टियादिस टेंटोग्लू और नॉर्वे के 400 मीटर बाधा धावक कार्स्टेन वारहोम लगातार चौथा यूरोपीय खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ उतरेंगे। वहीं यारोस्लावा माहुचिख और कीली हॉगिन्सन लगातार तीसरा स्वर्ण जीतने की कोशिश करेंगी। डुप्लांटिस लंदन डायमंड लीग में बायीं जांघ की समस्या के कारण हिस्सा नहीं ले पाए थे। उन्होंने वहां 5.95 मीटर की छलांग लगाने के बाद प्रतियोगिता से हटने का फैसला किया था। हालांकि जांच में कोई चोट नहीं मिली और अब वह बर्मिंघम में वापसी के लिए तैयार हैं। डुप्लांटिस अब तक 15 बार विश्व रिकॉर्ड तोड़ चुके हैं। उन्होंने 2020 में 6.17 मीटर के साथ पहली बार विश्व रिकॉर्ड बनाया था, जबकि उनका मौजूदा विश्व रिकॉर्ड 6.31 मीटर है, जो उन्होंने मार्च में स्वीडन में बनाया था।

बिजनेस

अगले सप्ताह गुलजार रहेगा प्राइमरी मार्केट, 8 नए आईपीओ की लॉन्चिंग, 8 कंपनियों के शेयर भी स्टॉक मार्केट में होंगे लिस्ट

एजेंसी, नई दिल्ली

सोमवार यानी 10 अगस्त से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में अच्छी हलचल रहने वाली है। इस सप्ताह आठ कंपनियां अपने आईपीओ लॉन्च कर रही हैं। इनमें पांच कंपनियों के आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट के हैं, जबकि शेष तीन आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। इसके अलावा पिछले सप्ताह छह और सात अगस्त को सब्सक्रिप्शन के लिए खुले चार आईपीओ में भी इस सप्ताह 10 और 11 अगस्त तक बोली लगाई जा सकती है। इनमें दो आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट के और दो आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। जहां तक नई लिस्टिंग की बात है, तो इस सप्ताह आठ कंपनियां स्टॉक मार्केट में एंट्री करने वाली हैं। इनमें तीन कंपनियां मेनबोर्ड सेगमेंट की जबकि शेष पांच कंपनियां एसएमई सेगमेंट की हैं।

सप्ताह के पहले कारोबारी दिन 10 अगस्त को धूत ट्रांसमिशन का 3,066.89 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में 12 अगस्त तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 829 रुपये प्रति शेयर से लेकर 871 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 17 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 17 अगस्त को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। 10 अगस्त को ही मोलबियो डायग्नोस्टिक्स का 939.70 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में भी 12 अगस्त तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 768 रुपये प्रति शेयर से लेकर 807 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 18 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 17 अगस्त को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इसके अगले दिन 11 अगस्त को मिल्की मिस्ट डेयरी फूड का 1553 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में 13 अगस्त तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 133 रुपये प्रति शेयर से लेकर 140 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 107 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 18 अगस्त को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इसी दिन शाम फोम का 40.48 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में भी 13 अगस्त तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 130 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 18 अगस्त को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। 11 अगस्त को ही एक और फैसिनेट टेक्सटाइल्स का 66.98 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च होगा। इस इश्यू में भी 13 अगस्त तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 148 रुपये प्रति शेयर से लेकर 156 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 800 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 18 अगस्त को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इसके अगले दिन 12 अगस्त को बिहारी लाल इंजीनियरिंग का 302 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में 14 अगस्त तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 271 रुपये प्रति शेयर से लेकर 285 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 52 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 19 अगस्त को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इसी दिन प्रमोदिनी मेडिकेयर का 69.04 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च होगा। इस इश्यू में 14 अगस्त तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 110 रुपये प्रति शेयर से लेकर 118 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 19 अगस्त को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। 12 अगस्त को ही शिपरॉकेट का 1,617.48 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में भी 14 अगस्त तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 92 रुपये प्रति शेयर से लेकर 97 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 154 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 19 अगस्त को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है। इन नए आईपीओ के अलावा पिछले सप्ताह छह अगस्त को सब्सक्रिप्शन लिए खुले एलएपीएल ऑटोमोटिव के 32.40 करोड़ रुपये के आईपीओ में कल यानी 10 अगस्त तक बोली लगाई जा सकती है। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 88 रुपये प्रति शेयर से लेकर 94 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयर का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद 13 अगस्त को बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग हो सकती है।

यूपीआई लेनदेन पर उपयोगकर्ताओं से कोई चार्ज नहीं लिया जाएगाः वित्त मंत्रालय

- **आम यूपीआई यूजर्स के लिए कोई शुल्क नहीं, व्यापारियों के लिए भी अधिकांश ट्रांजेक्शन रहेंगे मुफ्त**

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शनिवार को यूपीआई से पेमेंट करने वाले करोड़ों यूजर्स के बीच शुल्क को लेकर जारी भ्रम को दूर करते हुए सफाई दी है। सरकार ने यूपीआई ट्रांजेक्शन पर शुल्क लगाए जाने की चर्चाओं के बीच स्पष्ट किया है कि यूपीआई से भुगतान करने वाले आम उपभोक्ताओं से किसी भी तरह का ट्रांजेक्शन शुल्क नहीं लिया जाएगा। साथ ही व्यापारियों के लिए भी यूपीआई के अधिकांश लेन-देन पर कोई शुल्क नहीं लगाया जाएगा। वित्त मंत्रालय ने जारी एक आधिकारिक बयान में कहा है कि आम यूपीआई यूजर्स के लिए लेन-देन पूरी तरह से निशुल्क रहेगा। ग्राहकों से किसी भी प्रकार का अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। भविष्य में यदि मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लागू भी होता है, तो उसका भार केवल चुनिंदा बड़े व्यापारियों पर होगा, आम उपभोक्ताओं पर नहीं। मंत्रालय ने बतााया कि व्यक्ति से व्यक्ति के बीच होने वाले सभी यूपीआई ट्रांजेक्शन भी पूरी तरह निःशुल्क बने रहेंगे। साथ ही, व्यापारियों के लिए भी यूपीआई के अधिकांश ट्रांजैक्शन पर कोई शुल्क नहीं लगाया जाएगा। मंत्रालय ने कहा है कि भविष्य में यदि व्यापारी छूट दर (एमडीआर) लागू की जाती है, तो ये केवल कुछ सीमित प्रकार के व्यापारी ट्रांजेक्शन पर, एक निश्चित सीमा से अधिक राशि होने की स्थिति में और बेहद मामूली दर पर लागू होगी। यह दर डेबिट या क्रेडिट कार्ड से लिए जाने वाले शुल्क की तुलना में काफी कम होगी। सरकार ने ये कहा कि सभी व्यापारियों पर एक समान शुल्क लगाने की कोई योजना नहीं है। वित्त मंत्रालय के अनुसार कराधान और अन्य कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 के पारित होने के बाद भुगतान एवं निपटान प्रणाली अधिनियम, 2007 की धारा 10ए में संशोधन किया जाएगा। इसके बाद भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) की अध्यक्षता वाली यूपीआई एवं सेवा संचालन समिति यह तय करेगी कि एमडीआर लागू किया जाना है या नहीं और यदि लागू होता है तो उसकी दर क्या होगी।

सर्राफा बाजार में तेजी जारी, सोना और चांदी की बढ़ी चमक

- **साप्ताहिक आधार पर 8,180 रुपये तक महंगा हुआ सोना**

एजेंसी, नई दिल्ली

सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान जबरदस्त तेजी का रुख बना हुआ है। कीमत में आई तेजी के कारण चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना आज 2,290 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,500 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। वहीं चेन्नई में आज सोने के भाव में 1,510 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,650 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की तेजी आ गई है। इसी तरह हाजिर चांदी की कीमत में आज शुरुआती कारोबार के दौरान 5,100 रुपये प्रति किलोग्राम तक का उछाल आ गया है। कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,51,640 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,52,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,39,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,39,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में उछाल आने की वजह से ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,45,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। साप्ताहिक आधार पर देखा जाए, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में लगातार तेजी का रुख बनने के कारण सोना और चांदी दोनों धातुओं के भाव में तेजी आई है। पिछले सप्ताह के कारोबार में 24 कैरेट सोना 8,180 रुपये प्रति 10 ग्राम तक उछल गया। इसी तरह 22 कैरेट सोना साप्ताहिक आधार पर 7,600 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया। चांदी भी मजबूत ग्लोबल संकेतों की वजह से पिछले सप्ताह के कारोबार में महंगा हो गया। कीमत में आई तेजी के कारण चांदी का भाव साप्ताहिक आधार पर दस हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक उछल गया। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,52,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,39,850 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,52,350 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,52,450 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,39,750 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

असमः मुख्यमंत्री ने आईओएल और एनआरएल के रिकॉर्ड मुनाफ़े पर जताई खुशी

एजेंसी, गुवाहाटी

असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने ऑयल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल) और नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) द्वारा हासिल किए गए रिकॉर्ड वित्तीय और ऑपरेशनल लक्ष्यों का ज़िक्र किया। उन्होंने इस परफॉर्मेंस को असम के लिए गर्व की बात और भारत की ऊर्जा सुरक्षा में एक अहम योगदान बताया। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर रविवार को एक पोस्ट में, मुख्यमंत्री ने कहा कि आईओएल ने 2,870 करोड़ रुपये का "अब तक का सबसे ज़्यादा तिमाही स्टैंडअलोन प्रॉफ़िट आफ्टर टैक्स" (पीएटी) दर्ज किया, जो पिछले साल के मुकाबले 2.5 गुना ज़्यादा है। उन्होंने कहा कि यह बढ़ोतरी कच्चे तेल के प्रोडक्शन में 11 प्रतिशत की वृद्धि और कीमतों से अच्छी कमाई के कारण हुई। ओआईएल का कंसोलिडेटेड पीएटी 4,027 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल के मुकाबले 97 प्रतिशत की वृद्धि दिखाता है, जबकि कच्चे तेल का प्रोडक्शन 0.950 मिलियन मीट्रिक टन तक पहुंच गया। कंपनी ने 10,921 टन (यानी 84,109 बैरल) का अब तक का सबसे ज़्यादा दैनिक कच्चा तेल प्रोडक्शन भी दर्ज किया। मुख्यमंत्री ने अंडमान बेसिन में ओआईएल की खोज गतिविधियों और असम में एक ऑनशोर कुएं में 3,116 मीटर के अब तक के सबसे ज़्यादा हॉरिजॉन्टल डिस्प्लेसमेंट (क्षैतिज विस्थापन) की उपलब्धि पर भी प्रकाश डाला। वहीं, एनआरएल ने प्रॉफ़िट आफ्टर टैक्स में पिछले साल के मुकाबले 167 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो 1,305 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। रिफाइनरी ने 35.95 डॉलर प्रति बैरल का ग्रॉस रिफाइनिंग मार्जिन और 87.58 प्रतिशत का डिस्टिलेट यील्ड भी हासिल किया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कुमारी द्वारा अभिषेक प्रिंटिंग प्रेस, नया टोला, काजीपुर, पटना- 800004, से मुद्रित एवं मुसल्लहपुर हाट, रामपुर लेन, पटना 800006 से प्रकाशित। संपादक- अविनाश। संपादकीय कार्यालय : 8 वां तल्ला, रश्मि कॉम्प्लेक्स, पीएनटी कॉलोनी, किदवईपुरी, पटना- 800001, RNI: BIHHIN\2019/77032, फोनः 0612-2524441, 2951617, 9472072441, 9472244606, समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेवार।